Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

श्रीमद्भागवत पात्रानुक्रमणिका

एवं

स्थानानुक्रमणिका

प्राक्कथन लेखक

डॉ० स्वामी बी. एच. वन महाराज
डी. डी. डी. लिट्

लेखक-सम्पादक

डॉ० वासुदेव कृष्ण चतुर्वेदी (सप्ताचार्य)
एम. ए. (हिन्दी-संस्कृत) पी-एच. डी., डी. लिट्

रीडर एवं अध्यक्ष संस्कृत विभाग
प्राच्यदर्शन महाविद्यालय
वृन्दावन

5
3
5
1

श्रीकृष्ण सत्संग भवन प्रकाशन
मथुरा उ. प्र.

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj, Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

श्रीमद्भागवत पात्रानुक्रमणिका
एवं
स्थानानुक्रमणिका

प्राक्कथन लेखक
डॉ० स्वामी बी. एच. वन महाराज
डी. डी. डी. लिट्

लेखक-सम्पादक
डॉ० वासुदेव कृष्ण चतुर्वेदी (सप्ताचार्य)
एम. ए. (हिन्दी-संस्कृत) पी-एच. डी., डी. लिट्

रीडर एवं अध्यक्ष संस्कृत विभाग
प्राच्यदर्शन महाविद्यालय
वृन्दावन

श्रीकृष्ण सत्संग भवन प्रकाशन
मथुरा उ. प्र.

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

प्रकाशक :
श्रीकृष्ण सत्संग भवन प्रकाशन
गतश्रम टीला, मथुरा

5351

द्वितीय संस्करण

प्राप्ति स्थान :
१—बजरंग पुस्तकालय, बंगाली घाट, मथुरा
२—श्रीकृष्ण जन्म स्थान पुस्तक भण्डार, मथुरा
३—महालक्ष्मी प्रकाशन, शहीद भगतसिंह मार्ग, आगरा

मूल्य—३०) रुपये

मुद्रक :
पारखी प्रिन्टिंग प्रेस,
वृन्दावन

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

Index of the Personalities and Places in the Bhagavatam

For word by

Dr. Swami B. H. Bon Maharaj

D. D. D. Lit

Edited by

Dr. V. K. Ghaturvedi(Saptacharya)

M. A. (Hindi-Sanskrit) P-H. D., D. Lit

Reader and Head of the Sanskrit Department

I. O. P.

Vrindaban U. P.

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

Publisher :

Shri Krishn Satsangh Bhavan Prakashan
Gatashram Tilla Mathura (U. P.)

卐

Secaund Edition

卐

Abalable :

1—Bajrang Library Bangali Ghat, Mathura
2—Pustak Bhandar Birth Place Lord Krishna Mathura
3—Mahalakhmi Publication, Sahid Bhagat Singh Marge, Agra

卐

Price—30/ Rs.

卐

Printer :

Pakhi Printing Press,
Vrindaban (U. P.)

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

FOREWORD

(By Dr. Swami B. H. Bon Maharaj, D. Lit., D. D.)

Srimad Bhagavatam is an unalloyed Commentary of the **Brahma-sutra,** and is well-known to scholars and devotees. It is an authoritative Scripture with 18,000 Slokas, and its twelve Cantoes symbolically represent the twelve Limbs of Lord Sri Krsna, viz. the first and second Cantoes represent the two Feet of Krsna, third and fourth Cantoes are His two knees, the fifth Canto is the Naval of the Supreme Godhead, sixth Canto is His Breast, seventh and eight Cantoes are His two Arms, ninth Canto is Lord's Throat, tenth Canto is His beautiful Face, the eleventh Canto is His Forehead, and the twelveth Canto is Lord's Head. The Bhagavatam has a number of Commentaries by the Acaryas or Spiritual Masters of the different Sampradayas. Bhagavatam contains Absolute Knowledge of the

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust ,.Delhi and eGangotri Funding : IKS

Absolute Reality, and it discovers the harmony of Knowledge of Godhead, dettachment of changeable phenomenal entities, and unalloyed devotion of unfoldment of the eternal nature of every animate being.

Dr. Vasudev Krishna Chaturvedi, M. A. Ph. D., D. Litt. and Acharya in Seven subjects, Reader of the Postgraduate Department of Sanskrit of the Institute of Oriental Philosophy, Vrindaban, has written a comprehensive Index of the Rishis, munis, kings, gods, great heroes, rivers, hills, mountains--all that are mentioned in 18 thousand slokos of the great literature and put them in the alphabetical orders, Dr. Chaturvedi has also collected in his Index and mentioned therein the slokas, chapters and cantoes, mentioning Ganga, Yamuna, Saraswati and other rivers, Himalayas, Goverdhan and other mountains, Dandakaranya and other places as well as Ayodhya, Mathura, Hardwar, Kashi, Avanti, Dwaraka and other religious places besides mentioning other religious centres, towns, villages, and all have been put in an alphabetical order. This book will, therefore, be immensely helpful to Research Scholars

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

easily to find out these places and names referred to in what particular sloka, chapter and Canto, can be found. This is a huge work which needed eminent and hard labour for such a comprehensive work, on the 18 thousand Slokas of the Bhagavatam could be possible by a team of eminent scholars. But Dr. Chaturvedi has successfully done this work alone, which is no doubt a credit to any extraordinary scholar. I feel proud of him and wish him further success in his scholarly works.

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

समर्पण

आगरा विश्वविद्यालय से

संबद्ध

प्राच्यदर्शन महाविद्यालय

एवं

शोध केन्द्र वृन्दावन के संस्थापक

विश्वप्रसिद्ध, दार्शनिक विद्वान्

श्रीभक्तिहृदय वन महाराज

के

कर कमलों में

सादर

समर्पित

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

श्रीमद्भागवत के पात्र एवं स्थलों की अनुक्रमणिका की

भूमिका

मैंने श्रीमद्भागवत पुराण का अध्ययन पितृचरण के मुख से शैशवारम्भ के साथ ही प्रारम्भ कर दिया था और प्राथमिक पाठशाला में प्रवेश लेने तक अनेक कथा भाग कण्ठाग्र हो चुके थे कारण कि स्व० पूज्य पितृचरण (श्रीश्रीवरजी शास्त्री) के लाड़-प्यार के कारण शिष्यों की गोद में मचलता हुआ भी कुछ क्षण उनकी रसमयी कथा के श्रवण में बरबस लगाने ही पड़ते थे, क्योंकि उनके गले का माधुर्य और भरी हुई उदात्त सगर्जना शैली के कथानक बड़े रोचक होते जिनमें मेरा मन रम जाता था। प्राथमिक पाठशाला से श्रीद्वारकेश पाठशाला में प्रवेश लेते ही संस्कृत का शुभारम्भ हुआ और साथ ही सत्यनारायण भगवान् की कथा बांचने की पुस्तक भी सम्हाल दी गई। फलतः विद्यारम्भ के साथ-साथ घर की वृत्ति रक्षा भी आवश्यक समझी गई और मध्यमा में प्रवेश के कुछ दिन बाद ही भगवान् कालिय मर्दन मन्दिर-मानिक चौक मथुरा में प्रतिदिन भागवत कथा का शुभारम्भ कर दिया साथ ही यज-मानों के आग्रह पर वार्षिक कथाओं का तांता भी लग गया और बिना भागवत पढ़े ही गुरुचरणों के शुभाशीष मात्र से उदीयमान कथावाचकों में नाम आ गया तथा भागवत के सप्ताह पारायण कार्यक्रम भी सफल होने लगे। अर्थात् भागवती कथा घराने की कथा है यह सिद्ध हो चुकी

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

थी और सफलता मिल रही थी, परन्तु श्रीमद्भागवत पुराण के अध्ययन का लाभ ही नहीं मिल पा रहा था। केवल एकलक्ष्य प्रधान था पिताजी का कि नव्यव्याकरणाचार्य की वाराणसी की परीक्षा पास करना है और तो सब अपने आप ही हो जायगा।

जब १६ वर्ष की अवस्था में शास्त्री के खण्ड दिये तो एक स्वर्ण अवसर हाथ लगा। बाबा गोविन्ददास बंगाली, पूज्य पिताजी के चरणों में बैठकर भागवत पढ़ते और मैं अप्रत्यक्ष उसे सुनता। क्रम दिनों चला, मुझे जिज्ञासा बढ़ने लगी और समझा कि मैं भागवत का अर्थ नहीं जानता मात्र कथा याद है, अतः कथावाचक ही रहा तत्व तो बड़ी दूर है। पूज्य पिताजी से आज्ञा ग्रहण की कि आप आज्ञा दे दें तो मैं भी पाठ सुन लिया करूँ—वे नहीं चाहते थे। कहते भागवत तो तीन पुस्त से आ रही है, सो कृपा करके आ ही जायगी प्रतिदिन पाठ किया करो। पर मेरे आग्रह को देखकर स्वीकृति मिल गई और अब मैंने विधिवत् पढ़ना प्रारम्भ किया, अनेक शंकाएँ पूज्य पिताजी उठाते और जब तक समाधान न निकल आवे, तब तक पाठ अधूरा ही रहता। इसलिए मुझे भी टीका देखने की रुचि बढ़ी और शंका-समाधान में बोलने लगा और उनका स्नेह अधिक पाने लगा।

पुराणेतिहासाचार्य के द्वितीय वर्ष तक का अध्ययन उनके चरणों में हो चुकाथा औरअध्यापक भी इसी श्रीद्वारकाधीश संस्कृत महाविद्यालय मथुरामें बनाया जा चुका था,किन्तु श्रीमद्भागवत का आनंद पूरा प्राप्त न हो सका, कारण उनका स्वास्थ्य दिनों दिन क्षीण हो रहा था। साथ ही एक घटना ने भागवत अर्थज्ञान के अभिमान को सदा के लिये ढा ही दिया था—घटना इस प्रकार है—वाराणसी की यात्रा में पूज्य पिताजी के साथ मैं भी गया था। बात १९५७ की है पिताजी का काशी की विद्वत्परिषद् ने नीची बाग में स्वागताभिनन्दन किया था।

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

म० म० नारायण शास्त्री खिस्तेजी सभापति और श्रीराजनारायणजी शास्त्री नैयायिक महामन्त्री ने सूचना मुद्रित करके काशी के विद्वानों को एकत्र किया था और भागवत पर ही पूज्य पिताजी से विचार भी हुआ और अभिनन्दन किया गया था। दूसरे दिन १०८ श्रीदेवनायकाचार्यजी महाराज के आग्रह पर उनके आश्रम में गये, वहाँ दोनों का वार्तालाप हुआ और श्रीजगद्गुरु देवनायकाचार्यजी महाराज से पिताजी ने कहा कि मैं जब आपको मथुरा में भागवत लगवाता था, तब समझ में कुछ बातें नहीं आईं। अब न्यायादि शास्त्रों का अभ्यास हो जाने से भागवत की स्तुतियाँ समझ में ठीक आने लगी हैं। श्रीदेवनायकाचार्यजी तत्क्षण बोले—"पण्डितजी मीमांसा पढ़ाने के बाद अब हमसे भागवत खुलने लगा है, आपके पास मथुरा में तो आवृत्ति का श्रीगणेश किया था श्रद्धा थी और अब तर्क के लिये मीमांसा शास्त्र पढ़े तथा अब समझ में आने लगा है। मैंने दो श्रीमद्भागवत के प्रकाण्ड विद्वानों की बात से अपनी विद्वत्ता को आंक लिया और समझा कि अभी तो श्रीमद्भागवत की रहस्यमयी बातों की गन्ध ग्रहण का भी पात्र नही हूं विद्वान् होने की बात तो दूर है।

दोनों ने एक बात कही थी कि—यह शास्त्र विद्वत्ता की अपेक्षा श्रद्धा से अधिक ग्राह्य है। फलतः मेरी श्रद्धा दिनों दिन बढ़ी और पूज्य पिताजी के गोलोकवास (१६।८।५६ ई०) हो जाने के पश्चात् शोध में विषय चयन के समय पूज्य पिताजी के दिग्गज शिष्य पं० स्व० लक्ष्मण दत्तजी शास्त्री ने श्रीमद्भागवत की ओर ही लगे रहने की प्रेरणा दी और भागवत के टीकाकारों पर कार्यारम्भ किया। उसी कार्यारम्भ की दिशा में भागवत पत्रिका के संचालक गौड़ीयमठ मथुरा के श्रीनारायणजी महाराज से भेंट हुई। जिन्होंने भागवत के अमूल्य रत्नों को ग्रहण करने की क्षमता बढ़ाने के लिए बंगला के वाचन की प्रेरणा दी और अनेक अलभ्य ग्रन्थ दिये। उन्हीं के प्रयास के अनुरूप मुझे श्रीमद्भागवत

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

पात्रों के प्रति निष्ठावान् होकर श्रम करने को बाध्य होना पड़ा और यह सुखद श्रम आज फलीभूत होते देख मुझे अत्यन्त आह्लाद है।

पात्रों का यह वर्तमान क्रम भी एक घटना का स्मारक है—

गो० श्रीभाईजी हनूमान प्रसादजी पोद्दार की प्रेरणा—

१९६५ ई० में श्रीकृष्ण जन्म स्थान पर शताब्दियों के पश्चात् प्रथम बार भगवान् की पुण्य स्थली पर नमन करने का श्रेय प्रातः स्मरणीय मालवीयजी तथा पुण्य श्लोक श्रीजुगल किशोरजी विरला के प्रयास के फलस्वरूप मिला था। इस आयोजन में श्रीमद्भागवत के व्रजमण्डल के विद्वान् तथा कुछ बाहर से आये विद्वान् सम्मिलित हुए थे। स्व० श्रीपुरुषोत्तमजी याज्ञिक, श्रीनृसिंहजी शास्त्री मण्डल को समस्त प्रतिष्ठा कार्य सौंपा गया था और मुझे ३५१ विद्वानों को एक साथ भागवत पाठ कराने के लिये प्रधान पद दिया था। इस महोत्सव में गीता प्रेस गोरखपुर के कल्याण विभाग के यशस्वी सम्पादक श्रीभाई जी भी उपस्थित हुए थे और बड़ी श्रद्धा से इस कार्य को सम्पन्न करवा रहे थे। प्रबन्ध श्री पं० देवधरजी शास्त्री ने किया था और प्रथम बार उन्होंने मुझे सम्मानित किया तो मैं अपने को परम सौभाग्यशाली समझने लगा—कारण यह है कि भाईजी को यह विश्वास नहीं था कि पञ्चम स्कन्ध का पाठ सामूहिक शुद्ध इतने ब्राह्मणों के साथ हो सकेगा, अतः उन्होंने पहले दिन मुझसे निषेध करवाया था कि पञ्चम का पाठ सब विद्वान् स्वतः ही करें। मैंने भाईजी की बात से ब्राह्मणों को उनकी श्रद्धा के लिए सचेत किया और साग्रह पञ्चम स्कन्ध सबके साथ किया फलतः वे प्रसन्न हुए और मुझे गर्भगृह में से जहाँ वे बैठकर पाठ सुन रहे थे आये और गद्गद् होकर सभा में सम्मानित किया। इस घटना से मेरा परिचय भाईजी से घनिष्ठ हो गया और मैंने जब यह पात्र

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

तालिका दिखलाई तो वे बड़े प्रसन्न होकर बोले कि—चतुर्वेदीजी इसे आप द्वादश स्कन्धों को एक करके प्रकाशित करवा दें। श्रीबाबूजी बिरलाजी ने भी उनकी बात की ओर मेरा ध्यान आकृष्ट किया और कहा घबड़ाइये नहीं, श्रम तो अत्यन्त करना होगा पर एक चीज बनेगी यदि किसी को कृष्ण-अर्जुन या कोई नाम देखना है तो वह प्रत्येक स्कन्ध की तालिका न देखकर एक ही स्थान पर १२ स्कन्ध के नाम आदि देख सकेगा। मुझे यह बात अप्रिय तो लगी कारण कि बड़े श्रम से तो इतना ही अकेले ने कार्य किया था फिर से क्रमबद्ध करना दुष्कर लग रहा था। अस्तु आज न तो पुण्य-काय श्रीभाईजी हैं न विश्वविश्रुत बाबू जुगलकिशोरजी बिरला, किन्तु इस पुण्य कार्य में उक्त दोनों का स्मरण करना मेरा परम कर्तव्य है। अत्यन्त उदार-यशस्वी एवं साहित्यिक रुचिपूर्ण बिरला परिवार सदा कवि-लेखकों को सत्साहित्य सृजन की प्रेरणा देता रहा है। उक्त भाव राशि को बाबूजी के अभाव में स्वीकार करेगा विश्वास है। मान्य श्री एल. एन. बिरलाजी ने 'श्रीद्वारकाधीश महाकाव्यम्' के लिए अपना जो उत्साह दिखलाया उसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद प्रदान करता हूं।

उक्त प्रेरणामयी घटना के कारण मैं महायशस्वी श्रीहनूमान प्रसादजी पोद्दार एवं बाबू जुगल किशोरजी बिरलाजी को इस कृति में सादर स्मरण कर गौरव का अनुभव करता हूं।

पात्रानुक्रमणिका की रचना में सर्वाधिक सहयोग मेरी पत्नी श्रीमती कल्याणी चतुर्वेदी का है, जो गृहस्थ कार्य करतीं और अनुभव शून्य मेरे कार्य में दिन भर जुटी रहतीं। जिन कागज के टुकड़ों पर पात्र नाम क्रम से लिखकर हम लोग प्रांगण में बिछाते, हवा के झोंके के द्वारा क्षण में इतस्ततः कर दिये जाते और भोजन-पान विरत हठी मेरे साथ वे सहयोग प्रदान करती रहीं। अतः

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

उन्हें कैसे धन्यवाद दूँ, आशीष दूँ, समझ में नहीं आता और १५ वर्ष पश्चात् मेरें महाविद्यालय की छात्राओं ने मुझे नष्ट सामग्री के संयोजन में पुनः सहयोग न दिया होता तो यह कार्य सम्भवतः अभी पिछड़ा ही रहता। मेरे संस्थान के संस्थापक श्रीमन्माध्व गौड़ेश्वराचार्य १०८ श्री बी. एच. वन महाराज ने इस ग्रन्थ की भूमिका लिखकर गौरवान्वित किया है। उनके लिए धन्यवाद तो देना उचित है नहीं, अतः उनके चरणों में प्रणामाञ्जलि समर्पित करता हूं।

यहाँ भी श्रीजयदयालजी डालमियाजी का मुझे स्मरण करना है, उन्होंने पहले इस कार्य के आर्थिक सहयोग के लिये आश्वस्त कर दिया था। फलतः यह कार्य बड़ी द्रुतगति से किया गया, पर जैसे श्रीद्वारकाधीश महाकाव्य में प्रभु को उनका सहयोग स्वीकार नहीं था। इस कार्य में भी वही बात हुई पर इस घटना से सुपुप्ति दूर हो गई और भारत सरकार के अनुदान साहाय्य के समाचार से दृढ़ता तो बनी ही थी, अतः यह आपके समक्ष प्रस्तुत है, जिन छात्राओं ने इसमें सहयोग दिया—कु० शशि शर्मा एम. ए., कु० शशि कटारा एम. ए., कु० राधा रानी एम. ए., कु० श्रीमती रेखारानी खण्डेलवाल एम. ए. को शुभाशीष प्रदान करता हूं। साथ ही चि० सहदेव कृष्ण चतुर्वेदी एम. ए. द्वि. वर्ष आचार्य को शुभाशीष प्रदान करता हूं जिसने मुझे प्रेस के कार्य में सहयोग प्रदान किया है।

शोधछात्रा कु० रंजना शर्मा ने महाभारत की टिप्पणियों में बड़ा श्रम करके सहयोग दिया है अतः विशेष पाखी प्रिंटिंग प्रेस की अध्यक्षा श्रीमती ऊषागौतम को धन्यवाद प्रदान करता हूं जिनके सहयोग से यह कार्य इतनी शीघ्रता में मुद्रित हो सका है। श्रीरफीक मुहम्मद (कम्पोजीटर) को भी सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूं।

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

ग्रन्थ देखने की विधि

१—भागवत के किसी भी पात्र को देखना हो इस ग्रन्थ के अकारादि क्रम में आप देखें वहीं वह शब्द स्वरों के अ-आ-इ-ई-उ-ऊ क्रम से मिलेगा, तीन संख्या हैं प्रथम संख्या स्कन्ध की है। दूसरी अध्याय की तीसरी श्लोक संख्या की है।

२—जहाँ एक ही स्कन्ध में अनेक अध्यायों में या एक अध्याय में अनेक श्लोकों में एक ही नाम आया हैं वहाँ एक बार स्कन्ध रखा है। एक बार अध्याय रखा है और कौमा (,) के चिन्ह से श्लोक संख्या पढ़ा दी गई है।

३—प्रथम बार बंगला संस्करण का आधार लिया था, अतः उसी की प्रधानता रही है फिर भी प्रचलित संस्करणों से उसे मिलाया गया है फिर भी यदि श्लोक संख्या से गीता प्रेस के संस्करण में श्लोक संख्या न मिले तो एक श्लोक आगे या पीछे देखने से मिल जाता है।

४—साथ में कहीं-कहीं नाम के अर्थ स्पष्ट करने को महाभारत के आधार पर टिप्पणी दे दी गई है।

यदि इस कार्य से विद्वान्, शोधकर्ता तथा भागवत प्रेमी स्वल्प भी लाभान्वित हुए तो मैं अपना परिश्रम सफल समझूँगा और अगले संस्करण में गीता प्रेस को ही मान्य करके संशोधन करने का विचार है, उसे प्रभु कृपा का ही संबल है।

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

श्रीमद्भागवत की पात्र अनुक्रमणिका

(अ)

अकृतव्रण—१०।७४।६,

१२।७।५,७ वाण शय्या पर पड़े हुए भीष्मजी के पास आये हुए ऋषियों में एक ये भी थे (अनु० २६।८) ॥

अक्रिय—६।१७।१०

अ॰ पार—(कूर्म) ५।१८।३० इन्द्रद्युम्न-सरोवर में रहने वाला एक चिरजीवी कच्छप (वन० १९९।८)

अक्रूर—१।११।१६, १४।२८,

६।२४।१५, १७

१०।२८।१६, ३६।२७, ४०; ३८।१, २१, ३४, ४३, ३९।१०, १३, २१,२६,३२,३८,४०,४१; ४१।६, १८, ४६।४८; ४८।१२, १६, २८, ३६; ४९।७, १५; ५७।३, २९, ३०, ३३, ३४; ७६।१४; ८२।५;

११।३०।१६;

१२।१२।३४ यदुवंशान्तर्गत सात्वतवंशीय श्वफल्क के पुत्र जिन्हें दानपति भी कहते हैं। ये वृष्णिवीरों के सेनापति थे (आदि० २२०।२९) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

अक्रोधन—६।२२।११
पुरुवंशी अयुतयायी के पुत्र (आदि० ६५।२१) ॥
अगस्ति—५।२३।७
अगस्त्य—४।१।३५, २८।३२
६।१८।५, १५;
८।४।११,
१०।८४।५
मित्रावरुण के पुत्र एक ब्रह्मर्षि, जिन्हें "कुम्भज" भी कहते हैं।
(शान्ति ३४२।५१) ॥
अग्नि—३।६।१२, ८।३१, २१।५१, २५।४२,
४।१।४७, ५६, ६१; २।४, ६, ९; ६।२१, १४।२६, १५।१८,
२२।५६, २४।११,
५।१।२५, १०।१७, २६।१४,
६।१।४२, ३।१४, ७।३०, १३।१५, १४।३०,
७।१५।५४,
८।१।१९, १०।२६, ११।४२, १३।३४,
९।२।२१, १४।४८, ४९;
१०।५८।२५, २६; ८४।१२, ८५।७,
१२।८।९ ये भगवान् के मुख से उत्पन्न हुए हैं। (वन० ५।३१-३४) ॥
अग्निध्रुक्—८।१३।२८
अग्निमित्र—१२।१।१५, ६।५५;
अग्निलोक—५।२३।१, ५,
अग्निवर्ण—९।१२।५
अग्निवेश्य—९।२।२१ अग्निवेश्म का ही दूसरा नाम अग्निवेश्य है।
(वन० २६।२३) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

अग्निष्टोम—४।१३।१६

अग्निष्वात्ता—४।१।६२;

५।२६।५ सात पितरों में एक (सभा० ११।४५-४६) ॥

अग्निसंभव—६।१३।२४

अग्निहोत्र—६।१८।१

अघ—१०।१२।१३, १४, २९, ३८; १३।१४, १५; १४।६०

अघमर्षण—६।१२।७ वानप्रस्थ-धर्म का पालन करने वाला एक ऋषि (शान्ति० २४४।१६) ॥

अङ्ग—४।१३।१७, १८, २५, २९; १४।४२, २१।२८,

८।४।२५,

९।२३।५६;

१०।२९।३५, ४०; ६०।४१,

१२।२२।१४, मनु के पुत्र अङ्ग जो अन्तर्धामा के पिता थे (अनु० १४७।२३) ॥

अङ्गद—९।१०।१९, २०, ४३; ११।१२, वानरराज बाली के पुत्र (वन० ८२।२८) ॥

अङ्गारक—५।२२।१४; २३।७ सौवीर देश का एक राजकुमार जो जयद्रथ का अनुयायी था (वन० २३५।१०) ॥

अङ्गिर—६।२।२६

अङ्गिरा—१।१९।९,

३।१२।२२, २४; २४।२२,

४।१२।३२, ३३, १३।१७, २९।४३,

५।९।११, १३;

६।६।२, १९, ४५; १४।१४, ६१; १५।१२, १७; १६।२६, ५०;

८।८।२७; २३।२०;

९।३।१, ६।२, ३;

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

१०।३४।१३; ८४।५;

११।११२;

१२।११।३७ ब्रह्माजी के छः मानस पुत्रों में से एक (आदि० ६५।१०) ॥

अच्युत—३।१।३६; ३२।२६;

४।७।३२; १२।११, ३७, ४६; १४।३४; २०।३७, २१।४८, २३।२६, २६।३८, ३१।१४,

५।१०।२३, १८।२३,

६।३।३४, १७।३४, १८।५२,

७।१।४७, ४८; ४।२१, ६।१६, ६।४०, १४।७, ३५, ३६;

८।६।१६,

६।४।१८, ४१, ६१; ५।४, ६।३४,

१०।२।१८, ६।२२, ११।१०, २०, २६, ४३; १६।१३।२,१२; १०।१४।१५, १०, ३३; १७।१६, २१।१, २२।२०, २३।१८, २७।१६, २६।१०, २६।४३, ३०।७, ११, ३०; ३१।१६, ३२।१०, ३३।१३, १४; ३४।१७, ३६।८, १०; ३७।३२, ३८।५, १८; ३६।१८, ४१।३८, ४२।७, १५; ४३।१६, ४४।२१, ४५।२४, ४६।३४, ४३; ४७।२, ३६; ५१।१०, ५२।६, ३७; ५३।३८, ५५; ५४।२८, ५६।२६, ५८।३, २२; ५६।१४, २१, ४१; ६०।४४, ६४।२७, ६६।२, ६८।३०, ७२।४५, ७४।१६, ७७।२१, २६, ३४; ८१।१२, ८३।६, ८५।१, ८८।१२,

११।१५।२, १७।५, २६।१, ४;

१२।३।४३, ४।३४, ७।१४, ६।४, १०।३४, १२।६७

अज—८।८।१६, ६।२६, २०।२६,

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

६।३।३५, १०।१ इक्ष्वाकुवंशी नरेश, महाराज दशरथ के पिता (वन०) २७४।६) ॥
अज (उर्जकेतु-पुत्र)—६।१३।२२
अज (कृष्ण)—७।१।१५,
१०।१३।१६, २८; ५६।२८, ६०।२; ८५।५
अज (प्रतिहर्ता-पुत्र)—५।१५।५
अज (ब्रह्मा)—४।२।७, ७।१, २१।२६, २२।६१;
५।२।२०, १७।२२, १८।२२,
६।५।२४, ७।२०,
७।११।१३,
६।१०।१२,
१०।१२।३५, १३।४४, ४६, ५५, ५६; १४।१३, ४०।३,
४६।६२,
११।१६।२२, २५; २७।३,
१२।६।४३, १२।६७
अज (भगवान्)—५।१८।४, ११, २८;
११।२४।२७, २६।३७;
अज (यम)—६।१।४८
अज (रुद्र)—६।६।१७
अज (शिव)—४।३।११
अजक—६।१५।४ वृषपर्वा दानव का छोटा भाई जो शाल्वरूप में उत्पन्न हुआ था (आदि० ६५।२४ तथा ६७।१६) ॥
अजन योनिज (दक्ष)—४।३०।४८
अजमीढ—६।१३।२६; १५।१३,
६।२१।२१, २२, ३०; २२।४ एक सोमवंशी क्षत्रिय राजा, इनकी कैकेयी, गान्धारी विशाला तथा ऋक्षा नाम वाली

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

चार स्त्रियाँ थीं; जिनसे एक सौ चौबीस पुत्र हुए थे (आदि० ६५।३५—३७) ॥

अजा—१०।८६।५६

अजात शत्रु—युधिष्ठिर ॥ ११।१६।११,
१२।१।५;

अजामिल—६।१।२१, ३१; २।२४, ४९; ३।२३, २४;

अजित—५।१८।२८,
६।१६।३४, ४०;
८।५।६, ७।१६;

अजीगर्त—६।७।२०

अजैकपाद—६।६।१८ ग्यारह रुद्रों में से एक। ब्रह्माजी के पौत्र एवं स्थाणु के पुत्र (आदि० ६६।१—३) ॥

अंजनसुत—१।३।२४

अण्डजेन्द्र—८।१०।५७

अतिकाय—६।१०।१८

अतिभानु—१०।६१।१०

अतिरात्र—४।१३।१६

अतिथि—६।१२।१

अत्रि—१।३।११, ६।७, १६।६,
२।७।४;
३।१२।२२, २४; २४।२२,
४।१।१५, १६; १७; १६।१२, १३; १५, २०, २१; २६।४३,
८।१३।५,
६।१४।२,
१०।८४।४; ८६।१८,
११।१।१२;
१२।११।३५ एक ब्रह्मर्षि जो ब्रह्मा के मानस पुत्र थे ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

अथर्व—३।२४।२४
अथर्वण—६।१०।२
अथर्वा—४।१।४१,
१०।७४।६ एक मुनि, जो छन्द (वेद) के गायक थे (उद्योग० ४३।५०) ॥

अथर्वाङ्गिरस—६।६।१६
अथौजा—१२।११।३४
अदिति—२।३।४, ७।१७,
५।२४।१८,
६।६।२५, ३८; १८।६,
८।१३।६, १६।१, १८; १७।१, ७, ११, २१, २३; २४;
१८।१, १०, ११; १६।३०, २३।४, २१, २७;
६।१।१०,
१०।३।४२, ५६।३८ दक्ष की पुत्री, कश्यप की पत्नी तथा द्वादश आदित्यों की माता (आदि० ६५।११—१६) ॥

अद्भुत—८।१३।१६, २० भगवान् विष्णु का एक नाम (अनु० १४६।१०८) ॥

अधर्म—३।१२।२५,
४।८।२

अधिरथ—३।१।४०,
६।२३।१२ एक, सूत, कर्ण का पालक पिता (आदि० ११०।२३, १३६।१—४) ॥

अधोक्षज—४।२१।२५, ३१।१, ६;
५।१३।२२, १८।६, १६।१५,
६।४।२२,

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

१०।५३।११, ४०; २७।९, २९।१३, ३७।४, ८५।५, १२।४।३१, ६।६, ८।१३, १०।३६, १२।४९ श्रीकृष्ण का एक नाम, इस नाम की व्युत्पत्ति (उद्योग० ७०।१०) ॥

अध्वरात्मा विष्णु—५।१५।१२

अनङ्ग—१०।६१।२२ प्रजापति कर्दम का पुत्र जो प्रजारक्षक साधु तथा दण्डनीति में निपुण था। इसके पुत्र का नाम अतिबल था। (शान्ति० ५९।९१—९२) ॥

अनञ्जन—९।५।८

अनन्त—१।१८।१९,
४।२१।४१, ३०।३१,
५।१७।२१, २०।२५; २५।१, २, ६, १३;
६।३।२६, ४।३३, १६।२०, ३७, ४६, ४९; १७।?,
७।७।१० १०;
९।४।६१, ५।१४,
१०।१।२४, २।२५, ६।८, १४।२२, २८, १५।३५, १६।१०, ४३; १७।२५, ३९।३०, ६७।१; ६८।४६, ८५।३९,८९।५३, ५७;
११।१६।१९,
१२।१२।४८

अनन्तदेव—९।९।१४

अनमित्र—९।२४।१२, १३

अनरण्य—९।७।४ इक्ष्वाकुवंश के एक प्राचीन नरेश (आदि० १।२३६)॥

अनर्वा—६।१०।१९, ३१

अनसूया—१।३।११,
३।२४।२२,
४।१।१५

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

अनिरुद्ध—१।५।३७, १४।३०,
३।१।१४,
४।२४।३६,
६।१६।१८,
८।१३।२२,
१०।१६।४५, ४०।२१, ६०।१, ६१।१८, २५, ४०, ६२।१६, ८२।६, ८६।३०, ४०; ६०।३३, ३६;
११।४।२६, ३०।१६ (भगवान् श्रीकृष्ण के पौत्र एवं प्रद्युम्न के पुत्र (आदि० १८५।१७) भगवान् विष्णु का एक नाम अनु० १४६।३३) ॥

अनिल—५।१०।१७, ११।१४,
६।४।३४,
८।१०।३१,
६।२२।२७,
१०।६१।१६

अनिष्टकर्मा—१२।१।२३

अनीह—६।१२।२

अनु—६।१८।३३, ४१; १६।२२, २३।१, २४।५, ६; २०; (महाराज ययाति के द्वारा शर्मिष्ठा से उत्पन्न तीनों पुत्रों में से एक मझले पुत्र आदि० ७५।३३—३५) ॥

अनुतापन—६।६।३१

अनुमति—४।१।३३,
६।१८।३

अनुम्लोचा—१२।११।३८

अनूरु—६।६।२२

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

अनुविन्द—१।६।५८।३० (धृतराष्ट्र के सौ पुत्रों में से एक आदि० ६७—६४) ॥
अनुह्लाद—६।१८।१३, १६
अनेना—६।६।२०,
११।२।११
अन्तर्द्धान—४।२४।३, ५ (कुबेर का एक अस्त्र वन० ४१।३८) ॥
अन्तरीक्ष—५।४।११,
६।१२।१२,
१०।५६।१२,
११।२।२१, ३।३
अन्तर्यामी—५।२०।४०
अन्धक—३।३।२५,
६।१०।१५,
६।२४।६, २०, ६३;
१०।४५।१५ (यदुकुल में उत्पन्न क्षत्रिय आदि० २१७।१८—१६) ॥
अन्नाद—१०।६१।१६
अपराजित (हस्ती)—५।२०।३६;
८।१०।३०;
१०।६१।१६ (एक कश्यप वंशी नाग आदि० ३५।१३) ॥
अपांपति—४।२४।२६
अपान्तरतमा व्यास—६।१५।१२ (श्रीनारायण के "भो" शब्द के उच्चारण से प्रकट हुए एक महात्मा पुरुष। भगवान् की वाक् या सरस्वती से प्रादुर्भूत होने के कारण इनका नाम सारस्वत हुआ। ये ही अपान्तरतमा के नाम से विख्यात हुए शान्ति० ३४६।३८—३६) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

अप्रतिरथ—९।२०।६
अटमान—१२।१।२२
अप्सरोगण—६।६।२७
अब्जज—१०।५८।३७
अब्ज संभव—४।६।३
अब्जनाभ—३।२१।२२,
४।९।१२,
५।१।१९,
८।४।१३,
१०।४०।२८, ४४।३७
अब्जभव—८।२।११
अब्जित—८।५।९, ७।१९
अभय—४।१।४९ (धृतराष्ट्र का एक पुत्र आदि० ६७।१०४) ॥
अभर्क—७।५।१, ४८
अभिमत—६।६।११
अभिमन्यु—३।३।१७,
९।२२।३३ (अर्जुन के द्वारा सुभद्रा के गर्भ से उत्पन्न एक वीर राजकुमार आदि० ६३।१२१) ॥
अमर्षण—९।१२।७
अमित्रजित्—९।१२।१२
अमृतप्रभा—८।१३।१२
अम्बरीष—९।४।१३, २५; ५।१, २४, २६, २८; ६।१, ३८, ७।१ (एक प्राचीन नरेश, जो सूर्यवंशी राजा नाभाग के पुत्र थे और जिन्होंने यमुना तट पर यज्ञ किया था आदि० १।२२७ भीष्म० ९।६ तथा वन० १२९।२) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

अम्वष्ठ—१०।८३।२३
अम्वा—१०।६०।४७ काशीराज की ज्येष्ठ पुत्री (आदि० १०२।६०) ॥
अम्वालिका—९।२२।२४(काशीराज की पुत्री, विचित्र वीर्य की द्वितीय पत्नी आदि० ९५।५१) ॥
अम्विका—३।१।३०, ३।१२।१३,
४।७।५९, १५।१७,
६।१७।१७,
९।१।३०, २२।२४,
१०।२।१२, ३४; ५३।३९, ४४, ४६, ५० काशीराज की पुत्री, विचित्र वीर्य की पत्नी और धृतराष्ट्र की माता। अम्बिका की माता का नाम कौशल्या (आदि० ९५।५१) ॥
अम्बुजनाभ—४।१२।७
अम्बुजाक्ष—१०।२९।३६; ६०।४१, ४६
अम्बुधारा—८।१३।२०
अयुतायु—९।९।१६; २२।१०
अयास्य—९।७।२२
अयुताजित—९।२४।८
अयोमुख—६।६।३०, १०।१९,
८।१०।१९
अरविन्दाक्ष—१०।२।३२; ५६।६
अरविन्दनेत्र—१०।२९।३३
अरविन्दलोचन—१०।३७।३;
११।२९।३
अरिजित—१०।६१।१७
अरिन्दम—१०।२३।३०
अरिमर्दन—९।२४।१६

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

अरिष्ट—६।६।३०,
८।१०।२३,
१२।१२।३३ (एक वृषभ रूपधारी असुर सभा० ३८।२६) ॥
अरिष्ट (रेवती पुत्र)—६।१८।६
अरिष्टनेमि—१।१६।६,
८।६।३१, १०।२२,
६।१३।२३ (विनता के छः पुत्रों में से एक आदि० ६५।४०) ॥
अरिष्टनेमि (गन्धर्व)—१२।११।४२
अरिष्टा—६।६।२५।२६, (गन्धर्व राजहंस की माता आदि० ६७।८३) ॥
अरुण (दनुपुत्र)—१।१६।११,
५।२१।१४, १५;
६।६।३०
८।१३।२५,
१०।५६।१२, ६०।३३ (विनता के पुत्र, पिता का नाम कश्यप। सूर्य के सारथि आदि० १६।१६—२३) ॥
अरुणि—४।८।१,
१०।६।१८
अरुन्धती—३।२४।२३
अर्क—५।१०।१७; २२।८, १२; २६।१४;
६।६।११, १३; ६।१४;
६।२१।३१;
१०।८५।७;
११।२६।३४
अर्क (सूर्य)—१२।६।६६
अर्चि—४।१५।५; २२।५३; २३।१६, २६

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

अर्जुन—१।७।३२, ५५; १५।१८, २९;
३।३।१४,
८।५।२,
९।२२।२९, ३२; २३।२४,
१०।९।२२, १०।२४, २६; ११।२, २२।३१, ३७।२१, ४३।२५, ५८।२५, २६, ५४; ६८।२८, ७२।२८, ७२।१६, १७, २९, ३२; ७३।३४, ७९।२४, ८६।२, ८; ८९।२६, ३२, ३५, ४१, ४६, ६५; ३०।४८,
११।१६।६, ३५; ३१।२१, २२,२६ (ये पाण्डु के क्षेत्रज पुत्र हैं। इन्द्र के द्वारा कुन्ती के गर्भ से इनकी उत्पत्ति हुई है आदि० ६३।११६)॥
अर्जुन (कार्त्तवीर्य)—९।१५।१७, ३३; १६।९
अर्जुनपाल—९।२४।४४
अर्थ—४।१।५० (धर्म द्वारा श्रीदेवी से उत्पन्न शान्ति० ५९।१२)॥
अर्थसिद्धि—६।६।७
अर्यमा—५।१८।२९;
६।६।३९, ४२;
११।१६।१५
अर्हत—५।६।९
अलम्बुषा—९।२।३१ (एक अप्सरा, जो महर्षि कश्यप और प्राधा की पुत्री थी आदि० ६५।४९)॥
अलर्क—१।३।११;
९।१७।६, ७, ८; (काशी और करुण के अधिपति। ये बड़े सत्यप्रतिज्ञ थे वन० २५।१३)॥
अविद्योत—९।२४।२०
अविरोधन—५।१५।१४

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

अविक्षित्—६।२।२६ (एक सम्राट्, महाराज मरुत्त के पिता द्रोण० ५५।३७) ॥

अव्यय (कृष्ण)—१०।६४।२७, ६८।४८

अंश—१०।२२।३१

अंशुमान—६।८।१४; १६, २७, ३०; ६।१

अशना—६।१८।१७

अशोकवर्द्धन—१२।१।१२

अश्मक—६।६।४० (महाराज कल्मषपाद के क्षेत्रज्ञ पुत्र। महर्षि वशिष्ठ के द्वारा कल्मष पाद की पत्नी मदयन्ती के गर्भ से इनकी उत्पत्ति हुई। आदि० १७६।४७) ॥

अश्वतर (सर्प)—५।२५।३१ (एक प्रमुख नाग आदि० ३५।१०) ॥

अश्वत्थामा—१।१२।१ (कृपी के गर्भ से उत्पन्न हुए द्रोणाचार्य का पुत्र आदि० ६३।१०७, १२६।४७) ॥

अश्वमेधज—६।२२।३६

अश्वसेन—१०।६१।१३ (तक्षक नाग का पुत्र आदि० २२६।५) ॥

अश्विन—८।१०।३०

अश्विनी—६।३।१६, २४, २६;

अश्विनी (कुमार)—३।६।१४,
४।७।५,
८।१३।१०,
११।६।२ (नासत्य और दस्त्र नामक दो भाई, जो देवताओं के अन्तर्गत हैं। त्वष्टा की पुत्री संज्ञा ने अश्विनी रूप धारण करके भगवान् सूर्य के अंश से अन्तरिक्ष में इन्हें उत्पन्न किया। ये संज्ञा की नाक से निकले हैं। आदि० ६६।३५, अनु० १५०।१७–१८) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

अश्विनौ—५।२३।७

अष्टक—६।१६।३६ एक प्राचीन राजर्षि (आदि० ८६।५ ये राजा ययाति के दौहित्र थे। आदि० ८६।१३) ॥

असमञ्जसा—६।८।१४,१५ (सगर और शैव्या से उत्पन्न एक इक्ष्वाकु-वंशी राजा वन० १०७।४३ शान्ति० ५७।७–६) ॥

असित—६।४।२२,
१०।७४।७, ८४।३, ८६।१८,
११।१।१२, १६।२८ एक राजा (द्रोण० ६२।११ शान्ति० २६।८८ एक ऋषि शान्ति० ४७।७) ॥

असिक्ना—६।४।५१, ६।१

असीम कृष्ण—६।२२।३६

अस्ति—१०।५०।१

अहंयाति—६।२०।३

अहल्या—६।२१।३४ महर्षि गौतम की पत्नी (आश्व० ५६।२६) ॥

अहिर्ब्रघ्न—६।६।१८

अहीन्द्र—६।८।१८

अहीश्वर—६।२४।५४

(आ)

आकूति—१।३।१२,
२।७।२,
३।१२।५५, ५६;
४।१।१, २; १३।१५,
५।१५।६,
८।१।५

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust, Delhi and eGangotri Funding : IKS

•आग्नीध्र— ५।१।२५, ३३; २।१, १६, २१, २२; ३।१७,
११।२।१५
आङ्गिरस— १।६।८, १८।३६,
६।७।६,
६।१४।८, १०;
१२।७।४
आङ्गिरसी— ६।६।१५ (एक ब्राह्मण की पतिव्रता पत्नी आदि० १८।१६–२२)॥
आजगर— ७।१३।११ (अजगर वृत्ति से रहने वाले एक मुनि, जिनके साथ प्रह्लाद का संवाद हुआ था शान्ति० १७६।२)॥
आजीगर्त— ६।१६।३०
आज्यप— ४।१।६२
आतप— ६।६।१६
आत्मभू— ४।६।४१, ७।२४,
७।३।१४,
१०।१३।४०, ४३
आत्मयोनि— ४।६।४०,
५।१।७, १६।२८, २०।३६,
७।६।३५,
११।१४।१५
आत्मा— ५।२०।२१ (दिवः पुत्र आदि विवस्वान् के पुत्रों या स्वरूपों में से एक आदि० १।४२)॥
आदित्य— १।१४।१२,
५।१६।१, २१।८, १४; २२।१, २३।७,
६।३।१४, ७।२, १८।६६,
११।६।२, १६।१३,

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

१२।६।६७ (इनकी संख्या बारह है। इनके पिता का नामकश्यप और माता का नाम अदिति है। इनमें इन्द्र सबसे बड़े और विष्णु (वामन) सबसे छोटे हैं। आदि० ६६।३६) ॥

आदिपुरुष (संकर्षण)— ६।१६।३१, १८।६६

आदिभव (ब्रह्मा)— ७।३।२२

आदिराज— ४।२२।४८ (पुरुवंशीय महाराज कुरु के पौत्र तथा अविक्षित् के पुत्र आदि० ९४।५२) ॥

आदिशूकर— ३।१८।२१, १९।१६, ३१; ४।१७।३४

आनक— ९।२४।२८, ४४

आनक दुन्दुभि— ९।२४।३०, ४५, ५०; १०।१।४७, ५७, ६१; २।१६, ३।११, ६।३२, ८।८, ३६।२२, ३०; ३९।९, ४२; ५१।४०, ५५।३५, ५६। ३४, ६२।१८, ७७।२७; ८४।३४, ६५

आनर्त— ९।३।२७ (एक प्राचीन देश, जिसे अर्जुन ने जीता था सभा० २६।४) ॥

आम— १०।६१।१३

आयति— ९।१८।१ (नहुष के पुत्र। ययाति के भ्राता आदि० ७५।३०)॥

आयती— ४।१।४३

आयु— ६।६।१२, ९।१५।१, १७।१; २४।६, १०।६१।१७ (पुरूरवा के द्वारा उर्वशी के गर्भ से उत्पन्न एक राजा आदि० ७५।२४) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

•आयु (ऋषि)— १२।११।४२
आयुष्मान— ८।१३।२०
आरब्ध— ९।२३।१५
आरुणि— ६।१५।१३ (आयोद धौम्य ऋषि के शिष्य। पाञ्चाल देश निवासी आदि० ३।२२–३२) ॥
आर्यक— ८।१३।२६ (एक प्रमुख नाग आदि ३५।७) ॥
आर्षभ— ५।१४।४२
आर्ष्टिषेण— ११।६।१०,
५।१६।२ (एक राजर्षि, इनके द्वारा युधिष्ठिर को प्रश्नों के रूप में उपदेश मिला वन० १५३।१६ वन० १५९ अध्याय) ॥
आवन्त्य— १२।६।७७, ७८, ८०;
आवरण— ५।७।२
आविर्होत्र— ५।४।११,
११।२।२१; ३।४३
आशी— ६।१८।२
आशुतोष— १०।७६।५
आसङ्ग— ९।२४।१६
आसारन(यक्ष)–१२।११।३८
आसुरि— १।३।१०,
६।१५।१४,
९।४।५७,
१०।७४।१९ (एक प्राचीन ऋषि, जो कपिल सांख्य दर्शन के आचार्य एवं पञ्चशिख के गुरु थे शान्ति० २१८।१०–१४) ॥
आसुरी— ५।१५।३

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

आहुक— ६।२४।२१,
१०।८२।५, ६०।४२
११।१।२१ (यदुवंशी राजा उग्रसेन का नामान्तर उद्योग० १२८।३८-३९) ॥

आहुकी—६।२४।२१

●

(इ)

इक्ष्वाकु— ९।१२।१६,
८।१३।२,
९।१।३, १२; २।२, ६।४, ७; १२।६, १६; १३।१,
१०।५१।१,
१२।१२।२१ (वैवस्वत मनु के दस पुत्रों में से एक आदि० ७५।१५ अनु० २।५) ॥

इडस्पति— ४।१।७

इध्म— ४।१।७

इध्मजिह्व— ५।१।२५, ३३; २०।२

इन्दिरा— १०।३१।१

इन्दु— ३।८।२१, २१।५१,
६।६।२, २३;
१०।१६।३२

इन्दुमती— ६।६।३८

इन्द्र— ११।५।८,
२।१।२६, ७।४८, १०।२४,
३।६।२१, २१।५१, २५।४२,

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

इन्द्र— ४।४।२२, ४३; १४।२६, १५।१५, १६।८, २२; १८। १५, १६।१०, १५, २३, २४, २६, ३०, ३३; २४।५, ५।४।३, ८; २०।३०, २१।७, ६; २४।१८, ३०; ६।६।३६, ७।२, ८, १०, १६; ६।११, १०।१, १३, २२, २७; ११।३, १०, ११, १२; १२।४, ६, १८, २३, २४, १३।२, ३, ४, ११; १६, २१; १८।७, १६, २०, २६, ३७, ४३, ४५, ५६, ६३, ६७, ६८, ६६, ७७;
७।११, ७।६, ११; १२।२६,
८।१।२०, २४; ५।३, ८, १६, १६; ८।३; १०।२८, ५३; १३।४, १२, १६, २५, २८, ३१; १४।७, १५।३, २३; १७।१४, २०।२६, २२।३१, २३।४, २४, २५;
६।२।२८, ३।२५, ६।१४; ३१, ३३; ७।१७, २३; १०।४८, १३।२, १४।२६, १७।१३, २२।२७,
१०।४।३६, २४।८, १२, १५; २५।१, २, १४, १५, २४; २७।२३, ३६।१०, १६; ३७।१६; ४३।२६, ५६।२, ६६।२, ६८।२८, ७२।२५, ७४।१३, ७७।६, ८६।६४,
११।४।७, १६; ६।२; १७।४६, १६।१३,
१२।६।१७, २०, २२; १३।१ (कश्यप से उनकी पत्नी अदिति के गर्भ से उत्पन्न आदि० ६५।११–१६।७५। १०–११) ॥

इन्द्र (सूर्य)— १२।११।३७

इन्द्रद्युम्न— ८।४।७, ११ (एक असुरभावापन्न नरेश, जो कृष्ण द्वारा मारा गया वन० १२।३२) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

इन्द्रध्वज— १०।४४।२३
इन्द्रप्रमक— ११।६।६
इन्द्रप्रमिति— १२।६।५४, ५५
इन्द्रलोक— ५।२३।१, ५
इन्द्रवाह— ६।६।१२
इन्द्रसावर्णि(मनु)–८।१३।३३
इन्द्रसेन— ६।६।५,
८।२०।२३, २२।१३, ३३;
६।२।१६, २०;
१०।८५।३८, ५२ (सोमवंशीय महाराज अविक्षित के पौत्र एवं परीक्षित के पुत्र आदि० ६४।५५) ॥
इन्द्रस्पृक्— ५।४।१०
इन्द्राणी— ६।१८।३
इरावती— ११।६।२,
३।१२।१३ (पार्वती जी ने स्त्री धर्म वर्णन करने के सम्बन्ध में जिन नदियों से सलाह ली थी उनमें इरावती भी उपस्थित थी अनु० १४६।१८) ॥
इरावन्त— ६।२२।३२
इल— १०।६।२२
इलविला— ४।१।३६,
६।२।३१
इला— २।३।५,
३।१२।१३,
४।१०।२,
६।६।२६, २८;
६।१।१६; २२; १४।१५, २४।४५, ४६;

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

११।४।१८,
१२।१२।२२ (वैवस्वत की पुत्री, पुरुष रूप में परिणत होने पर इनका नाम-सुद्युम्न हुआ आदि० ७५।१६। अनु० १४७।२६) ॥

इल्वल— ६।१८।१५,
७।२।४,
८।७।१४, १०।२०, ३२;
१०।७८।३८ (मणिमती नगरी का निवासी एक दैत्य वन० ९६।४) ॥

इषुमान्— ६।२४।४१

इष— ४।१३।१२

(ई)

ईश (कृष्ण)— १०।७२।४

ईश (विष्णु)— ६।१५।४, १६।३८ (एक विश्वेदेव अनु० ९१।३५) ॥

ईश (शिव)— ५।१८।२२,
६।३।१४, १३।२

ईशान— ८।४।१,
१०।२।४२, ३।२६,
१२।१०।१६

ईशानी— १०।२।१२

ईश्वर— ५।१७।१८, १८।२३, २६; २०।२८; ३७; २२।११, २३।२, २६।१७, ४०;
६।४।३४, ६।२५, १२।१२, १७।२९, १८।३५

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

(उ)

उग्र— ६।६।१७ (धृतराष्ट्र के पुत्रों में से एक आदि० ६७।१०३) ॥

उग्र (रुद्र)— ६।१०।१०

उग्रदंष्ट्रा— ५।२।२३

उग्रसेन— १।११।१६,
३।२।२२,
६।२४।२१, २५;
१०।१।३०, ६६; २।४, ३।२८, ३६।३४, ४४।३३, ४५।१२, ६६।७, ६८।१३, २१, ३४; ७६।२६, ८२।२२; ८४।५६, ६८;
११।३१।३५,
१२।११।३८ (महाराज जनमेजय का एक भाई, जिसने अपने अन्य दो भाइयों के साथ सरमा पुत्र को मारा था आदि० ३।१—२) ॥

उग्रसेन
(परीक्षित् पुत्र)- ६।२२।३५

उग्रश्रवा— ३।२०।७,
६।२१।२६ (लोमहर्षण पुत्र आदि० १।१) ॥

उच्चैः श्रवा— ८।८।३,
११।१६।१८; (समुद्र मन्थन के समय समुद्र से प्रकट हुआ सर्वश्रेष्ठ अश्व जो देवलोक में चला गया आदि० १८।३३—३७) ॥

उञ्छवृत्ति
(मुद्गल)— १०।७२।२१

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

उडुप (चन्द्र)— ६।१४।३१
उडुराट्— ६।१४।१४,
११।६।३६
उडुराज— १०।२६।२, ७०।१८
उतथ्य— ११।६।६,
४।१।३४ (महर्षि अङ्गिरा के मध्यम पुत्र आदि० ६६।५) ॥
उत्कच— ७।२।१८
उत्कल— ४।१०।२, १३।६,
८।१०।२१, ३३;
६।१।१४
उत्कल(असुर)- ६।१०।२०
उत्कला— ५।१५।१५
उत्तम— ४।८।६, १६; ६।२३, ४१, ४८; १०।३,
५।१।२८,
८।१।२३, २७
उत्तमश्लोक— ४।२०।२५, २१।४६,
५।१।३५, १२।१३, १४।४३;
६।२।१८, ११।२७, १६।३२, १६।१४,
७।४।४२,
८।१२।४६;
१०।१।१४, २३।२०, ८०।२, १२;
११।३०।३५
उत्तमश्लोक
(मौलि)— ४।१२।१७

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

उत्तमश्लोक
(हरि)— ६।६।४५, ११।७, १६।१,
१२।६।४, १२।५०
उत्तर— १।१६।२ (राजा विराट के पुत्र आदि० १८५।८) ॥
उत्तरा— १।८।८, १२।१, १३।१४,
३।३।१७,
५।१३।२४,
६।२२।३३ (मत्स्य नरेश की कन्या,अभिमन्यु की पत्नी
और परीक्षित् की माता आदि० ६५।८३—८४) ॥
उत्तानबर्हि— ६।३।२७
उत्तानपाद— ३।१२।५५, १४।६, २१।२, २२।६, १८;
४।१।६, ८।७, ८; ६।६५, १२।३०, ३८; २१।२८,
३१।२६
उत्सर्ग— ६।१८।६
उदक्सेन— ६।२१।२६
उद्गाता— ५।१५।५
उद्गीथ— ५।१५।६,
१०।८५।५१
उदग्रायुध— ६।२१।२६
उदावसु— ६।१३।१४
उद्धव— १८।७, १०।१८, १४।३२,
२।७।४५,
३।१।२४, २।६, ४।२३, २८, ३०, ३१, ३३;
४।७।६०,
६।२४।६७,

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

उद्धव— १०।४६।१, २; ७, २६, ४६; ४७।६, २२, ३८, ५३, ५५, ५७, ६८; ४८।४, ६८।१६, ६६।२०; २७; ७०।१५, ४५, ४७; ७१।१, ११; ७२।१५, ८४।६८, ११।६।४०, ४१, ५०; ७।१३, १०।३५, ११।३, २४, २६, ३५, ४८; १२।१४, १६; १३।८, १५, २१; १४।१, १६, २०, ३१; १५।२०, १६।१, ६; १७।१, ६; १८।४५, २६।५, ७, ८, २८, ४५; २०।१, १०; २२।१, २६, ३५, ५७; २३।१, ४, ११; २५।६, १६; २७।१, ६, १३; २६।१, ७, २०, २६, ३७, ४१; ३०।१,

१२।१२।८, ३६, ४२; (एक यादव। श्रीकृष्ण के सखा एवं मन्त्री, द्रौपदी के स्वयंवर में पधारे थे आदि० १८५।१८)॥

उन्नति— ४।१।४८, ५०

उपगुप्त— ६।१३।२४

उपगुरु— ६।१३।२४

उपदानवी— ६।६।३३, ३४;

उपदेव— ६।२४।१८, २२

उपदेवा— ६।८४।२३, ५१

उपनन्द— ६।२४।४८,

१०।६३।३

उपबर्हण— ७।१५।६; ६

उपरिचरवसु— ६।२२।६ (एक प्राचीन पुरुवंशी राजा जो नित्य कर्म परायण थे आदि० ६३।१)॥

उपश्लोक— ८।१३।२१

उपानन्द— १०।११।२२

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

उपेन्द्र— ५।२४।२४,
६।६।८,
८।२२।१६, २३।२३, २५;
१०।३।४२, ६।३३ (भगवान् विष्णु का एक नाम अनु० १४६।३०) ॥

उमा— २।३।७,
३।१२।१३,
६।१७।३६,
८।७।३३, १२।१७, २२; १८।१७,
६।१।२५,
१२।१०।४, १५ (पार्वती देवी वन० ३७।३३) ॥

उराङ्कविद्विट्— ४।२०।२२

उरुवल्क— ६।२४।४६

उरुगाय— ३।१५।४५, ६।११,
६।३।२६,
७।६।४६,
१०।६।२३

उरुक्रम— ४।१२।१८,
५।१।३५,
६।६।३६, १८।८,
७।५।३२, ११।१,
८।२०।२४, ३३, ३४; २१।४, २३।२८,
१०।६।२२, ३०।१०, ४४।१५

उरुविक्रम— ८।२३।२६

उरुश्रवा— ६।२।२०,
१०।३८।२१

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

उर्वशी— ६।१३।१६, १४।१५, २६, २७, ४०, ४१, ४२, ४४, ४५, ४७; १५।१, २१।३५,
११।४।१५, २६।१४,
१२।११।४१ (एक प्रसिद्ध अप्सरा आदि० ७४।६८। वन० ४३।२९) ॥

उलूपी— ६।२२।३२ (ऐरावत कुलोत्पन्न कौरव्य नाग की पुत्री आदि० २१३।१२) ॥

उल्बण— ४।१।४०

उल्मुक— ४।१३।१६, १७ (एक वृष्णिवंशी महारथी राजकुमार जो युधिष्ठिर के राजसूय यज्ञ में आया था सभा० ३४।१६) ॥

उशना— ४।१।४४,
५।१।३४, २२।१२, १३; २३।७,
६।७।१८, ३८;
८।१०।३३, ११।४७, ४८; १६।२६, २३।१३, १८;
६।१८।३०, २३।३३ (महर्षि भृगु के पुत्र शुक्राचार्य ये असुरों के उपाध्याय थे। इनका एक नाम उशना भी था आदि० ६५।३६) ॥

उशिक— ६।२४।२

उशीनर— ६।२३।२, ३ (एक वृष्णिवंशी एवं पराक्रमी राजकुमार जो द्रौपदी के स्वयंवर में गया था आदि० १८५।२०) ॥

उष्णगु (सूर्य)—१०।७६।१७

उर्जित— ६।२३।२७

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

(ऊ)

ऊरु— ८।१३।३३
ऊरुक्रिय— ६।१२।१०
ऊषा— ६।६।१६,
१०।६२।१, १०, १२, १६, २४, ३३
ऊर्ज— ४।१३।१२
ऊर्जकेतु— ६।१३।२२
ऊर्जस्तम्भ— ८।१।२०
ऊर्जस्वती— ५।१।२४, ३४,
६।६।१२,
ऊर्जा— ४।१।३६
ऊर्ण (यक्ष)— १२।११।४२
ऊर्णा— ५।१५।१४,
१०।८५।३७
ऊर्ध्वग— १०।६१।१५
ऊर्ध्वबाहु— ८।५।३ (दक्षिण दिशा में निवास करने वाले एक ऋषि जो धर्मराज के ऋत्विज है अनु० १५०।३४–३५ अनु० १६५।४०) ॥

(ऋ)

ऋचीक— ६।१५।५ (एक महर्षि जो भृगुकुमार च्यवन के पुत्र थे वन० ६६।४२) ॥
ऋजू— ६।२४।५४

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

ऋत— ४।१।४६, १३।१६,
६।१३।२५ (ग्यारह में से एक अनु० १५०।१२) ॥

ऋतधामा— ८।१३।२८,
६।२४।४४ (भगवान् श्रीकृष्ण का एक नाम शान्ति० ३४२।६६) ॥

ऋतध्वज— ३।१२।१२,
६।१५।१५,
६।१७।६,

ऋतम्भर(विष्णु) ६।१३।१७

ऋति— ५।१५।६

ऋतुसेन(गन्धर्व) १२।११।४१

ऋतुपर्ण— ६।६।१७ (अयोध्या के एक राजा, जो इक्ष्वाकु कुल में उत्पन्न तथा द्यूत विद्या के मर्मज्ञ थे वन० ६६।२१। २२, ६०—२५) ॥

ऋतेयु— ६।२०।४, ६ (पश्चिम दिशा निवासी एक ऋषि, जो वरुण के सात ऋत्विजों में से एक है अनु० १५०।३६) ॥

ऋभु— ४।४।३३, ८।१,
६।७।२, १५।१२ (ऋभु नामक देवताओं का गण, जो देवताओं के द्वारा भी आराधित होता है वन० २६१।१६ शान्ति० २०८।२२ अनु० १३७।२५) ॥

ऋक्ष— ६।२।१६, १२।१६, ४३; २२।४, ११;
११।१२।६

ऋषभ— १।१४।३१,
५।४।२, ३, ८, १३, १७, १८; ५।१६, २८, ३५; ६।७, १६, १६; १५।१,

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

६।८।१८,
६।२२।७,
१०।३३।२१,
११।२।१५, ४।१७,
१२।१२।१५ (धृतराष्ट्र के कुल में उत्पन्न एक नाग जो जनमेजय के सर्पसत्र में जल मरा था आदि० ५७।१७ एक वृषभ रूपधारी राक्षस जो मगध नरेश बृहद्रथ द्वारा मारा और जिसकी खाल से तीन नगाड़े बनाये गये सभा० २१।१६) ॥

ऋषभ (असुर)– ६।१०।१८

ऋषभ (इन्द्र पुत्र)— ६।१८।७ (एक राजा या राजकुमार जो द्रोण निर्मित गरुण व्यूह के हृदय स्थान में खड़ा किया गया था द्रोण० २०।२१) ॥

ऋषभ (हस्ती)–५।२०।३६

ऋषभदेव— ८।१३।२०

ऋषयः— ५।२२।१७

ऋष्यशृङ्ग— ६।२३।८,
११।८।१८ (महर्षि विभाण्डक के पुत्र। मृगी के पेट से इनकी उत्पत्ति हुई वन० ११०।३७।३६) ॥

●

(ए)

एकत— १०।८४।५ (एक प्राचीन ऋषि जो गौतम के पुत्र थे इनके दो भाई और थे—द्वित और त्रित शाल्य० ३६ अ० में) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

एँकचक्र— ६।६।३१ (कश्यप और दनु का पुत्र एक विख्यात दानव, आदि० ६५।२५)॥

एडविडि— ६।८।४२

●

(ऐ)

ऐरावत— ६।११।११,
८।८।४,
११।१६।१७ (समुद्र मन्थन के समय प्रकट हुआ एक हाथी जो इन्द्र के अधिकार में है आदि० १८।४०)॥

ऐल— ६।१४।१, ३२; १५।१;
११।२६।४, ७;
१२।१२।१५ (इलानन्दन पुरुरवा, जो यमराज की सभा में विराजमान होते हैं सभा० ८।१६) ॥

ऐलविल— ४।१२।१६

●

(ओ)

ओधवान्— ६।२।१८

ओज— १०।६१।१५

ओजस्वी— १०।२२।३१

●

(औ)

औत्तरेय— १।१७।४०

औत्तानपादि— ४।८।८२, १०।१३, ३०; ११।६, १२।७;
५।१७।२, २३।१

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust „ Delhi and eGangotri Funding : IKS

और्व— १।१६।१०,
६।८।३, ७, ३०; २३।२८

औशीनर— १।१२।२० (उशीनर कुमार शिवि जो यमराज की सभा में बैठने वाले नरेश हैं, सभा० ८।१४) ॥

औशनसी— ६।१८।२०, ३१

(क)

क (ब्रह्मा)— ५।१८।६
१०।१३।५८, १४।२

(दक्ष)— ६।४।२२, ५।२, ३

(कश्यप)— ८।५।३६, १६।१८

(दक्ष)— ६।१०।१०

कंस— १।८।२३
२।७।३४
३।२।१७, २६
७।१।३१
६।२४।२४
१०।१।१०, ३०, ३४, ५५, ५७, ५६, ६३, ६४, ६५, २।६–७, २०, ३।२३, २८, ४।१४, २८, २६, ४३, ५।१६, २६, ६।२, ७।२०, ८।८, ११।५१, १२।१४, २६, २३।५२, ३६।१६, २०।४०, ३७।१, १५, ३८।७, १८, २३, ४१, ३६।३, ५, ४१।१८, ४२।३, १८, २१, २५, २६, ३२, ३५, ४३।१८, ४४।३०, ३४, ४५।८, १५, २८, ४५।१७, २४, ३८, ४८, ४७।३६, ४६।१७, ५०।१, ५१।४१, ८२।२१, ३३, ८५।४६ (मथुराके महाराज उग्रसेन का पुत्र सभा० २२।३६)॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

कुकुत्स्थ— ६।६।१२
१२।३।१०, १२।२३ (इक्ष्वाकुवंशी महाराज शशाद के पुत्र, वन० २०२।१–२) ॥

कक्षेयु— ६।२०।४ (पुरुपुत्र रौद्राश्व के द्वारा मिश्रकेशी अप्सरा के गर्भ से उत्पन्न, आदि० ६४।१०) ॥

कङ्क— १०।४४।४० (एक प्राचीन राजा आदि १।२३३) ॥

कच— ६।१८।२२ (देवगुरु वृहस्पति के ज्येष्ठ पुत्र, आदि० ७६।१०) ॥

कञ्च— ६।२४।२४, ४१

कञ्चा— ६।२४।२५, ४१

कण्डु— ४।३०।१३
५।२४।८, २६
६।६।२१, २२ (एक महर्षि जिनकी पुत्री वार्क्षी ने दस प्रेचताओं के साथ विवाह सम्बन्ध किया, आदि० १६५।१२) ॥

कद्रु— १०।१७।७ (दक्ष प्रजापति की पुत्री, आदि० ६५।१३)॥

कन्थ— ६।२०।३, ८, १३, १८

कन्दर्प— ४।२२।६०; २६।१३
६।१४।१७

कन्यका— १०।२।१२

कपिध्वज— १।७।१७, १४।२२ (अर्जुन का एक नाम भीष्म० ३५।२०) ॥

कपिल— १।३।१०, ६।१६, १४।१, ६, ३३, १८।३५,
३।२४।१६, १६, ३३, ४१, २५।१, ५, ३१, ३३।१, ८, ६, १२, २२, ३०, ३३, ३६, ३७
४।१८।१६, १६।६, २६।८२
६।३।२०, ८।१६, १५।१३, १७।१२

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

(दनुपुत्र)— ६।६।३०
८।१।६, १०।२१
६।४।५७, ८।६, २०, २७
११।१६।१५
१२।१२।१३ (भगवान् श्रीकृष्ण वन० ४७।१८।१६) ॥

कपिलाश्व— ६ ६।२४ (महाराज कुवलयाश्व के पुत्र, वन० २०४।४०) ॥

कपोतरोमा— ६।२४।२० (उशीनर कुमार शिवि के पुत्र का नाम वन० १६७।२७—२८) ॥

कपोत— १०।७२।२७ (गरुड़ की प्रमुख सन्तानों में से एक उद्योग० १०१।१३) ॥

कबन्ध— ६।१०।१२
१२।७।१ (एक राक्षस राम के द्वारा इसका बध किया गया, सभा० ३८।२६) ॥

कबन्धन— ६।२।२५, २३।७

कमलनाभ(कृष्ण)१०।७२।४

कमलासन— ५।२०।२
७।१०।३३

कम्ब— १०।७४।७, ८६।१८
११।१।१२

कम्बल (नाग)—५।२४।३१

कम्बल— ६।२४।१६ (एक प्रमुख नाग, आदि० ३५।१०) ॥

कयाधु— ६।१८।१२

करभाजन— ५।४।११
११।२।२१, ५।२०

करम्भि— ६।२४।५

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

करूष— ६।२।१६

करूषज— ७।१०।३८

करेणुमति— ६।२२।३२

कर्ण— १।१५।१५, १६

३।१।१४, ३।१३

६।२३।१४

१०।४६।२, ७५।५, ८३।२३ (कुन्ती के गर्भ से उत्पन्न, आदि० ६३।९८) ॥

कर्णिका— ६।२४।४४ (ग्यारह विख्यात अप्सराओं में से एक, आदि० १२३।६४—३३) ॥

कर्द्दम— २।७।३

३।१२।२७, ५६ २३।१२, २२, २४।६, ९, ११, २१, ३३।१, १५, १९

४।१।१०, १२, ४५

१२।१२।१२ (एक प्रमुख नाग, आदि० ३५।१६) ॥

कर्द्दमश्रेष्ठ— ४।१।३०

कर्मजित्— ६।२२।४७

कला— ३।२४।२२

४।१।१३ (काल परिमाण, शल्य० ४५।१५) ॥

कलि— १।१५।३६, ४५, १६।५, ११

२।७।३८

४।८।३, ४ (सोलह देव गन्धर्वों में से एक कश्यप पत्नी मुनि के पुत्र, आदि० ६५।४४) ॥

कलिङ्ग— ६।२३।५ (कलिङ्ग देश का राजा, सभा० ५।१७) ॥

कल्क— ६।२४।२९

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

कल्कि— १।३।२५
६।८।१६
१२।२।१८, २३ (भगवान् विष्णु के भावी दशम अवतार, सभा० ३८।२६) ॥

कल्प— ६।२४।५१

कल्माषपाद— ६।६।१८ (एक इक्ष्वाकुवंशी राजा, आदि० १७५।१)॥

कवष— १।१६।१०
१०।७४।७

कवि— ४।१।७, ४४
५।१।२५, २६, ४।११
६।१।१२, २।१५, २१।१६
१०।६१।१४, ६०।३४
११।२।२१, ३३ (महर्षि भृगु के पुत्र, आदि० ६६।४२)॥

कश्यप— १।६।८
३।१४।८, १५।१०, १६।३५
४।१।१३, ६।२१
५।२३।१
६।६।२, २५, ३४, ३५, १८।६, १०, ३१; ५५
८।४।२२, ७।५, ६।७, १३।५, ६, १६।२, १७।१, २२, १८।१४; १६।३०, २३।२१
६।१।१०, १६।२२
१०।३।४२, ७४।६, ८४।४
११।१।१२ (महर्षि मरीचि के पुत्र, आदि० ६५।११) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

(का)

काकवर्ण— ११।१।४

काञ्चन— ९।१५।३ (मेरु द्वारा दिये गये दो पार्षदों में से एक, शल्य० ४५।४७) ॥

कात्यायनी— १०।२२।१, ४

कानीन— ९।२।२१ (एक प्रकार का बन्धुदायाद पुत्र, आदि० ११९।३३) ॥

काम— ६।६।१०
८।७।३२
११।४।७ (धर्म के तीन पुत्रों में से एक, इनकी एक पत्नी का नाम रति है, आदि० ६६।३२।३३) ॥

कामदेव— ५।१८।१५
८।१०।३३
१०।५५।१, ७, ८, १२, ९०।४८ (भगवान् विष्णु का एक नाम, अनु० १४९।८३) ॥

काम्पिल्य— ९।२१।३२

काम्ब— ११।६।७४

कायाधव— ११।१२।५

कारुष— १०।७८।४ (वैवस्वत मनु के छठे पुत्र,आदि० ७५।१६)॥

कारणशूकर— ३।१३।३६, १४।१, १९।३७

कार्तवीर्य— ९।२३।२५ (सहस्रबाहु अर्जुन, वन० ११५।१२-१४)॥

कार्तवीर्यार्जुन–११।३।९

कार्ष्णि— १०।७६।२८ (एक देव गन्धर्व, जो अर्जुन के जन्मोत्सव पर उपस्थित था, आदि० १२२।५६) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

काल (रुद्र)— ३।१२।१२
५।२३।२, २४।२४, २६।८
६।१२।८ (ध्रुव नामक वसु के पुत्र, आदि० ६६।२१)॥

कालका— ६।६।३३, ३४ (महान् असुर की कन्या, अनु० १७३।७—११)॥

कालकेय— ८।१०।३४ (काला के पुत्र हिरण्यपुर निवासी दानव, आदि० ६५।३५)॥

कालगर— ६।२३।१

कालनाभ— ८।१०।२०, २६

कालनेमि— ८।१०।५६
१०।१।६८, ५१।४१

कालयवन— ३।३।१०
१२।१२।३७ (एक असुर भावापन्न यवन, शान्ति० ३३६।६५)॥

कालषेय— ६।२२।३७

कालिङ्ग— १०।६१।२७, २६, ३७

कालिय— ५।२४।२६,
१०।१६।४, ५५, १७।१, ४, ५, ८, १२, १७ (एक प्रमुख नाग, आदि० ३५।६)॥

कालिन्दी— १०।५८।२२, २६, ६१।१४, ७१।४२, ८३।६

काली— ६।२२।३१ (वेद व्यास की माता सत्यवती, आदि० ६०।२)॥

कालेय— ८।७।१४ (इसी नाम से प्रसिद्ध दैत्यगण, आदि० ६७।४७।५५)॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

काव्य— ५।१।३४
६।७।२३
६।१८।४, ५, २५
११।१६।२८ (प्रजापति कवि के आठ वारुण संज्ञक पुत्रों में से एक, अनु० ८५।१३३) ॥

काशार— १२।६।५६

काशि— ६।१७।४

काशिपति— १०।६६।२२

काशिराज— ६।२२।२३
१०।६६।१७, ८२।२४ (काशी देश के राजा, "दीर्घ-जिह्व" नामक दानव के अंश से उत्पन्न, आदि० ६७।४०) ॥

काश्य— ६।११।३, ४, २१।२३ (काशी के राजा, आदि० १०२।५६) ॥

काश्यप— ७।३।१७
११।६।११, ७।४, ५, ७
१२।११।४७ (एक प्रसिद्ध मन्त्रवेत्ता ब्राह्मण, आदि० ४२।३३) ॥

काष्ठा— ६।६।२५, २६ (काल परिमाण, शल्य० ४५।१५) ॥

●

(कि)

किञ्चन— ६।२४।७

किम्पुरुष— ५।२।१६

किरीटी— १०।७१।२७

●

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

(की)

कीकट— ५।४।१०
६।६।६

कीर्ति— ६।१८।८
१०।८६।५६ (दक्ष प्रजापति की एक पुत्री और धर्मराज की स्त्री, आदि० ६६।१४) ॥

कीलनाभ— ७।२।१८

●

(कु)

कुकुर— ६।२४।१६
१०।४५।१५ (एक कश्यप-वंशी नाग, उद्योग० १०३।१०) ॥

कुन्ति(नेत्रपुत्र)– ६।२२।२७, २३।१३, २२, २४।३, ३१ (कुन्ति देश के निवासी राजा और योद्धा, सभा० १४:२६) ॥

कुन्ती— ३।१०।६
१०।४६।१५, ६१।१३, ८२।२३ (शूरसेन की पुत्री, राजा कुन्ति भोज की दत्तक कन्या, आदि० ६३।६८) ॥

कुन्तिभोज— १०।८२।२४ (एक क्षत्रिय राजा, आदि० ६७।१३०) ॥

कुबेर— ४।१।३६, २२।५६

कुब्जा— १०।४२।१, ६
११।१२।६

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust ; Delhi and eGangotri Funding : IKS

कुंमार— ३।८।३, १५।३८, २४।२०, ३२।१२
६।३।२०, १५।१२, १७।१२, ३२
८।२३।२०, २६
६।६।२१
११।१६।२५ (अनल नामक वसु के पुत्र स्कन्द, आदि० ६६।२३) ॥

कुमुद— ८।२१।१६
११।२७।२८
१२।७।२ (एक प्रमुख नाग, आदि० ३५।१५) ॥

कुमुदा— १०।२।१२

कुमुदेक्षण— ११।२७।२८

कुमुदाक्ष— ८।२१।१६

कुम्भ— ६।१०।१८ (प्रह्लादजी के तीन पुत्रों में से एक, आदि० ६५।१६) ॥

कुम्भकर्ण— ४।१।३६
७।१।४४, १०।३६ (राक्षस कन्या पुष्पोत्कटा के दो पुत्रों में से एक, वन० २७५।१—७) ॥

कुम्भयोनि— ९।१६।१० (अर्जुन के जाने पर इन्द्र सभा में नृत्य करने वाली अप्सराओं में से एक, वन० ४३।३०) ॥

कुम्भसम्भव— ६।३।३५

कुम्भाण्ड— १०।६२।१२, ६३।८, १६

कुरु— ९।१३।५९
३।१।४३, ५।१
५।२।१९
९।२२।४, ५, २४।६३ (सूर्य कन्या तपती के गर्भ से सम्राट् संवरण द्वारा उत्पन्न, आदि० ९४।४८) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

कुरुवन— ६।२४।५
कुरूद्वह— १०।१३।१५, १५।४६, ३३।१७, ५६।१७
कुलिक(नाग)—५।२४।३१
कुल्य— १२।६।७६
कुवलयाश्व— ६।१७।६
१२।३।१० (इक्ष्वाकुवंशी महाराज वृहदश्व के पुत्र, वन० २०२।५) ॥
कुर्वि— ६।२४।१४
कुक्षि— १२।६।७६
कुश— ६।११।१७, १२।१, १५।४, १७।३, १६, २४।१ (एक प्राचीन काल के महर्षि, आदि० ७४।६६) ॥
कुशनाभ— ६।१५।४ (महर्षि कुश के धर्मात्मा पुत्र, आदि० ७४।६६) ॥
कुशाग्र— ६।२२।७
कुशावर्त— ५।४।१०
कुशाम्बु— ६।१५।४, २२।६ (राजा उपरिचर वसु के तृतीय पुत्र, आदि० ६३।३१) ॥
कुशिक— ६।१५।६, १६।३६, २०।१५ (अजमीढ़ के वंश में उत्पन्न जहन के वंशज वल्लभ के पुत्र, आदि० ६५।३३) ॥
कुशीद— १२।६।७६
कुहक— ५।२४।२६
कुहू— ४।१।३३
६।१८।३ (महर्षि अङ्गिरा की आठवीं पुत्री, वन० २१८।८) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

(कू)

कूट— १०।४२।३७, ४४।२८

कूपकर्ण — १०।६३।८, १६

कूर्म— ५।१८।२६

६।८।१७

१२।११।२० (एक प्रमुख नाग, आदि० ६५।४१) ॥

कूर्मदेव— १२।११।३२

●

(कृ)

कृत— ६।२४।४६

१२।६।८० (एक विश्वेदेव, अनु० ६१।३१) ॥

कृतक— ६।२४।४८

कृतंजय— ६।१२।१३

कृतद्युति— ६।१४।२८

३०।३७।४४

कृतध्वज— ६।१३।१६

कृतरथ— ६।१३।१६

कृतवर्मा— ११।४।२८

६।२३।२३, २४।२७

१०।५७।३, २६, ६१।२४ (भोजवंशी हार्दिक का पुत्र, आदि० ६५।१०५) ॥

कृतवीर्य— ६।२३।२३, २४ (सोमवंशी राजा अहंयाति के श्वसुर, आदि० ६५।१०५) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

कृत्या— ६।४।४८ (दैत्यों द्वारा अभिचारिक यज्ञ से उत्पन्न की हुई एक राक्षसी, वन० २५२।२१—२६) ॥

कृतस्थली(अप्सरा)—१२।११।३३

कृत्स्न— ४।१३।१६

कृताग्नि— ६।२३।२३

कृति— ६।१३।२६, १८।१, २४।२ (एक पुण्यात्मा एवं बहुश्रुत, सभा० ८।६) ॥

कृतिमान्— ६।२१।२७, २४।५४

कृतिरात— ६।१३।१७

कृत्तिका नक्षत्र—६।३।२३

कृत्तिका— ६।१४, १४।३०

कृती— ६।२१।२८, २२।५

कृतेयुक— ६।२०।४

कृतौजा— ६।२३।२३

कृप— ८।१३।१५
६।२१।३६
१०।५७।२, ७४।१०, ८२।२३

कृपी— ३।१३।४
६।२१।३६(शरद्वान् ऋषि की पुत्री,कृपाचार्य की बहिन, द्रोणाचार्य की पत्नी, आदि० ६३।१०७-१०८) ॥

कृमि— ६।२३।३

कृशाश्व— ६।६।२, २०
६।२।३४, ३५, ६।२५ (यम की सभा में उपासना करने वाले एक नरेश, सभा० ८।१७) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

कृष्ण— ११।२३, २।१७, ३।२७, २८, ४३, ४।३२, ५।३६, ७।७, २२, ४०, ८।११, २५, ४३, ४६, ९।१०, १५, २२, ४७, १०।१६, ११।२४, १२।३७, १५।१, १७।६, १८।१०, ११, १८।३५

२।१४।१, ११, ८।३, ५

३।१४९, ३२, २।३, १९, २०, ४।२३, ३३, ३५, ५।१२, १४।५१, २०।२, ३

४।१५८, १२।२२, ३८, १७।६, २३।७; २४।८, ४२, २८।३३, २९।७९, ३०।२४

५।१४, १२।१५

६।११६, १९, २।२४, ३।२९, ३३, ८।२५, ९।४३, ४४, १७।२८, १४।६, २९।२२

७।१५, २९, ३२, ४६, ४।३७, ५।३०, १०।३९, ४२; ५२, १४।४२, १५।७८, ७९, ४।८।१४

९।४।१८, २९, १९।२८, २२।३४, २२।२२ (सत्यवती-नन्दन द्वैपायन व्यास, आदि० १०४।१५) ॥

कृष्ण व्यासदेव—१०।८६।१८

कृष्ण— १।१२, १४, २।१२, ३।११, ४९, ५।३, ६।३४, ३६, ३८, ४०, ७।३, २६, ३०, ८।२६, २४, २७, ३२, ३३, ४७, ५२, ९।१८, १९, २२, १०।२६, २८, २९, ११।१२, १४, १५; २२, ३३, ३४; ४१, ४८, ४९, ५८, १२।३, ६, १४।२७, ३०, ४३, १३।८, १३, १४, १६, १७, १८, २६, ६३, १४।३६, ३९, ४०, ४३, ४५, ४९, ५५, ५६, ५७, १५।९, २१, २३, २६, ३६, ३७, ४१; ४७, ५०

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

कृष्ण— १०।१६।१, ६, १०, ११, १३, १५, १७, १६, २१, २२, ३१, ४५, ५५, ६४, १७।१२, १३, १५, १८, २२, २३, १८।१, ८, ६, १०, ११, १७, १६, २०, २२, २३, २४, २५, १६।३, ८, ६, १०, १४, २०।२, ३४, ४४, ४५, २१।३, ४, १२, १३, १४, १८, २२।५, ६, ७, ८, ३८, २३।१, ६, १०, १२, १६, २३, ३६, ४२, ४४, ५०, ५२, २४।३४, ३५, ३८, २५।१, ३, ५, ६, १३, २२. २४, २६।१, २३, २४, २७।१, ३, १४, १८, १६, २२, २८।३, ८, ६, १०, १६, १७, २६।६, १२, १६, ३०, ४७, ३०।३, ६, १४, १५, १६, १७; १८, १६, २४, ३१, ३५, ३८, ४४, ३२।१, ३३।३, ७, ८, ११, १८, ३७, ३४।६, १६, २७, ३५।१, १६, २६, ३६।५, ६, १६, १७, २३, ३७, ३७।७, ६, १०, २४, ३०, ३८।२४, २८, ३४, ३६।१, १०, १३, ३१, ३४, ४१, ४१।६, १६, ३६, ४१, ५०, ४२।११, १६, २३, ४३।१, २, ५, १२, ३१, ३६, ४४।११, २७, ३०, ५०, ४५।१, ११, १४, १८, २०, २१; २३, २७, २६, ३५, ३६, ४४, ४८, ४७।१, ६, ११, २२, २४, २६, ४५, ४७, ४६, ५३, ५४, ५५, ५६, ५७, ५६, ६२, ६६; ६७, ६८, ६६, ४८।४, १२, १४, १६, ४६।६, ११, १३, १४, ३१, ५०।५, ६, ७, ४१, ४२, ४५, ५७, ५२।१, ३, १६, २०, २४, २५, २६, ५३।१८, २०, २१, २४, २६, २७, ३०, ३६, ३७, ५२, ५४, ५५।२८, ३८, ५६।१, २, १६; २५, ३४, ४३, ५७।१, ४, ८, ११, १२, १७,

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

कृष्ण— ५८।५, ६, १४, १७, २४, ३०, ३१, ४७, ४८, ५६, ५८; ५६।२४, ३५; ६०।२५; ६१।१, १६, २०, २३; ६२।१८, २०; ६३।३, ६, ७, १७, २०, ५०, ५३; ६४।१, ६, २५, २८, २६, ३१; ६५।६, ८, १६; ६६।१, ७, ६, ३२; ६६।१, १६, ३१, ४२, ४३; ७०।२, २३, २५, ३३; ७१।१, १०, ११, २५, ३४, ३६, ३८, ४०, ४१; ७२।१६, २७, २६; ७३।७, ८, १३, १६, २४, २६, ३१; ७४।१, ६, १८, २३, २४, २५, ३०, ३२, ४२, ४८, ५२; ७५।५, १६, २८, ३०, ३४, ३८; ७६।१, १२; ७७।६, १२, २२, २३, २५, ३४; ७८।३, ५, ७, ८, १०, १२, १६; ७६।२४; ८०।६, १२, २४; ८१।२, १४, १६; ८२।१, १०, ११, १६, २७, २८, ३१, ३२, ३४, ३६, ४७; ८३।७, १५; ८४।१, २, ६, १४, २२, ३०, ५०, ५६, ६८, ७०; ८५।३, २८, २६, ३४, ३६; ८६।१, ६, ११, १३; ८७।४५; ८६।३२, ३८, ४४, ४६, ५०, ६०; ६०।११, १२, १३, २२, २६, ३१, ४७;

कृष्ण (व्यास)-१०।८६।१८

केकय— १०।८२।२५ (एक सूतराज, जो इसी के नाम से विख्यात थे, विराट० १६) ॥

केतु— ५।४।१०, २७।७

६।६।३७

८।१।२७ (एक प्राचीन ऋषि, शान्ति० २६।७) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

केतुमान— ६।६।१, १७।५ (एक दानव, कश्यप पत्नी दनु का पुत्र, आदि० ६५।२४) ॥
केवल— ६।२।३०
केशव— १।१।२०, ५।३६, १६।१५
३।१६।१४
४।१४।४२
६।८।२०
७।१४२
८।१६।२४, ३५, ५६; २४।४३
६।४।३२
१०।१।१०; ६।२२; ८।२१; १५।२०; १८।३; २०।३२; २४।१२; २६।४८; ३०।१०, ३७; ३२।६; ३६।२०; ३८।३, ३२; ४१।२६; ४२।६, २०; ४३।७; ५२।१४; ५७।२७; ५६।३७; ६१।२६; ७०।४५; ७३।३५; ७६।३०; ७७।६; ८६।२६, ४०
११।३०।२५
१२।३।४६ (भगवान् श्रीकृष्ण का एक नाम, शान्ति० ३४१।४८—४६) ॥
केशिकी— ३।१८।३६; १६।२६
केशिनी— ७।१।४४
६।८।१४ (एक अप्सरा, जो प्राधा के गर्भ से देवर्षि कश्यप द्वारा उत्पन्न हुई है, आदि० ६५।५०) ॥
केशिदैत्य— १२।१२।३३
केशिध्वज— ६।१३।२०
केशी— १०।२।१; ३६।२०; ३७।१, ५, ६, २५; ४३।२५ (एक दानव, कश्यप पत्नी दनु का पुत्र, आदि० ६५।२३)॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

कैकय— ६।२३।३
कैकेयी— १०।५८।५६ (पुरुवंशीय महाराज अजमीढ़ की पत्नी, आदि० ९५।३७) ॥
कैटभ— ६।१२।१ (एक महान् असुर, सभा० ३८) ॥
कैटभार्द्दन— ३।२४।१८
कोटरा— १०।६३।२० (स्कन्द की अनुचरी मातृका, शल्य० ४६।१४) ॥
कौरव्य— ४।२।१९ (एक प्रमुख नाग, आदि० ३५।१३) ॥
कौशलेन्द्र(राम)–६।१०।४, २९
कौशल्य— ६।१५।१५
कौशल्या— ६।२४।४८ (ययातिनन्दन महाराज पुरु की पत्नी और जनमेजय की पत्नी, आदि० ९५।१०—११) ॥
कौशारव— ३।४।२६; ५।१५, १७; १९।३३
कौशारवि— ३।१०।३; १४।१
४।१३।१; २१।८; ३१।२८
कौशिक— १।९।७
६।८।३८, ६४
९।७।५
१०।३८।१७
क्रतु— ३।१२।२२, २३; २४।२३
४।१।३८; १३।१७; २९।४३
६।६।३४
१०।६१।१२; ७४।८ (ब्रह्माजी के एक मानस पुत्र, आदि० ६५।१०) ॥
क्रतुमान— ६।१६।३६
क्रथ— ६।२४।१, ३ (एक क्षत्रिय राजा, आदि० ६७।६१) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

क्रिया— ३।२४।२३
४।१।३८, ४८, ४६
६।१८।४ (दक्ष प्रजापति की एक पुत्री और धर्मराज की पत्नी, आदि० ६६।१४) ॥
क्रोध— ४।८।३ (एक विख्यात दानव, आदि० ६५।३५) ॥
क्रोधवश— ६।६।२६, २८ (राक्षसों में से एक गण का नाम, आदि० ६५।३२) ॥
क्रोष्टा— ६।२३।२० (यदु के पुत्र, अनु० १४७।२८) ॥
क्रोष्टु— ६।२३।३०

●

(क्ष)

क्षत्ता— ३।१।१, ३, १४; २।१; ४।२३; ५।१, १७; ६।३५; ७।८; १०।३, २६, ३२; १२।१, २८; १७।११; १६।१६, ३३; २०।२; २३।१२; २४।२१, २५; ४।१।४४; ६।२५; २१।८ (विदुर, उद्योग० ३२।२,६)॥
क्षत्रवृद्ध— ६।१७।१, २, १०, १७
क्षत्रोपेक्ष— ६।२४।१६
क्षिति— ४।१४।२६
क्षुद्रक— ६।१२।१४ (अर्जुन द्वारा क्षुद्रकों का वध, कर्ण० ५।४७) ॥
क्षुद्रभृत्— १०।८५।५१
क्षुधि— १०।६१।१६
क्षेत्रज्ञ— १२।१।१४ (इस शरीर को जानने वाला जीवात्मा, भीष्म० ३७।१—२) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

क्षेम— ४।१।५०
६।२२।४८ (एक क्षत्रिय राजा, आदि० ६७।६५) ॥
क्षेमक— ६।२२।४४ (कश्यप और कद्रू से उत्पन्न एक नाग, आदि० ३५।११) ॥
क्षेमधन्वा— ६।१२।१ (एक कौरव पक्षीय प्रधान रथी, भीष्म० १७।२७) ॥
क्षेमधर्मा— १२।१।४
क्षेमाधि— ६।१३।२३
क्षेम्य— ६।२१।२६

(ख)

खट्वाङ्ग— २।१।१३
६।६।४२; १०।१
११।२३।३०
१२।३।६; १२।२३ (इलविला के पुत्र महाराज दिलीप का दूसरा नाम, द्रोण० ६१।१—१०) ॥
खनित्र— ६।२।२४
खनीनेत्र— ६।२।२५ (सूर्यवंशी विविंशा के ज्येष्ठ पुत्र, आश्व० ४।६—६) ॥
खर— ६।१०।६ (एक राक्षस, वन० २७५।४—८) ॥
खलपान— ६।२३।६
खाण्डिक्य— ६।१३।२०, २१
ख्याति— ३।२४।२३
४।१।४२
८।१।२७

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

(ग)

गङ्गा— १।८।४२; १४।२८; १६।३
९।९।१, २; २२।१९ (देवनदी, वसुओं की माता, भीष्म की जननी, आदि० ९७।७४) ॥
गजेन्द्र— १२।१२।१९
गति— ३।२४।२३
४।१।३७
गद— १।१४।२८
३।१।३६
९।२४।४६, ५२
१०।५४।६; ५६।३; ६४।१; ७६।१४; ७७।४; ८२।६
११।३०।१६ (भगवान् श्रीकृष्ण के अनुज, आदि० १८५।१७) ॥
गदाधर— ७।८।२५
१०।५९।५
गदाग्रज— ४।२३।१२
१०।४१।३२; ४७।४०; ५२।४०; ५९।१०, १६
गदाभृत— ४।२१।२९
९।५।९
१०।३३।१०
गन्धमाद— ९।२४।१७
गन्धमादन— ९।१०।१९ (युथपति वानर, वन० २८३।५) ॥
गन्धर्वगण— ९।६।२९; ७।३
गम्भीर— ९।१७।१०

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

गय— ४।१३।१७; २४।८
५।१५।६, ९, १३, १४
६।१।४१
१०।६०।४१
१२।३।१० (आयु के द्वारा स्वर्भानु कुमारी के गर्भ से उत्पन्न चतुर्थ पुत्र, आदि० ७५।२५) ।।

गवि— ६।२१।२५

गरुड़— ३।१।३९; १९।११; २१।२१
६।६।२२; ८।२९
१०।१७।४, ९, ११, १२; ५९।२, १५, १९
११।२७।२८ (कश्यप और विनता के परम तेजस्वी पुत्र, आदि० २३।१२) ।।

गरुड़ध्वज— ४।९।२६
८।६।३६

गरुत्मा— ४।९।१
५।१४।४२

गर्ग— ६।२१।१, १९
१०।८।१, २०; ११।५७; २६।१५, २३, २४; ४५।२९; ४६।२३; ५१।४४; ७४।८ (एक प्राचीन महर्षि, द्रोण० १९०।३५—४०) ।।

गात्रवान्— १०।६१।१५

गाधि— ९।१५।४, ५; १६।२८;
१२।३।१९ (विश्वामित्र के पिता, आदि० ७४।६९) ।।

गान्दिनी— ९।१५।४, ५; २४।१५
१०।४९।३

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

गान्धार— ९।२३।१५

गान्धारी— १।८।३; ९।४८; १०।९, १३; १३।३७, ५१
९।२२।२३
१०।५७।२; ८२।२३ (पुरुवंशीय महाराज अजमीढ़ की द्वितीय पत्नी, आदि० ९५।३७) ॥

गायक— १०।७५।१०; ८३।३०

गायन्ती— ५।१५।१४

गार्ग्य— ९।२१।१९ (एक प्राचीन ऋषि जो इन्द्र की सभा में विराजमान होते हैं, सभा० ७।१८) ॥

गालव— ८।१३।१५
१०।८४।४ (युधिष्ठिर की सभा में विराजने वाले एक ऋषि, सभा० ४।१५) ॥

गिरि— ९।२४।१६

गिरिजा— १०।५२।४२

गिरित्र— ४।२।१९; ३।१५; २४।१६
८।६।१५; ६।३१
१०।४४।१३

गिरिश— ३।१।३८; ९।१६
४।१।२६; २।१७, २०; ६।३९; ११।३३; १४।२६; २४।१५; २९।४२; ३०।२
६।११।४, २५; १८।१८
८।५।३९; १२।२, १४; १८।२८;
९।१।२९; १८।९
१०।५८।३७; ६२।४, ९; ६३।१४; ७६।७ ७९।७, १३; ८८।१३, १५, ३८
१२।१०।४, १०

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

गिरीश— २।३।७
गीष्पति— ३।२६।६१
गुडाकेश— १०।५८।२३ (अर्जुन का एक नाम, आदि० १३८।८)॥
गुरु— ६।२१।२
गुह— ३।१।३०
५।२०।१६
८।१०।२८
१०।६३।७ (एक दक्षिण भारतीय म्लेच्छ जाति का नाम, शान्ति० २०७।४२) ॥
गुह्यक— १०।४३।२५ (एक यक्ष जो कुबेर की सभा में उपस्थित होता था, सभा० ११।४६) ॥
गृत्समद— १।६।७
६।१७।३ (इन्द्र के प्रिय सखा वृहस्पति के समान श्रेष्ठ मुनि, अनु० १८।१६।२६) ॥
गृध्र— १०।६१।१६
गोतम— १०।७४।७
गोखल्य— १२।६।५७
गोप— १०।६५।२; ८०।४३; ८४।६६
गोपराज— ३।२।३२
गोपाल— १०।५४।२२; ७४।३४
गोपालसूनु— १०।११।५०
गोपी— १०।६५।२, ६, १४; ८२।३६, ४७; ८३।१; ८४।७६
गोमती— १२।१।२४ (यह विश्व भुक् नामक अग्नि की पत्नी है; वन० २१६।१६) ॥
गोवर्द्धनवर— १०।२५।२५

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

गोविन्द— १।८।२१, ४३; १३।२; १४।३४; १५।२७
४।२९।८२
६।७।२४; ८।२०
७।४।३८; ७।५५
१०।६।२५, ४४; १५।५२; १९।१६; २१।१०, १३;
२२।१३; २३।३६; २५।११; २७।२३, २८; २८।८;
२९।२८; ३०।७, २८, २९; ३३।२; ३४।२०, ३०;
३६।५; ३७।२५; ३९।३१, ३७; ४२।२६; ४६।१९;
४७।९, ११, ४२, ५२; ५०।११, ३१; ५२।१६;
५३।२६, २७; ५४।२३; ५६।६; ५७।१; ६१।३५;
६४।२७; ६९।२७; ७१।४, ३९; ७२।३; ७३।१६;
७७।२५; ८३।५; ८४।६६, ६९; ८५।५६
११।६।२०; २२।३६
१२।११।२५ (इन्द्र ने भगवान् श्रीकृष्ण का गोविन्द
नाम रखा गोविन्द, सभा० ३८।२९) ॥

गौतम— १।९।७; १०।९; १९।१०
६।१५।१२
८।१३।५
९।२१।३४
१०।४९।२; ८४।३
१२।११।३९ (सप्तर्षियों में से एक,
आदि० १२२।५०—५१) ॥

गौरी— १०।५३।२५ (महादेवी पार्वती का एक नाम,
वन० ८४।१५१) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust „ Delhi and eGangotri Funding : IKS

(घ)

घटोत्कच— ६।२२।३६ (हिडिम्बा के गर्भ से भीमसेन द्वारा उत्पन्न एक राक्षस, आदि० १५४।३१) ॥

घृतपृष्ठ— ५।१।२५, ३०; २०।२०, २१

घृताची— ६।२०।५

१२।११।३६ (एक श्रेष्ठ अप्सरा, आदि० ५।६) ॥

घृणी— १०।८५।५१

घोर— ६।६।१८ (महर्षि अङ्गिरा के वारुण संज्ञक पुत्रों में से एक, अनु० ८५।१३१) ॥

घोष— १२।१।१६

(च)

चकोर— १२।१।२४

चक्रदृक्— ८।१०।२१

चक्रपाणि— ७।५।१४

चक्षुः— ४।१३।१५

८।५।७

६।२३।१ (विवस्वान् सूर्य के ही बोधक दिवः पुत्र आदि बारह सूर्यों में से एक, आदि० १।४२) ॥

चतुरङ्ग— ६।२३।१०

चतुर्भुज— १०।६०।२६

चण्ड— ११।२७।२८

चण्डवेश— ४।२७।१३

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

चण्डिका— ५।६।१४
६।१८।४६
१०।२।१२

चण्डेश— ४।५।१८

चन्द्र— ३।१२।१६; २६।६८
६।७।१
८।६।२०; ६।२४, २६
१०।६१।१३; ६८।१५; ८४।१२; ८५।७ (एक दैत्य, आदि० ६७।३१—३२) ॥

चन्द्रगुप्त— १२।१।१२

चन्द्रभागा— १०।५६।३५

चन्द्रभानु— १०।६१।१०

चन्द्रमा— ३।६।२४; ७।११; २६।६१
५।१६।१; २२।८; २३।७; २४।२ (शीतल किरणों वाले सोम, आदि० १८।३४) ॥

चन्द्रविंश— १२।१।२५

चमस— ५।४।११

चम्प— ६।८।१

च्यवन— ११।६।६
६।१५।१४
६।३।२, १०, १२, २४; २।११, ५
१०।७४।७; ८४।३; ८६।१८

चर्षणी— ६।१८।४

चाणक्य— १२।१।११

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

चाणूर— १०।२।१; ३६।२१, २२; ३७।१५; ४२।३७; ४३।३१; ४४।१, २०, २२, २८
१२।१२।३५ (एक क्षत्रिय नरेश, सभा० ४।२६) ॥
चातुर्मास्य याग—६।१८।१
चारु— १०।६१।६; ६४।१ (धृतराष्ट्र के सौ पुत्रों में से एक, आदि० ६७।६५) ॥
चारुगुप्त— १०।६१।८
चारुचन्द्र— १०।६१।६
चारुपद— ६।२०।२
चारुमती— १०।६१।२४
चारुदेष्ण— ११४।३१
१०।६१।८; ७६।१४
चारुदेह— १०।६१।८
चाक्षुष— ८।५।७; १३।३४
६।२।२४
चाक्षुषमनु— ४।१३।१५
६।६।१५
चित्ति— ४।१।४१
चित्रकेतु— ४।१।१६, ४०
६।१४।१०, ३०, ३८, ५६; १५।६; १६।१५, २७, ४६, ६५; १७।१; १६, २५, ३४, ४०
६।१९।१२; २४।४०
१०।६१।१२ (गरुड़ की प्रमुख सन्तानों में से एक, उद्योग० १०१।१२) ॥
चित्रगु— १०।६१।१३

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

चित्रबाहु— १०।६०।३४ (धृतराष्ट्र के सौ पुत्रों में से एक, आदि० ६७।९७) ॥

चित्रभानु— १०।६०।३३

चित्ररथ— ४।३१।२
५।१६।१; २२।८; २३।७; २४।२
६।८।३९
६।१३।२३; १६।३; २२।४०; २३।७, ३१; २४।१५, १८ (एक देव गन्धर्व, आदि० ६५।४३) ॥

चित्ररेफ— ५।२०।२५

चित्रलेखा— १०।६२।१२, २० (एक अप्सरा, वन० ९।३४) ॥

चित्रसेन— ८।१३।३०
९।२।१९ (धृतराष्ट्र के ग्यारह महारथी में से एक, आदि० ६६।११६) ॥

,, (यक्ष)— १२।११।३६

चित्राङ्गद— ९।२२।२०, २१ (धृतराष्ट्र के सौ पुत्रों में से एक, शल्य० २६।१०) ॥

चिविलक— १२।१।२२

चेदि— ९।२४।२ (एक प्राचीन जनपद, आदि० ६३।१–२) ॥

चेदिप— ९।२२।६; ८।३।२३

चेदि भूभुक्— ७।१।१४

चेदिराज— ९।२४।३९

चैत्ररथ— ९।१४।२४ (भरतवंशीय महाराज कुरु के द्वारा वाहिनी के गर्भ से उत्पन्न एक राजकुमार, आदि० ९४।५०) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

चैद्य— ३।२।१९
७।१।१६, ३१, ३३; १०।४०
१०।६।११, १८; २६।१३; ३७।१६; ७४।४२, ४५, ५४; ७५।८; ७७।८; ७८।१०; ८३।८ (चेदिराज शिशुपाल, आदि० १।३१) ॥

●

(छ)

छन्दः
(सूर्यश्विगण)— ५।२१।१४
छाया— ६।३।४१
८।१३।८, ९

●

(ज)

जगन्नाथ— १०।१।२०; १६।६६; ६४।२७
जनक— ६।३।२०
६।१३।१३
१०।५७।२६; ८६।३८
१२।१२।२४ (मिथिला के एक भूतपूर्व राजा, सभा० ८।१९) ॥
जनमेजय— १।१६।२
६।२।३६; २०।२; २२।३५, ३६; २३।२
१२।६।१६ (एक राजर्षि महाराजा परीक्षित के पुत्र, आदि० १।९) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

जनार्दन— १।६।३१
३।५।३; ७।२०, ३५; १३।१३, ५०
४।२।३१; २१।४४; २६।४८; ३०।२१; ३१।१९
६।४।४२; ८।२२;
८।१३।८, ९
१०।३।८; ८।५१; १८।२०; १६।१५

जनार्दन— १०।२८।१; ४३।१६; ४५।४३, ५०; ४८।२७; ५७।१९, ३७; ६३।३०; ७१।४३; ७३।३४; ८१।३८; ८६।७

जन्हु— ६।२२।१९
जमदग्नि— ८।१३।५
६।७।२२; १५।११, १२, २३, ३१; १६।२४
१२।११।४३

जम्ब— ६।१८।१२
८।१०।२१, ३२; ११।१३, १८, १९ (एक असुर भगवान् कृष्ण द्वारा वध किया गया, सभा० ३८)॥

जय— ३।१६।२
४।१३।१२
८।१३।२२; २१।१६
६।१३।२५; १५।१, २; १६।३६; १७।१६, १७; २१।१; २४।१४, ४४ (भगवान् विष्णु का एक नाम, अनु० १४६।६७) ॥

(अर्जुन)— १०।६१।१७; ७२।४५
जयद्रथ— ६।२१।२२; २३।११ (सिन्धु नरेश वृद्धक्षत्र का पुत्र, आदि० ६७।१०९–११०) ॥
जयध्वज— ६।२३।२७, २८

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

जयंन्त— १।१४।२८
६।६।८, १८
८।१०।२१, ३१; ११।१३, १८, १६

जयत्सेन— ६।१७।१७; २२।१०; २४।३६ (मगध देश का एक राजा, आदि० ६७।४८) ॥

जरा— ६।२२।८ (एक राक्षसी, सभा० १७।४०) ॥

जरासन्ध— ८।२१।१७
६।२२।८
१०।३६।३६; ५०।२, ३०; ५२।६; ५३।१७, ५७; ५४।६; ६०।१८; ७०।१८, २३; ७१।१०; ७२।१५; ७३।३१; ७४।१; ७६।२
१२।१।१, ३७ (धृतराष्ट्र के सौ में से एक, आदि० ६७।१००

जलेयु— ६।१५।३, ४; २२।५

जलेश— ३।१८।१

ज्यामघ— ६।२३।३४; ३५

ज्योतिर्धाम— ८।१।२८

जाजलि— ४।३१।२
१२।७।२ (एक प्राचीन ऋषि, शान्ति० २६१।३३-३७)॥

जातवेद— ६।१४।४६

जातवेदा— ५।२०।१६, १७

जातूकर्ण— ६।१५।१३ (एक जितेन्द्रिय मुनि, सभा० ४।१४) ॥

जातूकर्ण्य— ६।२।२१
१२।६।५८

जामदग्न्य— ६।१६।२५

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

जाम्बवती— ३।१।३०
१०।५६।३२; ६१।१२; ७१।४१; ८३।६
जाम्बवान्— ८।२१।८ (ऋक्षराज, वन० २८०।२३) ॥
जायन्त— १०।६०।४१
जावाल— १२।६।५८
जितव्रत— ४।२४।८
जिष्णु— १।७।२१; १४।१, ६
१०।७५।५; ८६।५७ (अर्जुन का एक नाम, वन० ४७।१३) ॥
जीव (चन्द्र)— ५।२२।६
जीमूत— ६।२४।४ (एक ब्रह्मर्षि, उद्योग० १११।२३) ॥
जैत्र— १०।७१।१२
जैगीषव्य— ६।२१।२६ (ब्रह्माजी की सभा में रहकर उनकी उपासना करने वाले एक महर्षि, सभा० ११।२४) ॥
जैमिनि— १।४।२१
६।१२।३
१०।७४।८
१२।६।५३, ७५ (एक ब्रह्मर्षि, आदि० ५३।६) ॥

(त)

तक्ष— ६।११२; २४।४३
तक्षक— ५।२४।२६
६।१२।८ (एक श्रेष्ठ नाग, आदि० ३५।५) ॥
तत्त्वदर्श— ८।१३।३१

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

तनय— ६।९५।४ (एक भारतीय जनपद, भीष्म० ९।६४) ॥
तपती— ६।६।४१
८।१३।१०
९।२२।२४ (भगवान् सूर्य की कन्या और संवरण की पत्नी, आदि० ९४।४८) ॥
तपन— ५।२१।३ (एक पाञ्चाल योद्धा जिसने कर्ण का वध किया, कर्ण० ४८।१५) ॥
तपोमूर्ति— ८।१३।२८
तरुष— ८।१३।३
तर्ष— ६।६।१३
तलक— १२।१।२३
ताम्र— १०।५९।१२ (काकी, श्येनी, भासी, धृतराष्ट्र तथा शुकी—इन पाँच कन्याओं की जननी ताम्रादेवी, आदि० ६६।५६) ॥
ताम्रा— ६।६।२६, २७
ताम्रतप्त— १०।६१।१८
तामस— ५।१।२८
८।१।२७, २८; ५।२
तारक— ८।१०।२१
१२।३।११
तारका— १०।८४।१२
तारकासुर— ८।१०।२८ (एक राक्षस, कर्ण० ३३।५) ॥
तारा— ९।१४।४, ८, १०
१२।१२।२२ (वानरराज बाली की भार्या, वन० २८०।१८-२०) ॥
तार्क्ष्यपुत्र— ३।२।२४

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

तार्क्ष्य— ४।७।१६
६।६।२, २१
७।८।२५
८।२१।२६
१०।६।२३; १७।७; ३७।४; ४४।३६; ५२।१७
१२।११।४१ (कश्यप पत्नी विनता का एक पुत्र, आदि० ६५।४०) ॥
तालजंघ— ६।२३।२८ (एक महान् असुर, वन० ३०३।१७) ॥
तिग्मकेतु— ४।१३।१२
तितिक्षा— ४।१।४८, ५०
तितिक्षु— ६।२३।२, ४
तित्तिर— १२।६।६५ (एक प्रकार का पक्षी, उद्योग० ६।४१) ॥
तिमि— ६।६।२६
६।२२।४२, ४३ (एक जलतन्तु, सभा० ३८।२६) ॥
तिलोत्तमा— १२।११।४३ (एक अप्सरा, आदि० ६५।४६) ॥
तीर्थपद— ६।१३।२२
तुम्बुरु— ५।२५।८
७।४।१४
६।२४।२०
१०।२७।२४
१२।१२।३३ (एक देव गन्धर्व, आदि० ६५।५१) ॥
तुरगमेधवाट्— ६।२२।३७
तुराषाट्— ८।११।२६
तुर्वसु— ६।१८।३३, ४१; १६।२२; २३।१६
तुलसी— ३।१५।१८; १६।२०; २२।४३;
१०।२६।३७; ३०।७

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

तुष्टि— ४।१।४८, ४६
तुष्टिमान्— ६।२४।२४
तुषित— ४।१।८
८।१।२०, २१
तूर— ६।२२।३७
तृणबिन्दु— ६।२।३०, ३६
१२।३।१०
तृणावर्त— १०।२।१; ७।२०, २३, २६; २६।६; ४६।२६
१२।१२।२६
तोष— ४।१।७
तोशलक— १०।३६।२१; ४२।३७; ४४।२७, २८
त्रय्यारुणि— ६।२१।१६
१२।७।५
त्रयी— ६।१८।१
त्रसद्दस्यु— ६।६।३३; ७।४
त्र्यक्ष— ४।७।२२
५।१०।१७
त्र्यम्बक
(वीरभद्र)— ४।५।२३
त्रिगर्त— १।१५।१६
त्रित— १०।१४।७; ८४।५ (गौतम के तीन पुत्रों में से एक, शल्य० ३६।७-९) ॥
त्रिदशेन्द्र— १०।५९।३८
त्रिबन्धन— ६।७।४
त्रिनेत्र— १०।१४।१६
त्रिभानु— ६।२३।१७

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

त्रियुग— ३।२४।२६
५।१८।३५
७।६।३८
त्रिनयन(विष्णु)—६।६।३६
१०।१।१६
त्रिपुर— ८।७।३२
१०।७६।१२
त्रिपुराधिप— ८।१०।२२
त्रिविक्रम— ६।८।१३; ६।३६
त्रिपुरहा— ४।१७।१३
त्रिपुरारि— ५।२४।२२
त्रिलोचन— ४।२४।२५
त्रिशंकु— ६।७।५ (एक राजा, आदि० ७१।३४) ॥
त्रिशिव— ६।१०।६
त्रिशिख— ८।१।२८
त्वष्टा— ३।६।१५
४।१५।१७
५।१५।१५
६।६।३६, ४४; ६।६।११।१७, ५ (बारह आदित्यों में से एक, शान्ति० २०८।१६) ॥
,, (देवता)— ६।१४।२७; १७।३८
८।१०।२६; ११।३५
सूर्य— १२।११।४३
त्वाष्ट्र— ३।१६।२५
६।७।२५, २६; ८।३; ६।४३; १३।२०

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

(द)

दक्ष— ३।१२।२२, २४, ५६; १४।१३; २१।५
४।१।११, ४६; २।१, ७, १७, १६, २०, २३; ३।२, २४; ४।२४, ३१; ५।४, १२, २२; ६।४४; ७।६, १०, २५, ३३, ४८, ४६; २६।४२; ३०।४६, ५०
५।५।२२; १५।१०
६।५।२४, ३०; ६।२, ४३
८।६।१५; २३।२०
६।४।५४; २३।३
१२।८।१२; १२।१४ (ब्रह्माजी के दाहिने अँगूठे से

दक्ष सावर्णि— ८।१३।१८

दक्षिणा— ४।१।४, ५

दत्त— ४।१।१५, ३२; १६।६
६।८।१६; १५।१४

दत्तात्रेय— ६।२३।२४ (भगवान् विष्णु के अवतार, सभा० ३८।२६)॥

दधीचि— ४।१।४१
६।११।२०
८।२०।७ (महर्षि भृगु के पुत्र, वन० १००।२१) ॥

दध्यङ्— ६।६।५०, ५१, ५२; १०।११

दनु— ६।६।२५, २६ (दक्ष प्रजापति की पुत्री,

दन्तवक्त्र— ३।३।१७
७।१।१८,३३ (एक क्षत्रिय राजा, आदि० ६७।६२) ॥

,, ऋषि— ६।२४।३७

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

दन्तवक्र— १०।३७।१९; ५३।१७; ६०।१८; ७७।३७; ७८।१३
१२।१२।४०

दण्डका— ६।६।४

दम्भ— ६।२।२६

दर्प— ४।१।५०

दर्भक— १२।१।५

दर्श— ६।१८।३

दण्डपाणि(यम)–५।६।७

दमघोष— ७।१।१८; १०।४१
६।२४।३६
१०।५२।४०; ५३।१४; ८२।२५; ६१।१४

दमयन्ती— ६।६।१८ (विदर्भ नरेश भीम की पुत्री, वन० ५३।६)॥

दया— ४।१।४८, ४

दशकन्धर— ५।२४।२७

दशग्रीव— ७।१०।३६ (राक्षसराज दशमुख रावण,
वन० २७५।७-१०) ॥

दशरथ— ६।६।४२; १०।१; २३।७, १० (इक्ष्वाकुवंशीय महा-
राजा अज के पुत्र, वन० २७४।६) ॥

(नवरथपुत्र)— ६।२४।४

दशानन— ६।१५।२१

दशार्ह— ६।२४।३, ३६ (यदुकुल में उत्पन्न एक श्रेष्ठ क्षत्रिय,
सभा० ३८) ॥

दाक्षायणी— ३।१४।८
४।४।२३
७।१५।८०
६।१।१० (दक्ष की कन्या, शान्ति० १७०।२) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

दामोदर— ६।८।२२
१०।१०।२७; २।१६; २२।५४; ३६।३१; ५६।६

दारुक— १०।५३।४; ७१।१२; ७७।६, ११ (भगवान् श्रीकृष्ण का एक सारथि, सभा० २।१६) ॥

दाशार्ह— १०।११।१७; १३।३८; २७।२३; ३४।१८) ॥

दिति— ३।१४।८, ३३, ५१; १५।१; १०; १६।३५; १७।२; १६।६
४।१८।१६
६।६।२५; १८।११, १६, २३, ३१, ५५, ५६, ६१, ६५, ६६, ६८, १६।२६
७।१।४०; २।१६, ६१; ३।२०; ८।५२; १०।३५
८।१०।३; २१।१५
६।२४।३७
१२।१२।१८ (दक्ष प्रजापति की पुत्री, आदि० ६५।१२)॥

दितिज— ७।८।४८, ५५

दिलीप— २।७।४४
६।६।२ (सगर के प्रपौत्र, वन० १०७।६६-६६) ॥

,, (ऋक्षपुत्र)—६।७।२७, २२

दिवस्पति— ८।१३।३१, ३२

दिवाकर— ६।१२।१० (भगवान् सूर्य का एक नाम, वन० ११८।१२) ॥

दिविरथ— ६।२३।६ (सम्राट भरत के पौत्र एवं भुमन्यु के पुत्र, आदि० ६४।२४) ॥

दिवोदास— ६।१७।५; २१।३४; २२।१ (ये काशी जनपद के राजा तथा सुदेव अथवा भीमसेन के पुत्र थे, उद्योग० ११७।१–७) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

दिव्य— ६।२४।६
दिष्ट— ६।१।१२; २।२२, २३
दिष्ठ— ८।१३।२
द्विज— १०।८४।५
द्विजदेव— ५।२।१६; ३।१६
द्विजदेव देव
(कृष्ण)— ५।५।२२
द्विमीढ— ६।२१।२१, २७
द्विमूर्ध— ७।२।४
द्विमूर्धा— ६।६।३०; १०।१६
८।१०।२०
द्विविद— ३।३।१७
१०।२।१; ३६।३६; ६७।१७, २८
१२।१२।४०
दीर्घतम— ६।१७।४
दीर्घतमा— ६।२३।५ (स्कन्द की अनुचरी मातृ का, शल्य० ४२।४६) ॥
दीर्घबाहु— ६।१०।१ (धृतराष्ट्र के सौ पुत्रों में से एक, आदि० ६७।१०५) ॥
दीप्तकेतु— ८।१३।१८ (एक प्राचीन नरेश, आदि० १।२३७) ॥
दीप्तमान्— ८।१०।२१
१०।६१।१८; ६०।३३
दुन्दुभि— ६।२४।२०
दुर्गा— १०।२।११; १६।१७ (त्रिभुवन की अधीश्वरी दुर्गा, विराट० ६ अध्याय) ॥
दुर्जय— ६।६।३१

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

दुर्द्दमन— ६।२२।४३

दुर्म्मद— ६।२३।१५, २३; २४।४६, ४७ (धृतराष्ट्र के सौ पुत्रों में से एक, आदि० ६७।६४) ॥

दुर्म्मर्ष— ८।१०।३३, ४३

दुर्मर्षण— ६।२४।४२ (धृतराष्ट्र के एक महारथी का पुत्र, आदि० ६३।११६) ॥

दुर्मुख— ६।१०।१८ (धृतराष्ट्र के सौ पुत्रों में से एक, आदि० ६७।६३) ॥

दुर्मित्र— १२।१।३२

दुर्योधन— ३।१।३६

६।२२।३६

१०।४६।२; ५८।२७, ३०; ६८।१७, २०; ७४।५३; ७५।२, ३१, ३६; ७६।२३; ८३।२३; ८६।३ (धृतराष्ट्र और गान्धारी के सौ पुत्रों में एक, आदि० ६३।१०८–१२०) ॥

दुर्व— ६।२२।४७

दुर्वासा— ४।११५, ३२

६।१५।१३

८।५।१६

६।४।३५, ४२, ४६, ५५, ६०; ५।१, १३, २२, २४, ३२ (कठोर व्रत का पालन करने वाले तथा धर्म के विषय में अपने निश्चय को सदा गुप्त रखने वाले मुनि, आदि० ११०।४–५) ॥

दुरुक्ति— ४।८।३, ४

दुरितक्षय— ६।२१।१६

दुःशला— ६।२२।२६

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

दुःशासन— ३।३।१३ (धृतराष्ट्र का एक महारथी पुत्र, आदि० ६३।११९) ॥

दुष्यन्त— ६।२०।७, ८, २१; २३।१८
१२।१२।२६ (पुरुवंश के एक प्रसिद्ध राजा, आदि० ६८।३) ॥

द्रुपद— ३।१५।७
६।२२।२
१०।८।२४

द्रुपदजा— १०।७५।५

द्रुह्य— ६।१८।३३, ४१; १९।२२; २३।१४

देवऋषि— ६।१६।१
६।२२।३, २८

देवक— ३।१।३३
६।२२।३०; २४।२१
१०।१।३२; ३६।३४

देवकी— ३।२।२५
६।२४।२३, ४५, ५३
१०।१।८, २९, ५६, ६२, ६५, ६६; २।४, ५, ८, ९, १५, २९; ३।८, २३, ५२; ४।२, १४, २४, २५, २८; ५।२९; ६।३९; ८।७, ८, ९; २१।१०; २२।२१, २९; २३।२; ३३।६; ३५।२३; ३६।१७; ३९।३, २५; ४१।३७; ४३।२४; ५५।३५, ३८; ५६।३४; ५७।२१; ८२।३९; ८५।२७, ४९, ५६, ५७ (उग्रसेन के भाई देवकी की पुत्री, सभा० २२।३६) ॥

देवकुल्या— ४।१।१४
५।१५।६

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

देवगुह्य—	८।१३।१७
देवज—	६।२।३४
देवताजित—	५।१५।२
देवदत्त—	५।१४।२४ (अर्जुन का दिव्य शङ्ख, सभा० ३।८) ॥
,, सर्प—	५।२४।३१
देवदत्त—	६।२।२०
,, (अश्व)—	१२।२।१६
देवदीधित—	५।२।२३
दैवदेव—	६।४।१०
देवद्युम्न—	५।१५।३
देवनाम—	५।२०।१४
देवभूति—	१२।१।१६, १८
देवप्रस्थ—	१०।२२।३१
देवभोग—	६।२४।२८, ४०
देवमित्र—	१२।६।५६
देवमीढ—	६।२४।२७
देवयानी—	५।१।३४ ६।१८।७, १०, २८, २६, ३३, ३४, ४७ ६।१६।२६ (शुक्राचार्य की प्यारी पुत्री, आदि० ७६।१५) ॥
देवरक्षिता—	६।२४।२३, ५२
देवरात—	६।१३।१४; १६।३०, ३२, ३६; २४।५ (युधिष्ठिर की सभा में विराजमान होने वाले एक राजा, सभा० ४।२६) ॥
देवर्षभ—	६।६।५

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

देवर्षि— ६।५।५, १०
१०।१०।३२; ७।१।१, १७
देवर्षिवर्य— ६।८।१७
देवल— १।१९।१०
६।६।२०; १४।९; १५।१२
८।४।३
९।४।५७
१०।८४।३ (एक सुप्रसिद्ध ऋषि, आदि० ६६।२६) ॥
देववान्— ८।१३।२७
९।२४।२२
देववर्धन— ९।२४।२२
देवव्रत— २।७।४४
१०।१।५ (गङ्गा के गर्भ से शान्तनु द्वारा उत्पन्न;
देवसम्भूति— ८।५।९
देवसावर्णिमनु—८।१३।३०
देवश्रवा— ९।२४।२८, ४१
देवहूति— २।७।३
३।१२।२७, ५५; २१।३, ३२; २२।२१; २३।४८;
२४।५; २५।६; ३३।१, ३६
४।१।१, १०
८।१।५
१२।१२।१३
देवदत्त— ९।२४।५
देवहोत्र— ८।१३।३२
देवातिथि— ९।२२।११
देवानीक— ९।१२।२

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

देवापि— ९।२२।१२, १७
१२।२।३७
देवावध— ९।२४।६, ९, १०
दोष— ६।६।११, १४
दोषा— ४।१३।१३, १४
दौष्मन्ती— ९।२०।२६, २७
द्रोण— १।७।४५ (गङ्गाद्वार निवासी महर्षि भारद्वाज के पुत्र, आदि० ६७।६९) ॥
,, (वसु)— ६।६।११
९।१८।६५
द्रोण— ८।१३।१५
१०।८।४८, ५०; ५७।२; ६८।१७, २८; ७४।१०; ८२।२३
द्रौण— ३।३।१४
१०।८४।५७
द्रौणि— १।७।१४; ८।११
३।३।१७
द्रौणी— ९।२२।३४
१०।१।१६
द्रौपदी— १।७।५२; १०।९; १३।४; १५।५०
३।१।७
९।२२।३, २८ (महाराज द्रुपद की सती साध्वी पुत्री कृष्णा, आदि० ६७।१५७) ॥
द्युतिमत— ८।१३।१९
द्युमत— ८।१।१९
द्युमत्सेन— ९।२२।४८ (एक प्राचीन नरेश, आदि० १३८।५) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust „ Delhi and eGangotri Funding : IKS

द्युमन्— ६।१७।५
द्युमान्— ४।१।४०; १३।१६
१०।७६।२६; ७७।१२
द्वैपायन— १।२।२; ८।७; १६।१०
२।१।८
३।७।१; २०।३
६।८।१६; १४।६
८।५।१४
१०।७४।७; ८४।३ (महर्षि पाराशर के द्वारा सत्यवती के गर्भ से उत्पन्न मुनिवर वेदव्यास, आदि० ६३।८६) ॥
द्वैपायनी— १०।७६।२०

●

(ध)

धनक— ६।२३।२३
धनद— ४।११।३३ (कुबेर की सभा का एक यक्ष, सभा० १०।१५) ॥
धनञ्जय— १।१।५०; ६।३, १५, ३३ (एक प्रमुख नाग, आदि० ३५।५ ॥ अर्जुन का एक नाम, विराट्० ४४।१३) ॥
„ (सर्प)— ५।२४।३१
धन्वन्तरि— २।७।२१
६।८।१८
८।८।३४
धन्वन्तरी— ६।१७।४

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

धनेश्वर— ४।१२।१

धमनि— ६।१८।१५

धरणी— ४।१७।१४

धरा— १०।८।४८, ५०

धरित्री— ४।२२।५७

धर्म— ३।३।१८

४।१।४७, ४८; ६।२१; १५।१५ (सम्पूर्ण लोकों को सुख देने वाले एक देवता, आदि० ६६।३१) ॥

(लोक)— ५।२३।१, ५

६।१।४२; ६।२, ४; ७।३०

धर्म— ७।१।१६

८।१।२५

६।४।५१; २२।२७; २३।१५, २२; २४।५३

धर्मकेतु— ६।१७।८

धर्मध्वज— ६।१३।१६

धर्मपाल(यम)—६।१।३६

धर्मपुत्र— ३।१।१३

६।२२।४८

धर्मबद्ध— ६।२४।१६

धर्मरत— ६।२३।७

धर्मराज(यम)—४।२२।४८

५।२६।३६

६।१।३२, ३८; ३।१

१०।५८।२३

धर्मसावर्णि— ८।१३।२४

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

धर्मसेतु— ८।१३।२६
धर्मेयु— ६।२०।४
ध्वनि— ६।६।१२
धातक— ५।२०।३१
धाता— ४।१।४२
५।२३।५
६।६।३६; १८।३
७।३।७
६।१४।२; २०।२२ (बारह आदित्यों में से एक,
आदि० ६५।१५ ॥
ब्रह्माजी के पुत्र, आदि० ६६।५०) ॥

,, (सूर्य)— १२।११।३३
धाता(ब्रह्मा)- १२।१२।३६
धारा
(अग्नि पत्नी)—६।६।१३
धारिणी— ४।१।६३
धिषणा— ६।६।२० (एक देवी, शल्य० ४५।१४) ॥
धीः (रुद्राणी)—३।१२।१३
धुन्धु— ६।६।२२, २३ (एक राक्षस का नाम,
वन० २०२।१८ ॥ मधु कैटभ का पुत्र था)।।
धुन्धुमान्द— ६।२।३०
धुन्धुमार— ६।६।२३ (सूर्यवंशी महाराज बृहदश्व के पुत्र
कुवलाश्व, द्रोण० ६४।४२) ॥
धुन्धुहा— १२।३।६

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

ध्रुव— २।७।४३
४।८।८, ९, १०; ६।४८, ५३, ५८, ६६; १०।१, ४, २९; ११।१, ३५; १२।१, ५, ८, १९, ३२, ३८, ४४, ४८, ५२; १३।१, ६; २१।२८, ३१ अति०
५।२३।१, ५
,, (वसु)— ६।६।११, १२
ध्रुव— ८।४।२३
९।२०।६; २४।४६
१२।१२।१४
ध्रुवसन्धि— ९।१२।५
धूमकेतु— ६।६।२०
धूमकेश— ४।२२।५३; २४।२
धूमकेतु— ५।७।२
धूमकेतु— ९।२।३३
धूमकेश— ६।६।३१
धूम्राक्ष— ९।२।३४; १०।१८ (एक राक्षस, हनुमान ने वध किया था, वन० २८६।१४) ॥
धूम्रानीक— ५।२०।२५
धूर्जटि— ४।५।२
१०।७९।१९
धेनुक— १०।२।१; १५।२२, ३६, ४०; ४३।२५; ४६।६ (एक भयंकर दैत्य, सभा० ३८।२९) ॥
,, (असुर)—१२।१२।३०
धेनुमती— ५।१५।१३
धृत— ४।१३।१६
९।१३।२६

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

धृतदेवा— ९।२३।१५; २४।२२, ५०

धृतव्रत(रुद्र)— ३।१२।१२
९।२३।१२

धृतराष्ट्र— १।८।३; १०।६; १३।३ (विचित्र वीर्य के क्षेत्रज्ञ पुत्र,

(सर्प) ५।२४।३१
९।२२।२५, २६
१०।४९।३१; ६८।१६; ७४।१०; ८४।२७, ५१

धृतराष्ट्र
(गन्धर्व)— १२।११।४३

धृति— ३।१२।१३
९।२३।१२

धृष्ट— ८।१३।२
९।२।१२; २।१७

धृष्टकेतु— ९।१३।१५; १७।६; २२।६; २४।३८
१०।८२।२४ (चेदिराज शिशुपाल का पुत्र,
आदि० ६३।७) ॥

धृष्टद्युम्न— ९।२२।२ (पाञ्चाल राज द्रुपद के अग्नि तुल्य
तेजस्वी पुत्र, आदि० ६३।१०८) ॥

धृष्टि— ७।१।१८
९।२४।७, २४

धौम्य— १।९।६; १०।१०
६।१५।१४
१०।७४।९ (उत्कोचक्र तीर्थ में तपस्या करने वाले एक
महर्षि, आदि० १८२।२) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

(न)

नकुल— ६।२२।२८, ३२ (पाण्डु के क्षेत्रज्ञ पुत्र,आदि० १।११४ ॥ युधिष्ठिर को अश्वमेध यज्ञ को तुच्छ बताने वाला एक नेवला, आश्व० ९० अध्याय) ॥

नभग— ६।१।१२; ४।१

नभ— ६।१२।१

नभस्वान— १०।५६।१२

नन्द— १।१४।३२
२।७।३१
३।२।२६
४।७।२५; १२।२२; १६।५
६।४।३९
८।२१।१६
१०।१।६२
२।९
३।४७, ४१, ४३
५।१, ११, १३, १५, १७, १८, १९, २०, ३२
६।१, ३१, ४३
७।५, ८, १५, २५, ३०, ३३
८।१, १९, २०, ४६, ५०
९।१, ११।१६, २१, ५८
१४।३२, ४८
१६।१३, २२
१७।१५, १७, १८
२१।११, २२।१, ४, ५, १४

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

नन्द— १०।२४।२, १२, ३१
२५।१, ७, ८, ३०
२६।१३, २२, २४
२८।१, १०, १७
३४।४, ५
३६।१७, २२, ३०, ३१
३८।१, ४१, ४३
३९।१०, १२, ३३, ५३
४१।८; ४३।२४; ४४।३२
४५।२०, २४, २५
४६।७, १४, २७, ४४, ४७
४७।५०, ५५, ६३, ६४
६५।१, ६३।३, ८२।३२
८४।५९, ६६, ६९
८९।५६ (धृतराष्ट्र का पुत्र, आदि० ६७।९६) ॥

नन्द(पार्षद)—११।२७।२८
१२।१।८, ११; २।२६, ३२; ११।२०; १२।३१

नन्दसूनु— १०।३०।५, २५, २७
३५।४, २०
३९।२२
४३।३२

नन्दिवर्द्धन–१०।१३।१४ (सात्यकि के शङ्ख का नाम, शल्य० ६१।७१)॥

नर— १।२।४
४।१।५१
६।८।१६
८।१।२७
९।२।२९, २१।१ (एक भगवत्स्वरूप देवता,
आदि० १ प्रथम श्लोक मङ्गलाचरण) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

नरक— १०।३६।३६
३७।१६
५६।१४,१६, २१
६१।२
६६।१
७३।२७
नरनारायण— ५।४।५; १६।६, ११
१०।५२।४, ८६।६०
१२।८।३५; ६।३०
नरमित्र— ६।२२।३२
नररथ— ६।२४।४
नरसत्र— १०।६६।१६
नरान्तक— ६।१०।१८
नरिष्यन्त— ६।१।१२
६।२।१६,२२(वैवस्वत मनु के पुत्र,आदि० ७५।१५) ॥
नर्तकी— १०।७५।१०
८३।३०
८४।४६
नर्मदा— ६।७।२ (नर्मदा ने किसी समय मान्धाता के पुत्र पुरुकुत्स को अपना पति बनाया था, आश्रम० २०।१२।१३) ॥
नल— ६।६।१७
२३।२० (एक प्राचीन ऋषि, सभा० ७।१७) ॥
नलकूबर— १०।६।२३
१०।१०।२३(धनाध्यक्ष कुबेर का पुत्र,सभा० १०।१६)॥
नलिनी— ६।२१।३० (गङ्गा की सात धाराओं में से एक धारा, भीष्म० ६।४८) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

नहुष— ६।१७।१; १८।१
१०।७३।२०
न्यग्रोध— ६।२४।२४
१०।४४।४०; ६०।३०
नाकुलि— ६।२२।२६
नाभ— ६।६।१६
नाभाग— ६।२।२३; ४।१; १३; ७१
नारद— १।४।३२, ३३; ६।३८; ७।१; ६।६, १६; १३।३८,
४०, ६०; १६।१०
२।४।२५; ६।६; ८।१; ६।४०, ४८
३।१२।२२, २३, २४; १८।१; २२।१०; २४।२०;
४।५।१; ६।३७
५।१।२५, ३६; ६।३२; १२।४०; १३।३, ४; १६।६;
२५।३; २६।८०; ३१।३, ८, २५, २७
५।१।६, ६, २१, ३३, ३८; ४।११; १६।१०; २५।८
६।३।२०; ४।३६; ५।२३, २६, ३२, ३४, ३५, ४४;
१४।६, ३१; १५।१२, १७; १६।१७, २६, २७,५०;
१७।१२, ३२
७।१।५, २२; ६।२७, २८
८।४।२०; ११।१६, ४३, ४६
६।४।५७; ७।८
१०।१।६४; २।२५; ६।२३; १०।१५; २७।२४; ३६।१६
१६; ३६।६, १४; ५०।४३; ५१।५; ५५।६, ३६;
६३।२; ६८।१३; ६६।१, १७, १६, ३७; ८४।३,
५७; ८६।१८; ८७।४, ५; ८८।१४
११।१।१२; २।१; १६।१४; २७।२ (देवर्षि ब्रह्माजी के मानस पुत्र, आदि० ७५।१७) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

नारायण— १।२।४; ९।१८
२।१।६; ६।३१; ७।६; १०।११
३।४।२२; ५।९; १२।२५; १८।२१; ३१।३७
४।६।३; ११।१; १३।२०; २४।३२; ३०।३६
५।११।१३; १४।४५; १७।१४; १९।२१; २२।३;
२३।७; २४।२७; २६।३८
६।१।१७, १८, ४०; २।८, ३४; ३।१०, २४, ३०;
५।२८; ६।३८; ८।२, ३, ५, ६, १६, २०, ३५;
९।३२; १३।७; १४।१, ५; १७।२८
७।१।३; ६।२७; ७।३५; ११।४, ५; १३।३, २२
८।३।३२; १०।४; ११।४४; १६।३४; २२।१७;
२३।१३; २४।२७
९।९।४९; १४।४८; १५।१७; १८।५०; २१।१८
१०।६।२४; ८।१९; १४।१३, १४; १६।३० २६।२२,
२३; ४०।१; ४१।१६; ४३।२३; ४६।३०, ३३;
५१।४४; ५६।६; ५८।३८; ६३।२३; ६४।२७;
६९।१६, ४४; ७५।२३; ८५।५५; ८७।४८; ८८।२६
११।२।१३, १७, २६, ३६; ३।३३, ३४; ४।३, ६,१६;
५।३०, ३८; ७।१८; ९।१६ (भगवान् विष्णु तथा
उनके अवतार भूत धर्मपुत्र नारायण,
शान्ति० ३३४।९–१२) ॥
१२।१।१९; ४।३९; ८।६, ३२; १२।३, ५६
(अजामिलपुत्र)–६।१।२४, २७, २९; २।८; ३।२४
नारायण(ऋषि)–४।१।५१
१०।८६।३५; ८७।४
१२।४।४१; ८।४७

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

नारायणी— १०।२।१२
नासत्य— ६।३।११ (अश्विनी कुमारों में से एक का नाम,
नासत्यदस्र— ६।२२।२८
नाहुष— ६।१८।५, ३०; १६।२१
नाग्नजिति— १०।६१।१३; ७१।४२
निकुम्भ— ६।६।२४, २५; १०।१८ (प्रह्लादजी का तृतीय पुत्र, आदि० ६५।१६) ॥
निकेतन— ६।१७।८
निमि— ६।६।४; १३।१, ३, ४, ५, ६, ८, १२; २२।४४; २४।६५ (एक प्राचीन राजा, आदि० १।२३४ विदेह देश के अधिपति) ॥
निरमित्र— ६।२२।४६ (नकुल का पुत्र, इनकी माता करेणुमती, आदि० ६५।७६) ॥
निर्वृति— ६।२४।३
निषध— ६।१२।१; २२।५
निम्न— ६।२४।१२, १३
निम्लोचि— ६।२४।१७
नीप— ६।२१।२४, २६ (एक क्षत्रिय वंश राजा, उद्योग० ७४।१३) ॥
नील— ६।१०।१६, १६, २१, ३० (कश्यप और कद्रू से उत्पन्न हुआ प्रमुख नाग, आदि० ३५।७) ॥
नृग— ६।१।१२; २।१७
१०।६४।१०, १७, ४३ (एक प्रसिद्ध एवं प्राचीन दानी राजा, सभा० ८।८) ॥
नृसिंह— १०।५२।३८ (भगवान् विष्णु के अवतार, सभा० ३८।२६) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

नृचक्षु— ९।२२।४१
नृपञ्जय— ९।२२।४२
नेमिचक्र— ९।२२।३९
नेत्र— ९।२३।२२

(प)

पङ्कजनाभ— ४।२४।३४
१०।५९।२६
पञ्चजन(दैत्य)–३।३।२ (पञ्चजन नाम से प्रसिद्ध पाँच असुर, सभा० ३८।२९) ॥
,, प्रजापति— ६।४।१५
१०।४५।४०
१२।१२।४०
पञ्चयाम— ६।६।१६
पञ्चजनी— ५।७।१
पञ्चशिख— ६।१५।१४
पतंग— १०।८५।५१
पतञ्जली— ६।१५।१४
पतगेन्द्र— ६।८।१२
पतंगी— ६।६।२१
पतत्रिराज— ५।२०।८
पतत्रिराट्— ८।२१।१६
पद्मकरा— ४।२०।२७
पद्मज— ७।१०।५०; १५।७७
८।१६।२४
१०।३१।१३

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

पद्मनाभ— ६।१८।२७ (धृतराष्ट्र के सौ पुत्रों में से एक, आदि० ६७।९३) ।।
पद्मपलाशलोचन—४।८।२३
पद्मभव— ८।२१।३
पद्मयोनि— ६।१७।१२
पद्मसंभव— ७।१०।३०
परिमर्दन(इन्द्र)—८।११।१२
परमहंस(सूर्य)— ४।२४।३६
परमात्मा— १०।८५।३९, ५८; ८८।४०
परमेष्ठी— २।३।६
५।१५।३
५।३।९; १०।३१, ३२; ११।३
१०।१३।६१; ३५।१५; ८६।५६, ५७
११।१३।४२
परशुराम— १२।१२।२५
पराशर— १।३।२१; ४।१४; १६।९
२।७।४५
३।८।८
१०।७४।८
१२।६।४९, ५५ (धृतराष्ट्र के वंश में उत्पन्न एक नाग, आदि० ५७।१६) ।।
परायु(ब्रह्मा)— ८।१२।१०
परावसु— ८।११।४१
पशुपति(शिव)— ४।७।३३
१०।३४।२; ७६।४
(वीरभद्र)— ४।५।२३, २४

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

परीक्षित— १।३।४१; ७।१२; १६।१, ११, ३७; १७।३४; १८।६, १६, १७; १६।२२
२।८।२६
३।१।५
६।१४।८
८।१।३३
१२।६।१; १२।५, ६, ५७; १३।१६ (कुरुकुमार अविक्षित् के प्रथम पुत्र, आदि० ६४।५२-५४) ॥

पर्जन्य— ४।१४।२६ (एक देव गन्धर्व, आदि० ६५।४४) ॥

(सूर्य)— १२।११।४०

पवन— ६।३।१४
८।१।२३

पवमान— ४।१।५६; २४।४

पवित्र— ८।१३।३४

पाक— ७।२।४
८।११।१६, २२ (एक असुर, शान्ति० ६८।५०) ॥

पाकशासन— ८।११।२

पाञ्चजन्य— ६।५।१, २४

पाञ्चाली— १।७।५४ (राजा द्रुपद की पुत्री, आदि० १६६।४४)॥

पाटचर— ७।६।४१

पाण्डु— १।४।१०; ८।४१; १२।१२; १५।५१; १६।१७
३।१।४०
७।१।१५
८।७।६; १०।१५
१०।४६।१७ (विचित्र वीर्य के क्षेत्रज्ञ पुत्र, आदि० ६३।११३) ॥

पाण्डव— ७।१।३३ (पाण्डु के पुत्र, आदि० १२३।१६-२२) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

पारष्वङ्ग— १०।८५।५१
पारा— ८।१३।१६ (कौशिकी नदी का नामान्तर, आदि० ७१।३२) ॥
पार्थ— १।७।३५, ४०; १०।१२, १६; १५।१८; १७।१३
२।७।३५
३।११।२०, ३६; २।२०
७।१५।६४, ७६
१०।५८।२; ८३।२४; ८६।६२ (कुन्ती के पुत्रों का नाम, आदि० १।११४) ॥
पालक— १२।१।२
पावक— ४।१।५६; २४।४ (भरत नामक अग्नि के पुत्र, वन० २१६।८) ॥
पावन— १०।६१।१६ (एक विश्वेदेव, अनु० ६१।३०) ॥
पिङ्गला— ११।७।३४; ८।२२, ३०, ४४
पितामह
(ब्रह्मा)— ११।३१।५
पिप्पल— ६।१८।६
पिप्पलाद— २।७।४५ (एक प्राचीन ऋषि, शान्ति० ४७।६) ॥
पिप्पलायन— ५।४।११
११।२।२१; ३।३५
पिप्पलायनि—१२।७।२
पीठ— १२।१२।४० (एक असुर, सभा० ३८) ॥
पुण्डरीकाक्ष
(पुण्य श्लोक)—७।१०।६
११।२२।२७; २६।२ (भगवान् श्रीकृष्ण का एक नाम, उद्योग० ७०।६) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

पुंजिकस्थली
(अप्सरा)— १२।८।२६; ११।३४
पुरंजय
(रिपुंजय)— १०।६४।२७
१२।१।११
पुरंजय
(विश्वस्फूर्ति)–१२।१।३४
पुरंजन— ४।२५।१६, ६२; २७।१०, ३०; २८।१, ६५; २६।२, १८, २६; ३०।३
पुरन्दर(इन्द्र)—४।१६।२४
८।१३।४, १७
१०।७७।३६
„ (इन्द्र)— १२।८।१५ (देवराज इन्द्र का एक नाम, वन० २२१।३)
पुरद्विट्— ४।६।८
पुरीमान— १२।१।२४
पुरीषभीरु— १२।१।२३
पुरीष्य— ६।१८।४
पुरु— ४।१३।१६
८।५।७
पुरुष— ८।५।७
पुरुखा— १२।३६
पुरुजित्— १०।६१।११; ८२।२४ (एक क्षत्रिय नरेश, सभा० १४।१६-१७) ॥
पुरुषोत्तम— ३।६।१६; २६।६; २६।१२
१०।५८।१; ६४।२७; ८८।३८
„ (श्रीहरि) १२।४।४० (भगवान् श्रीकृष्ण का एक नाम, उद्योग० ७०।११-१२) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

पुरुहूत(इन्द्र)— ६।१२।५
पुरोजव
(वर्षपति)— ५।२०।२५
६।६।१२
पुलस्त्य— ३।८।९, १२, २२, २४; २४।२२
४।१।३५; २९।४३
५।८।३०
१०।८४।४
१२।११।३३ (ये ब्रह्माजी के मानस पुत्र हैं, आदि० ६५।१०) ॥
पुलह— ३।१२।२२, २४; २४।२३
४।१।३७; २९।४३
५।७।८, १७; ८।३०
१०।७९।१०
१२।११।३४ (ये ब्रह्माजी के मानस पुत्र, आदि० ६५।१०) ॥
पुलिन्द— १२।१।१५ (किरातों का एक राजा था, सभा० ४।२४) ॥
पुलोमा(हनुपुत्र)–६।६।३१; १०।२०, ३१ (भृगु ऋषि की पत्नी, आदि० ५।१३) ॥
पुलोमा(कन्या)– ६।६।३३, ३४
७।२।५
८।१०।३१ (दैत्य कुल की एक कन्या, वन० १७३।७-१२) ॥
पुष्करनाम— ४।६।४८; १२।२२ (वरुणदेव के प्रिय पुत्र, उद्योग० ९८।१२) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

पुष्करचूड़
(हस्ती)— ५।२०।३९
पुष्करिणी— ४।१३।१४, १७ (सम्राट् भरत की पुत्र वधू, आदि० ९४।२३।२५) ॥
पुष्करेक्षण
(कृष्ण)— १०।३१।८
पुष्टि— ४।१।४८, ४९
१०।८९।५६ (ये दक्ष प्रजापति की कन्या और धर्म की पत्नी थी, आदि० ६६।१४) ॥
पुष्पदन्त— ८।२१।१७
पुष्यमित्र— १२।१।१५, ३२
पुष्पार्ण— ४।१३।१२, १३
पूतना— १०।२।१; ६।२, ४, २८, ३१, ३५, ४२, ४४; १४।३५; ३०।१५; ४३।२५
१२।१२।२८ (एक राक्षसी, सभा० ३८।२९) ॥
पूर्णिमा— ४।१।१३, १४
पूर्णमास— ६।१८।३
१०।६१।१४
पूर्वचित्ति— ५।२।३, २०
११।१६।३३
१२।११।४२ (एक श्रेष्ठ अप्सरा, आदि० ७४।६८) ॥
पूषणा— ४।५।१७ (स्कन्द की अनुचरी मातृका, शल्य० ४६।२०) ॥
पूषा— ६।६।३९, ८३ (बारह आदित्यों में से एक, आदि० ६५।१५) ॥
पूषादेव— ४।५।२१; ६।५१; ७।४, ५

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

पृथा— १।८।३, १७, ४४; ६।१३; १३।३; १५।३३
३।११३९, ४०
१०।४६।११, ६, ७; ५८।७; ७१।३८; ८२।१७; ८४।१,
५७ (शूरसेन की पुत्री, आदि० ६७।१२९) ॥

पृथु— १।३।१४
३।१।२२
४।१३।२०; १५।४, ५, ६, २१; १६।३, ७, १०, १४,
२६; १७।१, ३, ७, ९, १२, १५, १७; १८।१,
२६, ३२; १९।१, २, १०, ११, २६, ३२, ३७,
४०; २०।१९, ३४; २१।९; २२।१, ३, १७, ४८,
४९, ५४; २३।२३, ३०, ३१, ३६, ३९

पृथुसेन— ५।१५।६

पृथु— ८।१।२७
१२।३।१९; १२।१४ (आठ वसुओं में से एक,
आदि० ६६।११) ॥

पृषध्र— ८।१३।३

पृश्नि— ६।१८।१
१०।३।३२ (एक प्राचीन महर्षि, द्रोण० १९०।३४-४०)॥

पृश्निगर्भ— १०।३।४१; ६।२५ (भगवान् श्रीकृष्ण का एक नाम,
शान्ति० ३४१।४५-४७) ॥

पैल— १०।७४।८
१२।६।३६, ५२, ५४, ५८ (एक प्राचीन ऋषि,
आदि० ६३।८९-९०) ॥

पौण्ड्र— ११।५।४८ (भीमसेन के शङ्ख का नाम,
भीष्म० २५।१५) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

पौण्ड्रक— १०।३७।२९; ६६।७, १२, १७, १९, २१, २३; ७८।१
१२।१२।४० (पुण्ड्रदेश का राजा वासुदेव,
सभा० १४।२०)॥

पौर्णमास— १२।१।२१

पौरुषेय
(राक्षस)— १२।११।३५

पौलोम— ६।७।६; १८।७
८।७।१४; १०।२२, ३४ (पुलोमा के पुत्र,
वन० १७२।१६-५५)॥

पौष्पाग्नि— १२।६।७७, ७८, ७९

प्राण— ४।१।४३, ४४ (सोम नाम के वसु के द्वारा मनोहर
के गर्भ से उत्पन्न, आदि० ६६।२१)॥

प्राण(वसु)— ६।६।११, १२

प्रातः— ४।१३।१३

प्रात— ६।१८।३

प्राचेतस(दक्ष)—६।४।१७, ४३; ६।१
१०।५९।२०

प्राचीनबर्हि— ४।५।८; २४।१०, १३; २५।३; २९।८; ३०।१
६।४।४
१२।१२।१४

प्राद्युम्नि— १०।६२।१०, २१, २२; ६३।५०

प्राप्ति— १०।५०।१ (धर्म पुत्र राम की भार्या, आदि०६६।६३)॥

प्रियव्रत— ३।१२।५५; २१।२; २२।९
४।१।९; ८।७; २१।२८; ३१।२६
५।१।१, ६, १०, २१, ३९; ६।१४; १५।१६; १६।२;
२०।२, ९, १४, २०, २५, ३१

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

प्रियव्रत— ६।१।४
८।१।२३
११।२।१५
१२।१२।१५
प्रेत— ६।६।१८
प्रघोष— १०।६१।१५
प्रचण्ड— ११।२७।२८
प्रचेता— ४।१६।१०; २४।१३, १६, १९; २५।२; ३०।२, ३, २१, ४३, ४४, ४७; ३१।८, २३, २५
(वरुणगण)— ६।३।१४; ४।४
७।१२।२८ (प्राचीन बर्हि के दस पुत्र, अनु० १४७।२५)॥
प्रचेतसम्— २।३।७
प्रचेत्य— ३।१७।२६, २७; २१।५१
प्रजापति— २।३।२; ६।३९
(संवत्सर)— ५।१८।१५, १७
(ब्रह्मा)— ५।२४।१७
(दक्ष)— ६।४।१९, २०, ४०, ४२; ५।३४
७।११।३; १२।२६
१०।१।२६ (महर्षि कश्यप, आदि० ३१।१६-२१) ॥
प्रतिबाहु— १०।९०।३८
प्रतिभानु— १०।६१।१७
प्रतिरूप— ५।२।२३ (एक दैत्य, शान्ति० २२७।५३-५६) ॥
प्रतीह— ५।१५।३, ५
प्रतिहर्ता— ५।१५।५
प्रतोष— ४।१।७
प्रदोष— ४।१३।१४

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

प्रद्युम्न—	१।५।३७; ११।१७
	३।१।२८
	४।१३।१६; १३।१६, २४।३५
	६।१६।१८
	११।४।२६; ३०।१६; ३१।२०
	१२।११।२१ (ये सनत्कुमार के अंश से भगवान् श्रीकृष्ण द्वारा रुक्मिणी के गर्भ से उत्पन्न हुए, आदि० ६७।१५२) ॥
प्रद्योत—	१२।११।२ (एक यक्ष, सभा० १०।१५) ॥
प्रद्योतन—	१२।११।३
प्रबल—	८।२१।१६
	१०।६१।१५
प्रबुद्ध—	५।४।११
	११।२।२१; ३।१९
प्रभा—	४।१३।१३
प्रभानु—	१०।६१।१०
प्रभु—	६।१८।२
प्रमद—	८।१।२४
प्रमन्तु—	५।१५।१५
प्रम्लोचा—	४।३०।१३
	१२।११।३७ (दस प्रमुख अप्सराओं में से एक, आदि० १२२।६५) ॥
प्ररीरक—	१२।११।३१
प्रसाद—	४।१।४९
प्रसूति—	३।१२।५५, ५६
	४।१।१, ११, ४६; ५।८

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

प्रस्ताव— ५।१५।६

प्रश्रय— ४।१।५०

प्रलंवासुर— १२।१२।३०

प्रलम्ब— २।७।३४

१०।२।१; १८।१७, २४, ३०, ३२; २०।१; २६।११;
४३।३०; ४६।२६; ५१।४१

प्रहरण— १०।६१।१७

प्रहेति— ६।१०।२०

८।१०।२०, २८

प्रहेति(राक्षस)-१२।११।३४

प्रह्लाद— १।३।११; १२।२५

४।१८।१६; २१।२९, ४७

५।१८।७

६।६।२०; १८।१, १३, १६

७।१।४२, ४८; २।२८, ३०; ५।२, ८, ९; ६।२९;
८।३; ९।३, ५१, ५२; १०।२४, ३३, ४३;
१३।११, १३

८।४।२०; १५।७; १९।४, १७; २०।३; २२।८, १२,
१८, २३

१०।३९।१४; ६३।४७

११।१६।१६

१२।१२।१८

१८।२२।४०, ५२ (हिरण्यकशिपु का पुत्र,
आदि० ६५।१७-१९) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

(फ)

फाल्गुन— ३।१।३१
१०।५८।४, १८; ७१।४४, ४५; ८६।४२, ५१ (अर्जुन का एक नाम, विराट० ४४।९-१६) ॥

फाल्गुनि— १।७।२९

●

(ब)

बक— ६।२४।४१, ४३
१०।२।१; ४६।२६
११।४८।५०
१२।१४।२४; ४३।३०

बक(असुर)— १२।१२।२९

बकी— १०।१२।१४

बङ्ग— ६।२३।५

बभ्रु— १२।७।३

बन्हि— ६।२३।१६

बल(मयपुत्र)— ५।२४।१६

बल— ६।८।१८
८।११।१९; २१।१६
६।३।३६; २४।४६
१०।८।१२; ११।४१, ४२
११।२७।२८ (कश्यप के द्वारा दनायु के गर्भ से उत्पन्न एक असुर, आदि० ६५।३३) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

बलदेव— ६।३।३३ (वसुदेव तथा रोहिणी के पुत्र, आदि० ६७।१५२) ॥

बलभद्र— ४।५।२१
१०।२।१३; ४४।२४; ६५।१
११।३०।२२

बलाक— १२।६।५८ (एक व्याध, कर्ण० ६६।३९-४५) ॥

बलि— १।३।१९; १२।२५
४।२१।२६
५।२४।१८
६।३।२०; १८।१०, १६
८।५।२; ७।१४; ८।३; १०।१६, २८, ३०, ४१; ११।१३, ४६, ४८; १३।१२, १७; १५।१, २४, २५, २६, ३३; १८।२०, २१, २७; २०।१, २२, ३३; २१।५, १३, १४, १९, २६; २२।१, १४; २३।३, ५, ११, १८, १९; ३८।५७
९।२३।४; ५
१०।४१।१४; ४७।१७; ६१।२४; ६२।२; ७२।२१, २४
११।४।२०; १२।५; १६।३५
१२।१।२० (ये प्रह्लादजी के पौत्र, आदि० ६५।२०) ॥

बर्हि— ६।४।२७
९।१२।१३; २३।१६
१०।६१।१६

बर्हिष— ९।२४।१९

बर्हिषत्— ४।१।६३; २४।८, ९

बर्हिष्मत्— ४।२७।१९; २८।१, ६५; २९।४७; ३०।७, ४६

बर्हिष्मती— ५।१।२४, २९, ३३

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

बहुगव— ९।२०।३
बहुरथ— ९।२१।२९
बहुरूप(वर्षपति) ५।२०।२५
बहुरूप— ६।६।१८
बहुलाश्व— ९।६।२५; १३।२६
१०।८६।१६
बल्वल— १०।७८।३८; ७९।२, ५, (अज्ञात वास समय पाण्डु पुत्र भीमसेन का सांकेतिक नाम, विराट० २।१) ।।
बाण— ६।१८।१७, १८
८।१०।१९, ३०
१०।२।२; ३६।३६; ६२।१, २, १२, २८; ६३।६, ८, १४, १७, २१, ३०, ३३
११।१२।५ (यह असुरराज बलि का विख्यात पुत्र, आदि० ६५।२०-२१) ।।
बाणासुर— १२।१२।३९
बादरायण— १।७।१, ११; ९।६; १९।४०
२।५।१९
८।१।३१
९।२२।२२, २५
१२।४।४२
बादरायणि— ६।४।३; १४।८; १५।१३; १८।२२
८।१।३३; २४।४
(शुक)— १०।१२।४४; ८०।५
१२।६।८
बालखिल्य— ६।८।४०
१२।११।४९

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

बालायनि— १२।६।५६
बाल्हीक— ६।२२।१२, १८
१०।६८।१०; ८२।२५ (एक राजा, आदि० ६७।२५)॥
बाष्कल— ६।१८।१६
१२।६।५४ (एक दिति पुत्र हिरण्यकशिपु का पुत्र,
आदि० ६५।१७-१८)॥
बाहु— ८।१३।३४ (शक्तिशाली राजा, उद्योग० ४।२२)॥
बाहुक— ६।८।२ (एक कौरव्य कुल में उत्पन्न नाग,
आदि० ५७।१३)॥
बुध— ६।१।३४; २।३०; १४।१४ (एक वानप्रस्थी ऋषि,
शान्ति० २४४।१७)॥
बुद्ध— १०।४०।२०
बोध्य— १२।६।५५
बृक— १०।६१।१६; ६०।३३
बृकोदर— १०।७१।७; ७२।१३, २१, २६; ७६।२६
बृहती— ८।१३।३२
बृहदश्व— २।६।६
६।६।२१; १२।११
बृहदिषु— ६।२१।२२
बृहत्कर्मा— ६।३३।११
बृहत्काय— ६।२१।२२
बृहच्छोक— ६।१८।८
बृहत्क्षेत्र— ६।२१।१, २० (भागीरथ वंशी एक राजा,
आदि० १८५।२३)॥
बृहत्सेन— ६।२२।४१
१०।६१।१७; ८३।१८ (क्रोधवंश संज्ञक एक दैत्य के
वंश से उत्पन्न हुए एक राजा, आदि० ६७।६४)॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

बृहद्धनु— ६।२१।२२
बृहद्भानु— ८।१३।३५
६।२३।११
१०।६१।१०; ६०।३३
बृहद्रण— ६।१२।६
बृहद्रथ— ६।१३।१५; २२।६, ७, ८, ४३; २३।११
१२।१।१३ (एक प्राचीन राजा, आदि० १।२३५) ॥
बृहद्बल— ६।१२।८, ६, १५; २४।४० (प्राचीन काल के एक नरेश, आदि० १।२३७) ॥
बृहन्मना— ६।२३।११
बृहद्राज— ६।१२।१३
बृहद्विश्व— ६।२१।३२
बृहस्पति— ४।१।३४; ७।६०; १८।१४; २२।६१
५।२२।१५; २३।७; २४।२४
६।७।१६
८।१०।३३; १८।१४
६।१४।४, ६; २०।३६, ३८
१०।४६।१; ८४।४; ८६।१८
११।१६।२२
१२।६।२३ (महर्षि अङ्गिरा के पुत्र, आदि० ६६।५) ॥
ब्रह्म— ६।७।२६
६।१६।१६, २५
१०।१३।६१; ३०।२६; ३८।८; ३६।५३; ७३।२३; ८५।३६
११।१५।१७, २४; १६।१; १८।३६, ४५; २४।१६; २५।३६; २६।३०
१२।११।२६

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

ब्रह्म (पुत्र)— ११।३।४२; ६।१, १४, २१, ३१; ७।१, २, १७;
१०।३०; १३।२०; १४।३; १७।३; ३१।१, १०
१२।८।१२; १०।२१; १३।१, १०, १९
ब्रह्मण्यदेव— ७।१०।४२
६।११।५, ७ (पाण्डव पक्ष के एक वीर योद्धा,
उद्योग० १९६।२५) ॥
ब्रह्मसावर्णि— ८।१३।२१
ब्रह्मा— १।३।२, ६; ५।३२; १३।५५; १५।४२
३।७।२, ३३; ९।१, २८, ३०, ३१; १०।१, १०;
११।२६, ३५, ४२; १३।९, २५, २६; १४।७, २९;
२१।६; २२।२; २६।६९; २७।१७, २१
४।१।१७, २६, ३२; ३।२; ४।१६; ७।२२, ३०, ४३,
५०, ५२; १५।९, १६; १८।६; १९।४; २९।४२;
३०।४८
५।५।२२; २०।३२; ३३; २५।८
६।१।१; ४।४५; ६।३५; ७।१९; ९।२०; १३।२;
१४।२७, २९; १५।१७; १६।१६; १७।१२, ३२
७।१।३६; ५।१३; ६।२०; ८।७; ९।१, ३, ८, १३,
२६; १०।२५, ३४, ६२, ६९; १४।३५
८।३।२२, ३०; ४।१, १८, २०; ८।७, १२, २३, २४,
२७, ३४, ४५; २१।५; २२।२४; २३।३, ७, २०,
२४, २६; २४।७
९।३।३१; १४।३, १३
१०।१।१७, १९; २।२५, ४२; ३।३३; ४।३६; ८।४८,
५२; ४०।१, ११; ५९।४४; ६१।५; ६८।३७;
६९।१८; ८८।१२
१२।४।१२; ५।१; ६।३७, ६७ (पितामह ब्रह्मा,
आदि० ११२९-३२) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

ब्रह्मावर्त— ५।४।१०
ब्रह्मदत्त— ६।२१।२५
ब्रह्मवलि— १२।७।२
ब्रह्मोपेत
(राक्षस)— १२।११।४२

●

(भ)

भग— ६।६।३६; १८।२
१२।११।४२ (बारह आदित्यों में से एक, आदि० ६५।१५) ॥
भगवान्— ६।४।३५; १६।३
६।६।५०
भगदेव— ४।५।१७, २०; ६।५१; ७।३
भगीरथ— १२।३।१० (एक राजा, वन० २५।१२) ॥
भजमान— ६।२४।६, ७, १६, २६
भजि— ६।२४।६
भज्य— १२।६।५६
भद्र— ४।१।७
८।१।२४
६।२४।४७, ५४
१०।६१।१४; ६३।३ (चेदि देशीय पाण्डव पक्ष का एक योद्धा, कर्ण० ५६।४८-४६) ॥
भद्रक— १२।१।१५

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

भद्रकाली— ५।६।१२, १५, १६, १७
१०।२।११; २२।५ (दुर्गा का एक नाम, भीष्म० २३।५) ॥

भद्रचारु— १०।६।१८

भद्रबाहु— ६।२४।४७

भद्रश्रवा— ५।१८।१

भद्रसेन— ५।४।१०
६।२४।५४
१०।१८।२४

भद्रसेनक— ६।२३।२२, २३

भद्रा— ५।२।२३
६।२४।४५
१०।५८।५६; ६१।१७; ७१।४१; ८३।६ (कक्षीवान् की पुत्री, आदि० १२०।१७) ॥

भद्राश्व— ५।२।१६
६।६।२४ (मेरु पर्वत के समीप का एक द्वीप, भीष्म० ६।१३) ॥

भर्म्याश्व— ६।२१।३१, ३२

भय— ६।६।१ (अधर्म द्वारा निर्ऋति के गर्भ मे उत्पन्न तीन भयंकर राक्षसों में से एक, आदि० ६६।५४-५५) ॥

भरत— ५।४।६; ५।२०, २८; ७।१; ८।७, २६; ६।१; १२।१४; १४।४६; १५।१
६।१७।१६
६।१०।२, ३५, ४२; ११।१२, १३; २०।२६, २६
११।२।१७
१२।३।६; १२।१५, २६ (दुष्यन्त के द्वारा शकुन्तला के गर्भ से उत्पन्न एक राजा, आदि० २।६५-६६) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

भरताग्रज— ६।८।१५

भरद्वाज— १।६।६; १६।१०
८।१३।५
१०७४।७; ८४।३
१२।११।४० (एक प्राचीन ऋषि, आदि० १२२।५१)॥

भरुक— ६।८।२

भर्ग— ५।७।१४
६।१७।६; २३।१६

भलन्दन— ६।२।२३

भल्लाट— ६।२१।२६

भव— ३।१२।१२; १४।४४; १५।४२; २३।१
४।१।४७, ६४, ६५; २।१, १८, ३३; ३।११; ४।२;
५।१; ६।५; ७।१,८; २१।२६; २४।१८; ३०।३८,४१
५।५।२२; १७।१५, १६; २४।१७
६।४।४५ (ग्यारह रुद्रों में से एक, आदि० ६६।१-३)॥

भव (रुद्र)— ६।६।१७
७।६।२६; १०।५०; १५।७७
८।४।२०; ५।२१; ६।२७; १२।३, १७, २३, २४,
२७, ४२; २३।३, २०
६।४।५४; १०।१२
१०।२।२५; ६।२०; ३८।८; ५३।४५; ६०।३६; ६६।२६
७४।१३
११।६।१, ७१; २७।३; ३१।१

भवभावन— ५।२।१५

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

भवानी— ३।२३।१
५।१६।१८; १७।१५, १६; २४।१७
८।७।३७, ४१; १२।२५, ४२
१०।५३।४०, ४५
११।३१।१

भवेन्द्र— ८।७।१२

भागवत— १२।१।१६

भागीरथ— ६।६।२, १०, १६

भानु— ५।२२।७
६।६।४, ५
७।२।१९
९।१२।१०
१०।६१।१०; ६४।१
११।३०।१७ (एक देव, आदि० १।४२) ॥

भानुमान— ९।१२।११; १३।२१; २३।१६
१०।६१।१० (कलिङ्ग देश का एक राजकुमार, भीष्म० ५४।३३-३९) ॥

भानुविन्द— १०।७६।१४

भारत— ८।१।१८; २४।१३
९।६।२४; १८।४१; २०।२
१०।१।६३; ३।१२; ८।५१; १२।१२; ६०।३३ (भरत के वंश में उत्पन्न होने वाले (भरत) लोग भरत कहलाये, आदि० १७२।५०) ॥

भारतोत्तम— ५।१९।१३

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

भार्गव— १।६।४६; १०।३५
३।१०।३
७।५।५०
६।३।६, २५; १५।५, ११, १३; १६।३०, ३२;
१८।२७
१०।७४।६
१२।१।६ (एक भारतीय जनपद, भीष्म० ६।५०) ॥

भार्गवी— ६।१६।२, २८
भार्गभूमि— ६।१७।६
भार्म्य— ६।२१।३४; २२।३
भास्कर— ६।१।१५
६।२४।३५
१०।७०।१५ (कश्यप द्वारा अदिति के गर्भ से उत्पन्न हुए बारह आदित्यों में से एक, अनु० १५०।१४-१५) ॥

भीम— १।७।५१
२।७।३५
३।१।३७; ३।१४
६।६।१७
६।१५।३
१०।५८।४; ७१।५, २७; ७२।३२, ३३, ४१, ४२, ४५; ७३।३४; ७५।४, ३८; ७६।२३; ८३।२३ (कश्यप द्वारा मुनि के गर्भ से उत्पन्न एक देव गन्धर्व, आदि० ६५।४३) ॥

भीमरथ— ६।१७।५; २४।४

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

भीमसेन— १।७।५४
९।२२।३१, ३५
१०।७२।१६; ७३।३१ (ये महाराज परीक्षित के पुत्र, आदि० ३।१-२) ।।
भीष्म— १।९।८, ४४; १०।३; १५।१५, १६; १९।९
३।३।१४
६।३।२०
९।२२।१९
१०।४९।१; ५७।२; ६८।१७, २८; ७४।१०; ८२।२२, २३; ८४।५७
११।१९।११ (ये शान्तनु द्वारा गङ्गा के गर्भ से आठवें वसु के अंश से उत्पन्न हुए थे, आदि० ६३।९१) ।।
भीष्मक— १०।५२।१६, १८, २१; ८२।२४ (बिदर्भ देश के अधिपति भोजवंशी नरेश, सभा० १४।२१-२२) ।।
भीष्मककन्या— ३।३।३
भू (पृथ्वी)— ५।१८।३४
भूत— ६।६।२, १७
भूतकेतु— ८।१३।१८
भूतनन्दन— १२।१।३०
भूतनाथ— ४।५।४
भूतपावन— १०।७२।४६
११।१३।१८
भूतराट— ४।२२।६०
भूतसन्तोष— ८।१०।२०
भूतसन्तापन— ७।२।१८
भूतेश— ४।१८।२१

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

भूतज्योति— ९।२।१७

भूमा— ५।१५।५, ६

भूमित्र— १२।१।१९

भूरि— १०।६८।५; ७५।६ (ये कुरुवंशी सोमदत्त के पुत्र थे,

भूरिश्रवा— ९।२२।१८ (ये कुरुवंशीय सोमदत्त के पुत्र थे,
आदि० १८५।१४-१५) ॥

भूरिषेण— ८।१३।२१
९।३।२७

भूषणा— ५।१५।१५

भोज— ३।३।२४, २५; ४।२
९।२४।२६, ६३
११।३०।१६

भोजराज— १०।४।२

भोजपति— १०।२।४१; ३६।१८; ८२।२८

भोजा— ५।१५।१५ (सौवीर राज की सर्वाङ्ग सुन्दरी कमनीया
कन्या, द्रोण० १०।३३) ॥

भोजेन्द्र— ३।२।२५
१०।२।१९

भोज्या— ९।२३।३५

भौम— १०।५९।१, २, १२, १६, २०, २१; ३२।३३; ८३।४०
(एक असुर, सभा० ३८।२९) ॥

भौवन— ५।१५।१५

भौष्मी— १०।६७।१

भृगु— ३।११।३०; १२।२२, २३; २४।२३
४।१।४१, ४१, ४४; २।२७, ३३; ४।३२; ५।१७;
१९; ६।५१; ७।५; १४।१; २४।७२; २९।४३;

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

६।३।१५, १८।४
७।३।१४; १७।२१; २३।२४
८।१५।३, ८, २८; १८।२३; २३।२६
६।३।२२; ४।५४; १५।२६
१०।११।१४; ८४।४; ८६।२, १२, १३
११।११।१२; १६।१४
१२।८।१२; ११।३८ (एक महर्षि, आदि० ४।५) ॥

भृगुपति— ६।१०।७
भ्रमि— ४।१०।१
भ्राजिष्ठ(वर्ष)—५।२०।२१

●

(म)

मकरध्वज
(काम)— ५।२।६
मखोपेत
(राक्षस)— १२।११।४४
मघवा— ५।५।२२; १५।१२
मघवान्— ४।२०।१
६।६।५०; १२।४, १०; १६।२३, ३५
८।११।३८, ३९; १५।२४, २८
१०।२७।१४, १५; ७५।३५
मणिमान्— ४।५।१७ (एक राजा, आदि० ६७।४४) ॥
मति— ६।१८।१४ (दक्ष प्रजापति की पुत्री एवं धर्मराज की पत्नी, आदि० ६६।१५) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

मत्स्य— ६।२२।६ (एक राजा, आदि० ६३।५०) ।।
मत्स्य(विष्णु)—१२।१२।२०
मत्स्यमूर्ति— ६।८।१३
मत्स्यावतार— ५।१८।२४
मदिरा— ६।२४।४५, ४८ (वसुदेव की अनेक पत्नियों में से एक, मौसल० ७।१८) ।।
मद— ६।२३।३
१०।८२।२५
मदन— ११।४।८
मधु— ५।१५।१५
६।११।१४; २३।२७, २९; २४।५, ६३
१०।४५।१५; ६०।३३ (एक महान् दैत्य, सभा० ३८।२९) ।।
मधुकैटभ— ७।९।३७
मधुच्छन्दा— ६।१६।२९, ३३, ३४
१०।७४।९
मध्यन्दिन— ४।१३।१३
मधुद्विट्— ३।७।१९; ३२।१८
४।१२।२१; २२।२०
५।१४।४४
७।१।३८
मधुपति(कृष्ण)१०।२१।२; १५।३३
मधुसूदन— ३।९।२७; २४।६
८।१२।२, ३७; २२।१८; २४।४५
६।२४।६०

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

मधुसूदन— १०।३।२९; १७।७; २४।३२; ४३।१३; ४४।१; ५३।४; ६०।४७; ६१।४०; ७३।६
११।१७।५; ३०।३५; ३१।२४ (श्रीकृष्ण का एक नाम, वन० २०७।१६) ॥
मधुहा— ६।८।२१
१०।६।२३
मनु— १।३।१५
२।१।३६, ७२; ७।१२; १०।३७
३।१।२२; ७।२५; ११।२३, २५; १२।७, १२, ५३; १३।२, ६, १४, २२; २०।१, १०, ४६; २१।१, २५, ३६; २२।१८, ३१, ३४, ३९; २४।१ (मानव सृष्टि के प्रवर्तक आदि मनु, आदि० १।३२) ॥
मनु(शिव)— ४।६।५०
मनु— ४।१।१, १०, ११; ८।२१; ११।६; १८।१२; २१।२८; २२।६१; २४।६७; २९।४२; ३०।४१
५।१।२१, २२
६।३।२०; १७।१२
मनु(कृशाश्वपुत्र) ६।६।२०
मनु(स्वायम्भुव) ८।१।५, १९, २३, २७; ५।७, १३; ११।१८, २१, २९, ३०; १४।२, ३, ५; २४।५८
९।१।३, १६; २।२, ३; ६।४
११।१६।१४
१२।३।६
मनोभव— ४।२५।३०
मन्तु— ५।१५।१५
मन्दराचल— १।३।१६

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

मनस्यु— ९।२०।२
मन्दोदरी— ९।१०।२४ (रावण की पत्नी, वन० २८१।१६(॥
मन्मथ— १०।३२।२
मन्यु— ३।१२।१२
९।२१।१
ममता— ९।२०।३७
मय— ४।१८।२०
५।२४।८, १६, २८
७।१०।५१, ५२, ५३, ५९
८।१०।१६, २२, २९
१०।३७।२८; ५८।२७; ७१।४४; ७५।३४; ७६।७;
७७।२८
११।१२।५ (एक दानव, आदि० ६१।४८-४९) ॥
मयदानव— १०।५५।२१
मरीचि— ३।१२।२२, २४, ३९; २०।१०; २४।९, २२
४।१।८, १३; ७।४३; २९।४३
५।१५।१५
६।१३।२१
८।१२।१०
९।१।१०; ४।५८
१०।८५।४७ (ब्रह्माजी के मानस पुत्र,
आदि० ६५।१०-११) ॥
मरीचिगर्भ— ८।१३।१९

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

मरु— ६।१२।५; १३।१५, १६
१२।२।३७
मरुत्पति(इन्द्र)-६।७।२६
मरुत्— ६।५।३१; १६।३, २८
८।१०।३४
६।७।२; १०।१६, ४२; १८।१६, ६३, ६४, ६७,
७१, ७८
मरुत्त— ६।२।२६, २७, २६- २३।१७
१२।१३।१ (एक सुप्रसिद्ध सम्राट, आदि० १।२२७)॥
मरुदेव— ६।१२।१२
मरुत्वती— ६।६।४, ८
मरुत्वान्(इन्द्र)-६।६।८; १३।१०, २२
मद्रुम— ८।५।८
मलय— ५।४।१०
मलयध्वज— ४।२८।२६; ३३।४३ (पाण्डव देश के एक राजा,
कर्ण० २०।१६-४७)॥
महान्— ६।६।१८ (पुरुवंशी राजा मतिनार के पुत्र,
आदि० ६४।१४)॥
महावत— ११।२७।२८
महस्वान्— ६।१२।७
महादेव— ५।२४।२८
८।७।२१, ४२ (भगवान् शिव का एक नाम,
उद्योग० १८८।४)॥
महाधृति— ३।२६।५३
६।१३।१६
महानन्दि— १२।१।६

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

महान्(रुद्र)— ३।१२।१२
महापुरुष(विष्णु)५।१५।४
६।१२।१, ३१; १५।१८; १६।२५; १७।३५; १८।१३; १९।७, ८, ११
महानाम— ७।२।१८
महाभोज— ९।२४।७, ११
महामवा— ९।२३।२
महामरव— ६।१८।१
महिमान— ६।१८।२
महामत्स्य— ५।१८।२५
महावशी— ९।१३।२६
महावीर— ५।१।२५, २६ (एक प्राचीन क्षत्रिय राजा, आदि० ६७।६६) ॥
महावीर्य— ९।२१।१, १९
महाशक्ति— १०।६१।१५
महाशव— १०।२।१
महाशंख(सर्प)—५।२४।३१
महाशाल— ९।२३।२
महांस— १०।६१।१६; ६२।५
महाहर— ९।२३।२१
महामिष— ९।२२।१३
महारोमा— ९।१३।१७
महिष— ६।१८।२ (एक असुर, वन० २३१।८८) ॥
महिषासुर— ८।१०।३२
महिष्मान्— ९।२३।२२

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

महेन्द्र— ४।२२।५६
५।२०।४०; २४।१६; २५।८
६।३।१४; ७।३८, ४०; ८।३; १२।२; १३।६, १६, २२
८।५।१७, ३६; १०।४१; २३।१६
६।८।११; १४।७; १७।१४
१०।२४।२३; २६।२५; ५०।५४; ५१।२८; ८१।२८
११।३१।१
महेन्द्राणी— १०।५६।३८
महेश्वर— ७।१०।१५
८।७।३५
१०।५३।२५; ६६।२८; ८६।५ (भगवान् शिव का एक नाम, उद्योग० ११।१६) ॥
महिनस (रुद्र)—३।१२।१२
महीनर— ६।२२।४३
मागध— ८।१३।३४
१०।२।२ (कौरव पक्ष के मगध देशीय योद्धा, भीष्म० ५१।१२) ॥
माङ्गलि— १२।६।७६
माण्डव्य— ३।५।२० (एक प्रसिद्ध ब्रह्मर्षि, आदि० १०६।२-३) ॥
माण्डुकेय— १२।६।५६
मातरिश्वना— ४।२२।५६
५।२४।१७
मातलि— ८।११।१६; १८।२२
६।१०।२१ (इन्द्र का सारथि, वन० ४२।११-१४) ॥
मातृका— ६।६।४२
माद्री— ६।२२।२८
१०।६१।१५ (मद्रदेश के राजा की पुत्री, आदि० ६७।१६०) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

माधव— १।८।३; १५।१८
६।८।२१
(अक्रूर) १०।३६।८
(कृष्ण) १०।६।२५; ११।३६; १३।२३; १५।२; ३०।८, ४१; ३६।२८; ३१।१०; ४२।१; ४८।५; ५३।५६; ६२।३१; ६४।६; ७०।४; ७४।५ ७८।२३
११।१७।३
माधवी— ३।२१।५; २३।४, ६, ४४; २४।१८; २६।३७ (राजा ययाति की पुत्री, आदि० ६३।१३) ॥
मान्धाता— ६।६।३४, ३७; ७।१
१०।५१।१४
१२।३।६; १२।२३ (इक्ष्वाकुवंशीय महाराज युवनाश्व के पुत्र, वन० ४२।४१) ॥
मामतेय— ६।२०।२५
माया— ४।७।३७; ८।२
५।१८।३८
६।२१।१५, १७
१०।१।२५; २।१२
मायावती— १०।५५।६, १६
मायाशक्ति— ६।१६।११
मारिच(कश्यप) ६।१८।४४
मारिषा— ६।२४।२७
मारिचा— ४।३।४८
मारीच— ३।१४।८, १६
४।३०।४८
८।१६।१४; १७।१८
६।१०।५, १०

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

मारुत— ११।४।८
मार्कण्डेय— ४।१।४४
६।१५।१२
७।१।४५
१०।८४।४
१२।८।२; ६।१५; १०।४०; १२।४५ (एक सुप्रसिद्ध महामुनि, सभा० ४।१५) ॥
मार्जारी— ६।२२।४६
मार्तण्ड— ५।२०।४४
मालि— ६।१०।२१
माली— ८।१०।५७
मित्र— ३।६।२०
४।१।४०; ७।३
६।६।३९; १८।५, ६
८।१०।२८ (ग्यारह आदित्यों में से एक, आदि० ६५।१५) ॥
मित्र(सूर्य)— १२।११।३५
मित्रविन्दा— १०।५८।३१; ६१।१६; ७१।४२
मित्रात्मज— ३।७।२६
मित्रायु— ६।२२।१
मित्रावरुण— ६।१।१३; १३।१६; १४।१७ (सदा साथ रहने वाले मित्र और वरुण देवता, शल्य० ५४।१४) ॥
मित्रासुत— ३।४।३६
मितध्वज— ६।१३।१९
मिथिल— ६।१३।१३
मिश्रकेशी— ६।२४।४३ (एक अप्सरा, आदि० ६५।४९) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

मीढ्वान्— ६।२।१६
मीढ्वास— ४।७।७, १६
मीढुष— ६।१८।७
मुकुन्द— ३।१।१२; ४।१०; १३।४
४।६।३६; २१।४६; २२।२४; २६।८४
५।६।१८; १८।११
६।३।२८; १४।२
७।७।५०, ५१
८।८।२३
६।४।१६, २५
१०।१।६; १०।१८; १२।३२; १३।६४; १४।३४; १५।४२; २०।४२; २१।१५; ३३।६; ३५।२, ६; ३८।६; ३६।१८, २०, २४, २८; ४२।८, २४; ४६।२२, ३१; ४७।१६, ६१; ५०।३५; ५२।२३, ३८; ५३।४०; ५८।२, २१; ५६।२२; ६४।७, ४४; ७१।१८, २२, २६, ३७; ७३।२७; ७८।४; ८०।१; ८२।१७; ८३।१७
११।२३।१; ३०।१७
मुचुकुन्द— ६।६।३८
१०।५१।१४, १६, २२, ३१, ४४ (एक प्राचीन राजर्षि, सभा० ८।२१) ॥
मुद— ४।१।४६
मुद्गल— ६।२१।३१, ३३ (वेद विद्या के पारङ्गत एक ब्राह्मण मुनि, आदि० ५३।१) ॥
मुद्गल्य— १२।६।५७

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

मुनि
(कश्यपपयानी)—६।६।२१, २६ (दक्ष प्रजापति की कन्या एवं कश्यप की पत्नी, आदि० ६५।१२) ॥
मुर— ३।३।११
१०।३७।१६; ५६।३, ४, ६
१२।१२।४० (एक महान् असुर, सभा० ३८।२९) ॥
मुररिपु— ४।२६।२४
मुरारि— ३।७।१४
५।६।१३
६।३।१
८।२०।२५
१०।१४।५८, ६०; २१।१५; ८३।२९; ८५।५९
मुष्टिक— १०।३।११; ३६।२१, २२; ३७।१५; ४२।३७; ४३।४०;
४४।१, १२, १९, २४
१२।१२।३३ (एक असुर, सभा० ३८।२९) ॥
मुहूर्ता— ६।६।४, ८
मूलक— ९।९।४१
मूर्ति— ४।१।४८, ५१
८।१३।२२
११।४।६
मृकण्डु— ४।१।४३, ४४
मृड— ४।२।८; ३।१०; ७।९
१०।६०।४४; ६२।२
मृत्यु— ३।२५।४२; २६।५७
४।८।४; १३।३९ (ब्रह्माजी के शरीर से नारी रूप में इसकी उत्पत्ति (स्त्री) द्रोण०, ५३।१७-१८) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj.·Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

मृदुवित्— ६।२४।१६
मृदुर— ६।२४।१६
मृषा — ४।८।२
मेघ— ८।१०।२१
मेधा— ४।१।४८, ५० (दक्ष प्रजापति की पुत्री एवं धर्मराज की पत्नी, आदि० ६६।१४) ॥
मेघपृष्ठ(वर्ष)— ५।२०।२१
मेधातिथि— १।१६।१०
५।१।२५, ३३; २०।२५ (एक प्राचीन महर्षि, सभा० ७।१७) ॥
मेनका— ४।७।५८
६।२०।१३
१२।११।३५ (स्वर्ग लोक की एक श्रेष्ठ अप्सरा, आदि० ८।६-७) ॥
मेरु— ५।२।२३ (सुवर्णमय शिखरों से सुशोभित एक दिव्य पर्वत, आदि० १७।५-१३) ॥
मेरुदेवी— १।३।१३
५।२।२३; ३।१, १८, १६; ४।५
मेघपुष्प(अश्व)-१०।८६।४८
मेघस्पाति— १२।१।२२
मेघरिरा— १२।१।२५
मेधावी— ६।२२।४२ (बालधि मुनि का पुत्र, वन० १३५।४५-४६) ॥
मेरु(ऋषि)— ४।१।४३
मैन्द— १०।६७।२ (एक वानरराज, सभा० ३१।१८) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

मैत्रेय— ३।१।१३; ४।६; ५।१, १८; ७।१, ८; ८।१; ६।२६, ४४; १०।४, ११; ११।१, १८; १२।१, ८०, ३७; १३।६
१०।१६।१० (एक प्राचीन ऋषि, सभा० ४।१०) ॥
मैत्री— ३।१६।८८; २०।४; २५।४
४।१।४८, ४६; १७।८
१०।७४।७; ८६।१८
१२।१२।८
मैथिल— १०।८२।२५
मोदोष— १२।७।२
मौद्वूर्तिका— ६।६।६

(य)

यक्षेश्वर— ४।६।२८
यज्ञ— ४।१।४, ६, ८; ७।२७, ४१
यज्ञ(इन्द्र)— ४।६।७; १६।३०
६।८।१८
८।१।६, १८
१०।६।२२
११।१३।३८
१२।१।१५
यज्ञकेतु— १०।६८।५
यज्ञपति— ४।२१।२७
यज्ञपुमान्— ४।२४।२६

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

यज्ञवाहु— ५।१।२५, ३३; २०।९
यज्ञेश— ४।२३।२५
५।१९।२३
६।६।२२
९।१४।४७
यज्ञसूकर— ३।१९।९
यज्ञश्री— १२।१।२५
यज्ञहोत्र— ८।१।२३
यति— ४।८।१
५।६।१८
९।१८।१, २ (नहुष के प्रथम पुत्र, आदि० ७५।३०)।।
यदु— ९।१८।३३, ३८; १९।२२; २३।१८, १९, २०
१०।४५।१५; ९०।४४ (राजा ययाति के प्रथम पुत्र, आदि० ७५।३५) ।।
यदु(चक्र)— १०।४१।१७
११।६।२३; ७।२४, २५, २६, ३१; ९।३२
१२।१२।२६
यदुदेव— १०।५२।४४
यदुनन्दन— १०।५६।६
यदुपति— १०।३३।२८; ३५।२५
यदुत्तम— १०।९०।४९
यम— ३।५।२०; २१।५१; ३०।१९
४।१४।२६; १५।१५
५।१०।१७; २१।७, ९; २६।८, १३, १९, २७, ३१, ३७

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

यम— ६।११९, २०, ३१, ३७; २।१, २१, २४, २६, ४८;
२।३, ११, ३४; ६।४०; १४।५६
७।२।२७, ३६, ५९; ८।५
८।१०।२६
६।६।१७; २०।२२
१०।४५।४२, ४३; ६४।२२; ८६।४२
११।१६।१८
यमल— १०।१०।२०; ११।२
यमी(यमुना)— ६।६।४०
८।१३।६
ययाति— ११२।२४
६।६।३२
६।१८।१, ३, १८, २३
१०।४५।१३; ७४।३६
१२।३।१०; १२।२५, २६ (एक प्राचीन राजर्षि,
आदि० १।२२६) ॥
यवन— १०।३७।१६; ५०।४३, ४८; ५१।६, २२, ४१
यवीनर— ६।२१।२७
यशोदा— १०।२।६; ३।५१, ५३; ५।६; ६।१६; ७।८, ११, १२,
८।३३, ४६, ५०; ६।१; ११।१३, १४, २०, ३४;
१४।४८; १५।४४; १७।१५, १६; २५।३०;
३६।१७; ४६।२८, २६; ४७।६४; ८२।३५ (नन्द
गोप की पत्नी, सभा० ३८।२६) ॥
यशोनन्दि— १२।१।३१
यातना— ४।८।४
यातुधीन— ६।६।२८

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

यादवदेवदत्त—१०।१२।४०

याम— १।३।१२

८।१।१८

यामिनी— ६।६।२१

यामी— ६।६।४, ६

याज्ञवल्क्य— ६।१५।१३

९।१२।३; २२।३८

१०।८४।५

१२।६।५५, ६२, ६६ (एक श्रेष्ठ ऋषि, सभा० ४।१२)॥

याज्ञसेनी— १०।८४।१

युगन्धर— ९।२४।१४ (एक पाण्डवीय प्रक्षीय योद्धा, द्रोण० १६।३०-३१) ॥

युतायु— ९।२२।४६

युधाजित— ९।२४।१२

युधामन्यु— १०।८२।२५ (पाण्डव पक्ष का एक श्रेष्ठ रथी, उद्योग० १७०।५) ॥

युधिष्ठिर— १।९।२५, ४६, ४८; १०।२; १२।३५; १३।१६, ६०; १४।६, २५; १५।३७

३।२।१३

७।५।२, ४२; ११।१, २; १४।१

९।२२।२७, २९, ३०

१०।५८।४; ७२।१; ७४।१, ५१; ७५।२८; ७९।२४; ८२।२६; ८३।१; ८४।२७ (महाराज पाण्डु के क्षेत्रज पुत्र, आदि० १।११४) ॥

युयुध— ९।१३।२५

युयुधान— १।५।५७ (ये सत्यक के पुत्र हैं, सभा० ४।३५) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

युयुधाम— ६।२४।१४
१०।५८।१; ६३।३; ७५।६
युवनाश्व— ६।६।२०, २५, ३०, ३२ (इक्ष्वाकुवंश के एक सुप्रसिद्ध नरेश, वन० १२६।५-६) ॥
योग— ४।१।५०
योगमाया— ५।२०।४१
६।१२।३१
१०।२६।१; ८५।१३, १४, ४४, ४८; ८८।२७
योगेश(कृ०)—१०।६।३६
योगेश्वर— ५।१६।१३
८।१३।३२
१०।६६।१६, ३३, ३८
यौवनाश्व— ६।७।१ (युवानश्व के पुत्र मान्धाता, सभा०५३।२१)॥

(र)

रघु— ६।१०।१
१२।३।६ (एक प्राचीन नरेश, आदि० १।२३२) ॥
रघुपति— ६।१०।१६, २०; ११।२०, २१
रचना— ६।६।४४
रजी— ६।१७।१, १२, १३, १५
रणक— ६।१२।१५
रणञ्जय— ६।१२।१३
रति— ५।१५।६
१०।५५।७, १२ (ये धर्मपुत्र कामदेव की पत्नी है, आदि० ६६।३२-३३) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

रथकृत— १२।११।३३

रथस्वन(यक्ष)-१२।११।३५

रथीतर— ६।६।१, २, ३

रन्तिदेव— ६।२१।२, १८
१०।७२।२१ (एक प्राचीन नरेश, आदि० १।२२६) ॥

रन्तिभार— ६।२०।६

रभस— ६।१७।१०

रमणक— ५।३०।३१

रमला— ३।१२।१३

रमा— ४।२५।२८
५।१८।१६, १७
७।६।२६
८।५।५; ८।२३
६।२०।८
१०।१५।१६; २६।३; ३०।२६; ४४।१३; ६०।५८;७१।२६

रमापति— १०।३०।२; ५८।३६; ६१।५

रमेश— १०।३३।१६

रम्भ— ६।२।२५

रम्भा— १२।११।३६, ४४ (एक अप्सरा, आदि० ६५।५०) ॥

रम्यक्— ५।२।१६

रम्या— ५।२।२३

रय— ६।१५।१, २

ररूषक— ६।१।१२

रवि— ३।४।२
४।१४।२६; ३१।५

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

रवि— ५।२१।१३, १५
६।१।१६; २४।३२; ७४।४; ८०।३६
१२।६।७३ (ये विवस्वान् के बोधक माने गये हैं, आदि० १।४२) ॥

रहूगण— ५।१०।१, २, ५, ७; १२।१२; १३।२०, २४

राका— ४।१।३३
६।१८।३ (पूर्णिमा तिथि की अधिष्ठात्री देवी, शल्य० ४५।१४) ॥

राघव— ७।१।४५

राजक— १२।१।२

राजन्य— ६।२४।५१

राजवर्द्धन— ६।२।२६

राजाधिदेवी— ६।२४।३१, ३८

राधिक— ६।२२।१०

राम— १।३।२३; ११।१६; १२।१६; १४।३३; १६।६
४।२२।६३
५।१६।१, ८ (अविनाशी महाबाहु भगवान् विष्णु के अवतार स्वरूप दशरथ नन्दन श्रीराम, सभा० ३८।२६) ॥

(परशुराम)— ६।८।१५; १५।१३
७।१।४५; १०।३६, ३७
८।१३।१५

राम— ६।१०।२, २२, ३१, ३५, ४०, ५०, ५१; ५३; ११।१ ७, ८, ६, १५, १६, १६, २३, २४, ३५; १६।६, १०, १२, १३, १४, १६, २४, २५

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

(परशुराम)— ६।१५।१३; २७, ३०।३२, ३३, ३४, ३७, ३८
१६।१, ६, ७, ८; २२।२०
१०।८६।१८
११।४।२१

(बलदेव)— ११।१।१; १२।१०; ३०।२६; ३१।१८

राम— १०।१।८; २।१३; ८।१२, २१, २६, २७, ३२, ५२;
११।१२, १६, २०, २२, ३४, ३६, ४९, ५३, ५८;
१३।२८, ३५; १५।२०, २१, २३, २६, ३६, ३७;
१६।१३, २२, ४५; १७।१६, २३; १८।३; ९, ११,
१७, २०, २३; १९।३, ९, १५; २०।२, ३२;
२१।१६, १८; २२।३८; २३।१, ६, ७, १२; १७;
२५।३०; २६।८; २८।३; ३०।१७; ३४।२०, २७;
३६।१७, २०, २३, ३७; ३८।२८, ३४, ४०;
३९।१, १३, ३८, ३९; ४१।४१, ५०; ४२।११,
२३, २६; ४३।१, ३०, ३१, ३२; ४४।१२, २६,
५०; ४५।२८, ५०; ४६।२३, ३१; ४७।६६;४८।१२
१४, १६; ४९।९, ३१; ५०।१८, २१, ३०, ५७;
५३।१८, २०, ३२, ५६; ५४।५०; ५५।३८; ५७।१,
१२, १९; ६१।२६, २९, ३२; ४०; ६२।१८; ६३।३,
६; ६५।२, ७, १७, २२, २८, ३२; ६६।१; ६७।१.
९, १३; ६८।१४, १६, १८, २०, २९, ४०, ५०;
६९।३१; ७६।३०; ७७।२४; ७८।१७, ३५; ७९।४,
७, ८, १२, १३, २९, ३४; ८२।१, २७, ३४;
८४।२, ६, ७, ३४, ५०, ५९, ६६; ८५।३, २८,
२९, ३४; ८६।१, ३, ४, ११; ८९।४०
११।१२।३३
१२।३।९; ७।७

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

रामकृष्ण— १।३।२३
१२।१२।३४
रामचन्द्र— १२।१२।२४
रामानुज— १०।३०।६, १२
रावन— ४।१।३६; १६।१६
७।१।४४
१०।७३।२०
१२।३।११
रावण— ६।६।३३; १०।१५, २०, २६ (एक राक्षस राज, वन० २७५।७) ॥
राष्ट्र— ६।१७।४
राष्ट्रपाल— ६।२४।२४
राष्ट्रपालिका— ६।२४।२५
राष्ट्रपानी— ६।२४।४२
राष्ट्रभृत— ५।७।२
राहू— ५।२३।७; २४।२
६।६।३७; १८।१३
८।१०।३१; २१।१६
रिपु— ६।२३।२०
रिपुञ्जय— ६।२१।२६; २४।४६
रुक्म— ६।२३।३४
रुक्मकेश— १०।५२।२२
रुक्मवती— १०।६१।१८
रुक्मी— १०।५२।२२, २५; ५४।१८, २६, ३१, ३६; ६०।१८; ६१।१८, २०, २३, २५, २७, २८, २६, ३०, ३२, ३३, ३६, ३६; ६०।३६, ३७ (एक श्रेष्ठ नरेश, आदि० ६७।७२) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

रुक्मबाहु— १०।५२।२२
रुक्ममाली— १०।५२।२२
रुक्मेयु— ९।२३।३४.
रुक्मरथ— १०।५२।२२
रुक्मिणी— ३।१।२८
१०।५२।१८, २२; ५३।२, ४; ५४।२०, ३२, ५९, ६०
५५।३८; ५६।३४; ६१।६, २४, २६, ३९; ७१।४१
७६।२; ९०।३०
११।३१।२०
१२।१२।३८
रुचक— ९।२३।३४
रुचि— १।३।१२
२।७।३
३।१२।५६; ३।१५
४।१।२, ३, ५ (अलकपुरी की एक अप्सरा, अनु० १६।४४) ॥
रुचिराश्व— ९।२१।२३, २४
रुद्र— ३।१२।१०, १३, १६; १४।३४, ३५; २६।६१, ६९
४।५।२; ६।५३; ७।६, ५२, ५६; १५।१७; २४।६८;
३०।१
५।२५।३
६।६।१८; १०।१५; १७।२६
७।१०।१; १०।५१; १२।२९
८।८।२७; १०।३४; १२।३१; १६।३२
९।४।८, ११; ९।७
१०।७।२९; १०।२; ३३।६; ३९।५३; ६३।३; ८२।२२

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

रुद्र— ११'४।५; १६।१३; ३०।३८; ३१।१०
१२।५।१; १०।३, १४; १३।१ (महादेवजी का एक नाम, उद्योग० ११७।१०) ॥

रुद्रगण— ६।६।१७; ७।२

रुद्राणी— ३।१२।१३
६।१७।२६ (पार्वतीजी का एक नाम, उद्योग० ११७।१०) ॥

रेणु— ६।१५।१२

रेणुका— ६।१५।१२; १६।२, १३

रेणुह्य— ६।२३।२१

रेमि— ६।२०।७

रेवत— ६।३।२७

रेवती— ६।१८।६
६।३।२६

रैवत— ५।१।२८
६।६।१७
८।५।२

रोचन— ४।१।१७
८।१।२०

रोचना— ६।२४।४५, ४६

रोचिष— ६।६।१६

रोचिष्यत्— ८।१।१६

रोमपाद— ६।२३।७, १०; २४।१, २

रोमश— ६।१५।१४

रोमहर्षण— १०।७८।२२
१२।७।६, ७

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

रोहिणी— ९।२४।२५, ४६
१०।१।८; २।७, ८, १५; ५।१७; ६।१९; ८।१२;
११।१२, १३, ३४; १५।४४; १७।१५; १८।२४;
२५।३०; ४४।१, ४१; ६१।१८; ८२।३६; ८३।६
११।३१।१८ (क्रोधवशा कुमारी सुरभि की पुत्री, सभा० ६६।६०) ॥

रोहित— ९।७।६, १६, १७, १८, २०; ८।१

रौद्राश्व— ९।२०।३ (ये राजा पुरु के द्वारा पौष्टी के गर्भ से उत्पन्न हुए थे, आदि० ९४।५) ॥

रौमहर्षणि— १।२।१

●

(ल)

लक्ष्मण— ५।१९।१, ६
६।८।१५
९।१०।२, ५, १९, २५, ४०, ४६; ११।१२
१०।५८।५७; ६८।१, ४३; ८३।६ (महाराजा दशरथ के चार पुत्रों में से एक, वन० २७४।७-८) ॥

लक्ष्मणाग्रज— ५।१९।७

लक्ष्मी— ४।१५।३, १६; २१।३८
५।१८।१५
६।९।३२
७।४।८
८।६।६; ८।२९
१०।३२।१४; ६०।४२; ८१।१५; ८८।१; ८९।८, ११
११।१६।३१ (समुद्र से प्रकट हुई देवी, आदि० १८।३५)

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

लता— ५।२।२३ (एक अप्सरा, आदि० २१५।२०) ॥
लम्बा— ६।६।४, ५ (स्कन्द की अनुचरी एक मातृका, शल्य० ४६।१८) ॥
लम्बोदर— १२।१।२२
लव— ६।११।११
लवण— ६।११।१४ (रामणीयक द्वीप में निवास करने वाला एक असुर, आदि० २७।२) ॥
लांगल— ६।१२।१४
लोकनाथ(कृ०)-१०।८३।२
लोकमाता— ६।१६।६
लोभ— ४।८।३
लोमधि— १२।१।२७
लोहितवर्ण(वर्ष) ५।२०।२१
लौगाक्षि— १२।६।७६

●

(व)

वक्र— ६।२३।१४; २४।२, ६, १० (एक राजा, आदि० १८६।१५) ॥
वक्रवाहन— ६।२२।३२
वङ्गिरि— १२।१।३२
वर्चा(राक्षस)- १२।११।४०
वज्र— १०।६०।३७
११।३१।२५ (इन्द्र का अस्त्र, वन० १००।२४) ॥
वज्रदंष्ट्र— ८।१०।२०

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

वज्रपाणि—	८।११।३
	६।६।१६
वज्रमित्र—	१२।११।१६
वज्रनाभ—	६।१२।२ (स्कन्द का एक सैनिक, शल्य० ४५।६३) ॥
वज्री—	२।१।३६
	६।१२।३, २६।२६ (एक सनातन विश्वेदेव, अनु० ६१।३३) ॥
वडव—	८।१३।६, १०
वडवा—	६।६।४० (एक त्रिभुवन विख्यात तीर्थ एवं नदी, वन० ८२।६२) ॥
वणिक्पथ—	११।१२।६
वत्स—	६।१७।६
वत्सवृद्ध—	६।१२।१०
वत्सासुर—	१२।१२।२६
वत्सक—	६।२४।२६, ४३
वत्सर—	४।१३।११, १२
वत्सप्रीति—	६।२।२४
वत्स्य—	६।२१।२३
वनमाली—	१०।३५।२४
वनस्पति (वर्षपति)—	५।२०।२१
वनेयु—	६।२०।५ (पुरुपुत्र रौद्राश्व के द्वारा मिश्रकेशी अप्सरा के गर्भ से उत्पन्न; आदि० ६४।८-११) ॥
वयुन—	६।६।२०
वयुना—	४।१।६३
वराह—	२।१३।२० (एक प्राचीन ऋषि, सभा० ४।१७) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

वरीयमान— ४।१।३८
वरुण— २।६।१३; १७।२५
३।१५।१४; २२।५९
५।२०।१९; २१।७, ९; २४।२३
६।६।३९; ८।१३; १८।४, ५
८।२।९; ५।१७; १०।२६, २८; ११।४२; १३।१८
वर— ९।२३।३
वरुण— ८।७।८, ९, १७, २१
१०।२८।२, ३; ७४।१३
११।१६।१७
१२।१३।१ (कश्यप द्वारा अदिति के गर्भ से उत्पन्न द्वादश आदित्यों में से एक, आदि० ६५।१५) ॥
वरुथप— १०।२२।३१
वर्ष— ९।२४।५१
वर्ष्य— १२।११।३७
वर्द्धन— १०।६१।१६
वलदेव— २।३।१
१०।१३।३९; १५।२, २८, ३०, ३४; १६।१६; १८।८, २८, ३०, ३२; २०।२५; २१।२; २४।१; २५।३३ २६।१०, ११; ३८।३२; ३९।१०; ४१।६, २९; ४२।२०; ४३।१६, ३९, ४०; ४४।१३, १९; ४६।११; ५२।१४; ६१।१५, २७, २८, २९, ३०, ३३, ३८, ३९; ६३।८; ६५।२०, ३०, ३३; ६७।१४, १७, २०; ६८।१९, २३, ४९; ७९।५, २०, ३०; ८४।६८
वलाक— ९।१५।४

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

वलाहक(अश्व)—६।८६।४८

वलस्थल— ६।१२।२

वल्कल— १।३।११

वशिष्ठ— १।१२।२२, २३, २४
२।२४।२३
६।७।७, २२; ६।१८, ३६; १०।१३, ३६; १३।१
१०।७४।७; ८४।४
११।१।१२; १६।२२
१२।११।३६ (एक प्रसिद्ध ब्रह्मर्षि, आदि० ६४।४०-४५)

वसिष्ठ— ४।१।३६; २४।४; २६।४३
६।१५।१३; १८।५

वसु— २।४।११; १२।११
४।१३।१२
५।२०।१४
६।४।१०
८।७।२
६।२।१७, १८; १५।४६; २४।५१, ५३
१०।५६।१२ (चेदि देश के राजा उपरिचर वसु, अनु० ६३।१-२) ॥

वसुहान— ५।२०।१४

वसुदेव— १।२।१२
२।१।१६, २५
४।३।२३
५।४।११

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

वसुदेव— १०।१।२३, २४, २६, ३६, ५५, ६२, ६६; २।७; ३।१०, ४६, ५२; ४।१४, २४, २५, २८; ५।२०; ७।३३; ८।१, १४; १६।४५; २६।१७; ३६।१७, १८, ३३; ३६।८; ४१।७, २४; ४३।२३; ४४।३२, ३३, ५१; ४७।३६; ४८।२४; ५०।२८; ५५।३८; ७७।२५; ८२।३३; ८४।२८, ३०, ४१, ४२, ६८; ८५।१, २६

१२।१।१८; १२।२७, ४२ (शूरसेन के पुत्र, सभा० २२।३६) ॥

वसुधा— ४।१७।२२, २८

वसुमान— ६।१५।२, १३

१०।६१।१२

वसुमित्र— १२।१।१५ (एक क्षत्रिय राजा, आदि० ६७।४१) ॥

वसुमृद्याद— ४।१।४०

वस्वनन्त— ६।१३।२५

व्याहृति— ६।१८।१

व्यास— १।२।४; ४।२४; ६।१; ७।१

३।५।१०

१०।८४।५७

११।१६।२८; २७।२, २६

१२।६।३६; १३।१६

व्रत— ४।१३।१६

व्रत्येयु— ६।२०।४

व्रजौफा— ३।२।२८

व्याघ्र— १२।११।३८

व्याध— १०।७२।२१

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

व्याध— ११।१२।६

व्युष्ट— ६।६।१६

व्योम— ६।२४।७३

१०।३७।२८

वाक्— ४।२५।२८

वाचस्पति— ६।७।८

वात(राक्षस)- १२।११।३६

वातापि— ६।१८।१५

८।१०।३२ (दुर्जय मणिमती नगरी के निवासी इल्वाल नामक दैत्य का छोटा भाई,वन० ६३।१-४)

वात्स्य— १२।६।५७ (एक वेद विद्या के पारंगत ऋषि, आदि० ५३।६-१०) ॥

वान— १।३।११

वाम— ४।३।८

६।८।१७

१०।६११।१७

वामन— ५।२४।१८

वामन(हस्ती)—५।२०।३६

वामन— ६।८।१३; १८।८

८।१८।२२, २३; १६।२८; २०।१६; २१।१४, २८; २३।२१, २४

१०।३।४२; ४०।१६

११।४।२०

१२।२।२० (कश्यप द्वारा कद्रू के गर्भ से उत्पन्न एक नाग, आदि० ३५।६) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

वामदेव— १।१२।१२
१०।७४।८; ८४।५; ८६।१८
११।१।१२ (एक महर्षि, सभा० ७।१७) ॥
वायु— २।८।३१; २१।५१; २६।५५
४।१०।२; १४।२६; १५।१५
५।२०।२७
८।५।१९; १०।२६; ११।४२ (वायु तत्व के अभिमानी देवता, आदि० ७२।१-४) ॥
वारिसार— १२।१।१२
वालखिल्य— ४।१।३८ (ब्रह्माजी के शक्तिशाली पुत्र महर्षि क्रतु से उत्पन्न हुए ऋषि, आदि० ६६।४-९) ॥
वालि— ६।१०।१२
वालिक— ६।६।४१
वाल्हीक— १।१५।१६
वाल्मीकि— ६।१८।५ (एक महर्षि, सभा० ७।१६) ॥
वार्षपर्वणि— ६।१८।३३
वार्ष्णेय— १०।४३।४०
वासनी— ८।८।३०
वासव— ७।७।३
वासवा— ६।६।१३
वासुकि— ५।२४।३१
११।१६।१८
१२।११।३३ (एक नागराज, आदि० ३५।५) ॥
वास्तु— ६।६।११, १५
वासुदेव— १।१।१२; २।७, २२; ३।३९; ५।९, ३१, ३७; ७।३२
८।२१; ९।४९...

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

वासुदेव— २।७।१२; ८।४; १२।५; १३।५; २२।३६; २४।४५;
३२।२३ ३३।२९
४।३।२३; ८।७, ४०, ५४; १७।८; ५२।३९; २४।२८
३४, ७४; २८।३९; २९।३७; ३०।२४, ४२
५।१।६, २७; ४।५; ५।६, ३५; ६।१६; ७।६, ७;
८।२९; ११।१३, १४; १२।११, १३; १६।३; १७।३;
१८।१; १९।६, २०; २३।४; २४।१९
६।१।१५, ३७; ६।८; ९।३२; १२।२१; १५।४, ३२;
१६।१८; १७।३१
७।१।१४, १६; ४।३६; १४।२
८।१०।१; १६।२०, २९, ४९; १७।३
९।२।११; ४।१७; ५।२५, २६; ९।१०; १५।१४;
१७।४; १८।५०; १९।२५; २१।१६
१०।१।१५, १६, २४; ८।१४; १०।२२, ३३, ३६;
१३।३६; २४।३८; २६।१७; २७।१०; ३३।३८;
३७।१०; ४०।२१, ३०; ४४।२१; ४६।१४; ४७।२३
५१।४, ४०; ५५।१; ५८।२३; ५९।२७; ६४।२८;
६६।१, २, ५; ७३।१६; ७४।४५; ८०।५; ८२।५,
२२; ८९।३०
११।४।२९; १६।२९
१२।२।२१, २२, ३८; ११।२१; १२।५८; १३।२०
(वसुदेवजी के पुत्र श्रीकृष्ण, सभा० ३८।२९) ॥
विकर्ण— १०।७५।६ (धृतराष्ट्र का एक महारथी पुत्र,
आदि० ६३।११९) ॥
विकुण्ठ— ३।१६।२७
विकुण्ठा— ८।५।४

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

विकुण्ठभर्ता— ३।१५।३४
विकुक्षि— ६।६।४, ६, ११
विचारु— १०।६१।६
विचित्र— ८।१३।३० एक क्षत्रिय राजा, आदि० ६७।६१) ॥
विचित्रवीर्य— ६।२२।२१, २३ (शान्तनु द्वारा सत्यवती के गर्भ से उत्पन्न एक राजा, आदि० ६५।४६-५०) ॥
विजय— १।६।३६
३।१।३६; १६।२
८।२१।१६
६।८।१; १३।२५; १५।१, ३; २३।१२; २४।६७
१०।५८।१३; ६१।१२
१२।१।२५ (एक प्राचीन राजा, आदि० १।२३३) ॥
विजया— ६।२२।३१
१०।२।११ (ये दशार्ह राज की पुत्री, आदि० ६५।३३)॥
विजिताश्व— ४।१६।१८; २२।५३; २४।१
वितथ— ६।२०।३६
विताना— ८।१३।३५
वित्तप— ५।१०।१७
विदर्भ— ५।४।१०
६।२३।३८; २४।१ (एक प्राचीन राजा, अनु० १३७।११) ॥
विदर्भराज— ४।२८।२८
विदुर— १।१३।१, १८, २६, ५६; १५।४६
३।१।४, १०; २।६; ४।२०, ३३; ५।२; ६।१४; ७।१, २, १५; ८।२०; १०।१, १४, २६; १२।३६; १३।२ ५; १४।१; २५।४

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

विदुर— ४।१३।१; १७।१८; ३१।३
 ६।२२।२५
 १०।५७।२; ५६।१, ६, १५; ७४।१०; ७५।६; ८२।२३
 १२।१२।८ (व्यास के द्वारा अम्बिका के गर्भ से उत्पन्न, आदि० ११४-६६) ॥
विदूरथ— ६।२२।१०; २४।१८, २६
 १०।७८।११ (एक वृष्णिवंशी क्षत्रिय, आदि० १८५।१६) ॥
विदेह— ११।२।१४, २६, २८ (राजा निमि, आदि० ११।२।२८)
विधाता— ३।८।१५
 ४।१।४२
 ५।२३।५
 ६।६।३६; १४।५४ (ये ब्रह्माजी के पुत्र हैं, आदि० ६६।५०) ॥
विधिसार— १२।१।१५
विद्युच्छत्र— १२।११।४१
विद्योता— ६।६।५ (अलकपुरी की एक अप्सरा, अनु० १६।४५)॥
विनता— ६।६।२१ (दक्ष की पुत्री, आदि० १६।५-६) ॥
विनायक— ६।६।१८
विधायक— ११।२७।२६
विन्द— १०।५८।३० (धृतराष्ट्र के सौ पुत्रों में से एक, आदि० ६७।६४) ॥
विन्दुमती— ५।१५।१५
विन्दुमान— ५।१५।१५
विन्ध्य— ८।५।२ (मध्य भारत का एक प्रसिद्ध पर्वत, आदि० २०८।७) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

विन्ध्यावलि— ८।२०।१७
वैन्य— ८।१६।२३
विपुल— ६।२४।४६
विभू(यज्ञपुत्र)
ब्रह्मा— ४।१।७; ६।४
विभु— ५।१५।६
६।१८।२
विभू— ८।१।२१; ५।३
विभु— १०।७०।१८ (शकुनि का भाई, द्रोण० १५७।२३-२६)॥
विभावसु— ४।३।७
६।६।११, १६, ३०
८।१०।३२; १८।२२
६।१४।४६
१०।५६।१२
११।१६।३४; २६।३१ (विवस्वान्, आदि० १।४२)॥
विभत्सु— १०।५८।१६
विभीषण— ४।१।३६
६।१०।१६, २६, ३२, ४२
११।१२।५ (एक यक्ष, सभा० १०।१७)॥
विमल— ६।१।४१
वियति— ६।१८।१
विकृति— ६।२४।४
विघृता— ८।१३।२६
विघृति— ८।१।२६
विप्रचित्त— ६।१८।१३
७।२।५

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

विप्रचित्ति— ३।३।३१, ३७
६।१०।१६, ३१
८।१०।१६; २१।१६
विप्रनाम— ५।२०।२४
विप्रष्ट— ६।२४।५०
विरज— ४।१।१४
५।१५।१५, १६
१२।६।५८ (द्वारका का एक प्रासाद, सभा० ३८।२६)॥
विरजस्क— ८।१३।११
विरजा— ४।१।४०
८।१३।१२ (कश्यप द्वारा कद्रू के गर्भ से उत्पन्न एक नाग, आदि० ३५।१३)॥
विराट्— १०।८२।२४ (मत्स्य देश के शत्रु दमन नरेश, आदि० ६७।८२)॥
विरिञ्च— १।२।२३; ११।५; १८।२१
३।७।२८; १०।४; १३।५५; १६।१
४।२।६; २४।२६
५।५।२२
६।१७।३२
७।६।१८, ३६
८।५।३६; ६।३, १६; ७।३१; १८।१
६।४।५२, ५५
११।३०।३८
विरिञ्चि— ६।३।१[illegible]
[illegible]।२०; ५१।३६; ६०।४४; ७४।१२
विरूत्सा— ५।१५।६

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

विरूप— ६।६।१
१०।६०।३४
विरूयाक्ष— ६।६।३१
विरोचन— ५।२४।१८
विरोचना— ५।१५।१५
विरोचन— ६।१८।१६
८।१०।१६, २०, २६; १३।१२ (प्रह्लादजी के तीन पुत्रों में से एक, आदि० ६५।१६-२०) ॥
विलोमा— ६।२४।१६
विवृति— ६।१२।३
विवस्वत— ६।१।३
विवस्वान्— ६।६।३६, ४०
८।२४।११
६।१।१०
१२।११।३८ (बारह आदित्यों में से एक लोकेश्वर सूर्य, आदि० ६५।१५) ॥
विविंशति— ६।२।२४, २५ (धृतराष्ट्र का एक महारथी पुत्र, आदि० ६३।११६-१२०) ॥
विश्रवा— ४।१।३५
७।१।४४
६।२।३२
विश्रुत— ६।१३।१६
विसूची— ८।१३।२३
विशपति— १०।१६।१८
विश्भरव— ६।६।१४
विश्भरवयूव—१२।१।१२

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

विशाद— ६।२१।२३
विशदण्ड— ६।२३।३१
विशाल— ६।२।३३, ३६
१०।२२।३१
विशालाक्ष— १०।८२।२५ (धृतराष्ट्र के सौ पुत्रों में से एक, आदि० ६७।१०१) ॥
विश्वकर्मा— ५।१।२४
६।६।१५; ६।५३; १०।१३
८।८।१६; १०।२६; १३।८; २२।३२
१०।५८।२४ (देवताओं के शिल्पी,आदि० ६६।२६-२८)
विश्वकृत— ६।१४।८
विष्वक्सेन— १।२।८; १५।५०
३।१३।३, ४६
४।६।४३; २०।१७; २२।६२
५।२०।४०
६।८।२६
८।१३।२३; २११६
६।२१।२५
११।२७।२६, ४३
विश्वग्— ४।११।१४
विश्वजीव— ५।१५।१३
विश्वदेव— ८।१०।३४
विश्वदेवगण— ६।६।७; ७।३
विश्व (विश्वावसु)— ६।३।१४
विश्व(गन्धर्व)-१२।११।४०

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

विश्वाभावन— ६।४।६१
विश्वरूप— ५।७।१
६।६।४४; ७।२५, ३४, ३८, ४०; ८।४२; ६।१, ५२; १३।५ (एक राक्षस, सभा० ६।१४) ॥
विश्ववाहु— ६।१२।७
विश्वसह— ६।६।४२
विश्वा— ६।६।४, ७
विश्वाधार— ५।२०।२५
विश्वामित्र— ८।१३।५
६।७।७, २२, २४; १०।५; १६।२६, ३५, ३७; २०।१३
१०।७४।८; ८४।३
११।१।१२
१२।११।४४ (एक तपस्वी महर्षि, आदि० ७१।२०) ॥
विश्वावसु— ३।२०।३६; २२।२७
४।१८।१७
७।४।१४
८।११।४१
११।१६।३३
१२।११।३७
विश्वेदेव— ६।६।१५ (देवताओं का एक गण, अनु० ६१।३०-३७)
विश्वेश्वर— ६।८।२२
विश्वाश्रुवा— ६।१०।१५
विष्णु— १।७।२१; १६।६, १७; १६।२, ३, ४
३।१।२३, ३३; ४।२५; ५।३८; ६।१४, २२; ७।२८; ८।१५, ४०; २२।३५; २६।६७; २८।३३; २६।३८; ३१।२१; ३३।८

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

विष्णु— ४।१।४, २६, ३२; ६।४०; ९।२७; ११।११; १२।२५, २६, ३५, ५२; १३।३५; १४।२६, ३२; १५।३; २१।४९; २२।८

५।२।१३; १४।१९; १५।६, १६; १७।१; २०।५; २२।१७; २३।८

६।१।२०, ३१, ३८; २।२, १०, २२; ४८; ३।१८, २९, ३१; ५।१; ८।१०, २०; १०।४; ११।२०; १३।१७; १७।४, ४०; १८।२३; १९।१, ६, ७, ९, १९

७।१।१९, ३३, ४७; २।९, ११; ५।७, १७, २३, २४ ३१, ३५, ३६; ६।२; ८।३९; १०।३५, ४६, ६१, ६२

८।४।७; ५।६, ४९; ७।२३; ८।३४, ४१; ११।२९, १२।१४, ३१; १३।६, ७, १३; १९।९, १८, २६, ४६, ५०, ५१, ५६, ५७; १९।६, ८; २०।११; २१।३, १०, १५, २५, २७; २३।२६

८।२४।४, ५८

९।४।४४; ५।१२, २८; ६।१४, १६; ७।३; २१।१५

१०।१।२, २५, ३८; ३।८, २४; ४।९, ३९; ५।१६; ६।२२, २९; ८।१८; १०।३०; १३।४२, ४४; २३।४९; २५।१९; २६।२१; ३३।३९; ७५।९; ३६।२९; ३८।१०; ४५।४४; ५०।४; ५१।२०; ५६।२६; ५७।२७, ४२; ५८।२०; ६६।४१; ७२।१२, २४, २५; ७४।५४; ७९।१८, ३४; ८२।३०; ८४।३५; ८५।५४; ८८।१२, ८९।१४

११।४।५, १७, १५।१५, १६।१३, ३०।३६, ३१।२७

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

विष्णु— १२।२।२९, ३।१७, ४७, ५२, ९।२९, ३३, ११।२९; ४५, १२।२, १९ (ये वसुदेवजी के द्वारा देवकी के गर्भ से श्रीकृष्ण रूप से अवतीर्ण हुए, आदि० ६३।९९-१०४) ॥

विष्णुदत्त— ५।९।२०

विष्णुमित्र— ५।१४।२४

विष्णुयशा— १।३।५
१२।२।१८

विष्णुरात— १।१२।१७, १९।२९
९।१८।२२
८।२४।४
१०।१।१४, ८०।५
११।२७।४५
१२।१३।२१

विषूची— ५।१५।१५

वीतहव्य— ९।१३।२६ (शर्याति वंशी वत्स के पुत्र, अनु० ३०।५-७) ॥

वीतिहोत्र— ५।१।२५, ३३, २०।३१
९।२।२०, १७।९, २३।९ (एक प्राचीन नरेश, आदि० १।२३३) ॥

वीतिहोत्रा— १७।७४।९

वीर्यवान्— ९।१७।१

वीर— ८।१।२८
१०।६१।१३, १४ (कश्यप पत्नी के गर्भ से उत्पन्न एक असुर, आदि० ६५।३३) ॥

वीरक— ८।२।८

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

वीरभद्र— ४।५।३, १७
वीरव्रत— ५।१५।१५
वीरसेन— १०।७४।६
वुद्ध— ६।८।१६
वुद्धि— ४।१।४८, ५०
वुध— ५।२२।१३; २३।७
८।१३।३३
वृक— ४।२२।५३; २४।२
७।२।१८
६।८।२; २४।२६ (एक राजा, आद्दि० १८५।१०) ॥
वृकोदर— ३।१।११
६।२२।२६
वृजिनवान्— ६।२३।३०
वृत्र— ६।६।१७, ५३
८।११।३५
१०।१५।१८, २७, ३०
११।३।७, ११
१२।४।५, ६, १८, २३, २४, २५, ३०, ३३, ३४
(कश्यप पत्नी वनायु के गर्भ से उत्पन्न एक असुर, आदि० ६५।३३) ॥
वृत्रहन्— १०।७६।७
वृत्रासुर— १२।१२।१८
वृद्ध— १।३।३४
वृद्धशर्मा— ६।२४।३७ (आयु के द्वारा स्वर्भानु कुमारी के गर्भ से उत्पन्न पाँच पुत्रों में से एक, आदि० ७५।२५-२६) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

वृजसेन— ६।२३।१४
वृद्धसेना— ५।१५।२
वृष— ६।२४।४२ (स्कन्द का एक सैनिक, शल्य० ४५।६०)॥
वृषभ— ६।२३।२७
१०।१८।२३, २४; २२।३१ (गान्धार राज का सुबल का पुत्र, भीष्म० ६०।३३-४७) ॥
वृषध्वज— ४।४।२३; ७।१०
८।१२।१ (प्रवीर वंश का एक कुलाङ्गर राजा, उद्योग० ७४।१६) ॥
वृषभध्वज— ७।१०।६१
वृषपर्व— ८।१०।३०
वृषपर्वा— ६।६।३१, ३२; १०।२०
६।१८।४, २६
११।११।१२, ५ (एक दानव, आदि० ६५।२४) ॥
वृषाकपि (महादेव)— ८।१०।३२
वृषाकपि(इन्द्र)–६।६।१७; १३।१०
वृषाकपि— १०।१।२० (भगवान् विष्णु का एक नाम, शान्ति० ३४२।८६) ॥
वृषाङ्क— ८।८।१
वृष्णि— १।३।२३; ८।४१; ६।१८; १४।२५
३।३।२५; ४।२
६।२३।२६; २४।३, ६, १२, १४, ६३
१०।१।११; ४५।१५ (एक यदुवंशी क्षत्रिय, आदि० २१७।१८) ॥
वृष्णिधुर्य— १०।३।१५

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

वृष्णिभोज— ३।४।२८
वृष्णिमान्— ६।२२।४१
व्युष्ट— ४।१३।१४
वेग— १०।७३।२०
वेगवान्— ६।२।३०
१०।६१।१३ (धृतराष्ट्र के कुल में उत्पन्न एक नाग, आदि० ५७।१७) ॥
वेदगुप्त— ६।२२।२२
वेदवाहु— १०।६०।३४
वेदशिर— ६।६।२०
वेदशिरा— ४।१।४४
६।१५।१४
८।१।२१; ५।३ (एक प्राचीन ऋषि, शान्ति० ६।१७)
वेदश्रुत— ८।१।२४
वेदिवत्— ४।२४।२७
वेद्याः— १०।१।२१
वेन— ४।१३।१८, २२, ४०; १४।२, ३, ७, १०, १३; ३३, ३४, ४६; १६।२, ११; २१।४६
७।१।१७, ३२ (वैवस्वत मनु के प्रथम दस पुत्रों में से एक, आदि० ७५।१५-१७) ॥
वेदमान(वर्ष०)–५।२०।२५
वैकुण्ठ— ३।१४।४८; १५।१३, १४; १६।३४
४।१२।२८, ४३
६।२।१४, ३३
वैकुण्ठ(विषयु)– ८।५।४; ७।३१, ४५

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

वैकुण्ठ— ११।३०।३७ (पाँच भूतों को मिलाने में जिसकी शक्ति कभी कुण्ठित नहीं होती भगवान् वैकुण्ठ, शान्ति० ३४२।८०) ॥
वैकुण्ठनाथ— ७।६।३६
वैकुण्ठपाद— ६।१७।१४
वैतसेन— ११।२६।३५
वैदर्भी— ४।२८।२६; ३४।४३
१०।५३।१, ३, ३१, ३८; ६०।१६, २६, ३२; ८३।६
(राजा सागर की पत्नी, अनु० १०६।१७-२३) ॥
वैदेह— ६।१३।१३
वैदेही— ६।१०।४६; ११।४
वैधृत— ८।१३।२५
वैन्य— ८।१६।२३
१०।६०।४१
वैयासकि— १।१८।३
६।३।२०
१०।१।१४; १२।४०
वैराज— ८।५।६ (सात पितरों में से एक, सभा० ११।४६) ॥
वैराटी— १।८।१४
वैरोचन— ८।११।२
वैरोचनि— ८।१६।१, ३०
वैवस्वत— ५।२६।६
६।१।३२
वैवस्वतमनु— ८।१३।३
६।२।१ (चौदह मनुओं में ये सातवें मनु हैं, आदि० ७५।१) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

वैशम्पायन— १।४।२१
१०।७४।८ (महर्षि वेदव्यास के शिष्य, आदि० ११२०-२१, ६८) ॥
वश्वदेव— ६।४।४
वैश्वानर-(दनुपुत्र)— ६।६।३३, ३४ (एक महर्षि, सभा० ७।१८) ॥
वैष्णवी— १०।२।११

●

(श)

शंकर— २।४।१६
३।३।११
४।१।३२; ४।१
६।१०।१६, ३१
७।२।४, १८
६।११।३७
१०।६२।१; ६३।७, ५३
११।१४।१५
१२।१२।६७ (एक सनातन विश्वेदेव, अनु० ६१।३५) ॥
शंकु— ६।२४।२४
१०।६१।१३ (एक यदुवंशी क्षत्रिय, आदि०१८५।१६)॥
शंकुशिरा— ६।६।३०; १०।१६
शंख— १०।३७।१६ (कश्यप द्वारा कद्रू के गर्भ से उत्पन्न एक नाग, आदि० ३५।३८) ॥
शंखचक्र-गदाधर— १०।५६।६

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

शंखचूड़— १०।३४।२५, ३२
१२।१२।३३
शकुन— ७।२।५
शकुनि— ७।२।१८
८।१०।२०
६।२४।५ (धृतराष्ट्र कुल में उत्पन्न एक नाग, आदि० ५७।१६) ॥
शकुन्तला— ६।२०।१६, २१, २२ (महर्षि कण्व की पोषित पुत्री, आदि० ७१ अध्याय) ॥
शक्र— ४।६।२१; २४।३
६।६।३६; १०।१५, १८; ११।२०, २३; १२।१६; १७।१; १८।५६, ६१
८।१०।४२; ११।१, ३७; १६।३२
६।१३।१
१०।६८।३४
११।४।१६, १६
१२।६।१६; ८।२३, २५; १२।३२, ६७
शक्ति— ४।१।४० (महर्षि वशिष्ठ के कुल की वृद्धि करने वाले महामनस्वी पुत्र, आदि० १७५।६) ॥
शण्डा— ७।५।१, ४८
शतक्रतु— ४।१६।२; २०।१८
६।८।४२
शतद्रुति— ४।२४।११, १३
शतधनु— ६।२४।२७
शतधन्वा— १०।५११३, १०, १८, २७
१२।१।२३

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

शतद्युम्न— ९।१३।२१

शतधृति(ब्रह्मा)–३।२४।२१

७।४।१

९।१०।३३

११।४।५

शतबाहु— ७।२।४

शतमन्यु— १।८।६

शतरूपा— ३।१२।५३, ५५; २१।२६; २२।२३

४।१।१, २; ८।७

८।१।७

११।१६।२५

१२।१२।१२

शतसेन— १०।९०।३८

शताजित्— ९।२३।२१; २४।८

१०।६१।११

११।३०।१७

(यक्ष)— १२।११।४३

शतानन्द— ९।२१।३४

१०।८४।३ (एक दिव्य महर्षि, अनु० २६।८) ॥

शतानीक— ९।२२।२९, ३८, ४३ (नकुल द्वारा द्रौपदी के गर्भ से उत्पन्न, आदि० ६३।१२३) ॥

शत्राजित— ९।२४।१३

शत्रुघ्न— ९।१०।२, ४३; ११।१३, १४; २४।१७ (महाराज दशरथ के पुत्र, वन० २७४।७-८) ॥

शत्रुजित्— १।१४।२९

९।१७।६

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

शनि— ८।१०।३३

शनैश्चर— ६।६।४१

८।१३।१०

शन्तनु— १२।२।३७; ३।१०; १२।२६

शवलाश्व— ६।५।२४ (महाराज कुरु के पौत्र,
आदि० ६४।५२-५३) ॥

शमीक— ६।१४।२६, ४४

शम्बर— ८।६।३१; १०।१६, २६

१०।३६।३६; ५५।३, ५, ८, १२, १३, १७, २४, ३६

१२।३।११; १२।४० (एक दानव, आदि० ६५।२२) ॥

शम्भु— ४।७।६०

६।३।२०

७।१०।६५

८।६।१८; ७।४५; १३।२२, २३

६।६।१

१०।४।३६; ६२।२; ८८।२३, २४ (एक प्राचीन राजा,
आदि० १।२३४) ॥

श्यामक— ६।२४।२६, ४२

श्यामसुन्दर— १०।२२।?५

शरद्वान्— १।१६।८

६।२१।३५

शर्मिष्ठा— ६।६।३२

६।१८।६, १०, १५, १७, २४, २६, ३०, ३६ (दानव
राज वृष पर्वा की पुत्री, आदि० ७८।६) ॥

शर्याति— ८।१३।२

६।१।१२; ३।१, ८, १८, २७

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

शर्याति— १२।३।१०; १२।२३ (एक प्राचीन नरेश,
आदि० १।२२६) ॥
शर्व— ४।२।६, २४; ७।५०; १।६।४
६।१५।२८
८।६।३, ७; २३।६, २६
६।१।२५; ४।५५
१०।३५।१५; ७१।८
शर्वरी— ६।६।१४
शर्वा— १२।१०।३५
शल— १।१५।१६
६।२२।१६
१०।३६।२१; ४२।३७; ४४।२७, २८; ६८।५ (वासुकि
वंश में उत्पन्न एक नाग, आदि० ५७।५) ॥
शल्य— १।१५।१५
१०।८२।२४
श्वफल्क— ३।१।३२
६।२४।१५
श्वफल्कतनय—१०।३८।२४
श्वाफल्कि— ११।१२।१०
शशांकशेखर— ४।६।४१
शशविन्दु— ६।६।३८; २३।३१
शशाद— ६।६।११
१२।१२।२२ (महाराज इक्ष्वाकु के परम धर्मात्मा पुत्र,
वन० २०२।१) ॥
श्रद्धा— ३।२४।२२
४।१।३३, ४८, ४६
६।१।११, १४

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

श्रवण(मुरपुत्र) १०।५६।१२
शांकल्य— १२।६।५७
शान्तकर्ण— १२।१।२१
शान्तनु— ६।२१।३६; २५।१२, १३, १४, १५, १६, २०
(महाराज प्रतीप के द्वितीय पुत्र, आदि० ६४।६१)॥
शान्तरजा— ६।१७।१२
शान्तसेन— १०।६०।३८
शान्ता— ६।२३।८ (राजा लोमपाद की गोद ली हुई पुत्री,
वन० ११०।२६)॥
शान्ति— ३।२४।२४
४।१।७, ४८, ४६
६।२१।३०
१०।६१।१४
शान्तिकल्प— १२।७।४
शान्तिदेवा— ६।२४।२३, ५०
शारद्वत— ६।१६।३
शारदा— १०।२।१२
शाल— ६।२४।४३
शालिशूक— १२।१।१३
शालीय— १२।६।५७
शाल्व— ३।३।१०
१०।५२।१७; ५३।१७; ७०।१८; ७३।२, ३, ५, ७, ६,
१६, १८, १६, २३, २५; ७७।५, ६, १०, १२,
२४, २८, ३३, ३४, ३५; ७८।१।१३
११।५।४८
१२।१२।४० (एक क्षत्रिय नरेश, आदि० ६७।१६-१७)

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

(शिव)— १०।४०।८; ७६।१६; ८८।१, ३, १२, २३, ३७
१२।८।१२; १०।११, २७; १२।३६
शार्ङ्गधन्वा— ४।१०।३०; १२।२४
८।१२।४५
१०।५५।३३, ५६।१
श्राद्धदेव— ६।६।४०
८।१२।१, ६; २४।११
६।१।११
(मनु)— ६।१।११, १३, १४
श्रावस्त— ६।६।२१
शिखण्डिनी— ४।२४।३ (राजा द्रुपद की कन्या, उद्योग० १८८।४-१४)।।
शितिकण्ठ— ४।३।१२; ४।१८; २४।२५
शिनि— ६।२१।१६; २४।१२, १३, २६ (देठमीठ के वंशज एक प्रधान यादव, द्रोण० १४४।६-१०)।।
शिव— १।६।२६; १४।१२
३।१२।१२; १४।३५; ३८।२२
४।४।१४, १६; ६।३३, ४५; २२।८; २४।१७, ३२; ३१।६
६।१७।३६
८।४।१८; ७।२३; १६।३२
६।६।८ (सच्चिदानन्द घन परमात्मा, आदि० १।२२)।।
शिवस्कन्ध— १२।१।२५
शिवस्वाति— १२।१।२४
शिवि— ४।१३।१६
८।२०।७
६।२३।३, ४

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

शिशिर— १२।६।५७
शिशुनन्दि— १२।१।४, ६
शिशुनाग— १२।१।४, ६
शिशुपाल— १।५३।७; ५४।१०; ७४।४१, ४४; ७७।६; ७८।१;
११।५।५८
१२।१२।४० (चेदिदेश का एक प्रसिद्ध राजा,
आदि० ६७।५) ॥
शिशुपालि— ६।२४।४०
शिशुभार— ४।१०।१
६।६।१४
श्रियःपति— १०।५८।४४
शीरध्वज— ६।१३।१८
श्री— ३।३।३; १५।२१
४।१।४२; १५।६; २०।२६; २३।२५; २५।२६
६।२।४४; ६।३, ६, १३, १५, २८; १८।३३, ५२
७।६।२; ११।२६
८।४।२०; ५।४०; ८।१४, २५, २८; ६।१८; ११।४४;
१६।३१; २३।६
६।४।६० (भगवान् विष्णु की पत्नी लक्ष्मी) ॥
१०।३।५०; ६।६; २३।४७; २६।३७, ३६; ३१।५, ७,
६, १७; ३८।८, १४; ३६।२५; ४२।२४; ४७।२०,
४८, ५०, ६२; ५८।३७; ६८।३६, ३७; ६६।१०;
८१।२५; ८२।२६; ८३।८, १२, ४२; ८६।५६
११।४।१३, ६।१२; १४।१५; १५।२०
श्रीदेवा— ६।२४।२३, ५१
श्रीधर— १२।१२।५४

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

श्रीनिवास— ११।६।३१
३।७।२८
४।७।३६
६।१८।६५; १६।१५
६।४।६०
श्रीपति— १०।८०।६
श्रीपाद— १०।१८।२३, २४; २२।३१
श्रीभानु— १०।६१।११
श्रीवत्सधामा— ६।८।२२
श्रीश— १०।६८।३६
श्रीहरि— १२।१२।२३
शुक— १।१।३; ४।२
७।१।११; १५।७८
६।१।६; २१।२५
१०।७६।१४; ८२।६
११।१७।८; २६।७, ३५; ३।११ (शर्यातिवंशज पृषत के पुत्र, आदि० १२३।३१) ॥
शुकदेव— ११।६।३१
१२।११।२७; १२।६; १३।१६ (व्यासजी के पुत्र तथा शिष्य, आदि० १।१४०) ॥
शुक्र— ८।१५।६
६।१४।५; १८।३२, ३६ (एक राक्षस, अनु० १४।२१४) ॥
शुकी— ४।२४।११ (ताम्रा की पुत्री, आदि० ६६।५६-५६) ॥
शुचि— ४।१।५६; २४।४
८।१३।३४
६।१३।२२; १७।११; २२।४७; २४।१६

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

शुचिरथ— ६।२२।४०

शुचिश्रवा— ८।२१।३ (भगवान् श्रीकृष्ण का नाम, शान्ति० ३४२।६१) ॥

शुद्ध— ८।१३।३८
६।१७।११

शुद्धोद— ६।१२।१४

शुनक— ६।१३।२६; १७।३
१२।१।१; ७।२, ३ (एक महर्षि, आदि० ५।१०) ॥

शुनःशेफ— ६।७।२०, २३; १६।३०, ३२

शुभ— ८।५।४

शुम्भ— ८।१०।२१, ३१

शुम्ह— ६।२३।५

शुल्क— ४।२४।८

श्रुत— ६।६।१६; १३।२५
१०।६१।१४

श्रुतकर्मा— ६।२२।३०

श्रुतकीर्ति— ६।२२।२६; २४।३०, ३८

श्रुतञ्जय— ६।१५।२

श्रुतदेव— ६।१५।१५
८।१७।२७
१०।८६।२४, २५, ३८, ४३; ६०।३४

श्रुतदेवा— ६।२४।३०, ३७

श्रुतमुख्य— ६।२४।५३

श्रुतसेन— ६।११।१३; २२।२६, ३५

श्रुतश्रवा— ६।२२।६, ४६; २४।३०, ३८

श्रुतायु— ६।१३।२३

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

शून्यबन्धु— ६।२।३३; ३।१, २६
शूर— ६।२४।२६, २७, ३१, ४८
१०।६१।१७ (एक प्राचीन नरेश, आदि० १।२३२) ॥
शूरनन्दन-
(वसुदेव)— १०।४६।१६
शूरभू— ६।२४।२५
शूरभूमि— ६।२४।४२
शूरसेन— ६।२३।२७; २४।६३
१०।१।२७ (वसुदेवजी के पिता, आदि० ६७।१२६) ॥
शूर्पणखा— ६।१०।४
शूलपाणि— १।१५।१२
८।१२।१४
शेष— ६।१६।२६
१०।२।८; ३।४६
शैव्य(अश्व)—१०।८६।४८ (एक प्राचीन राजा, आदि० १।२२५) ॥
शैव्या— ८।२३।३५, ३८
१०।७१।४२; ८३।६ (राजा सगर की एक पत्नी,
वन० १०६।२०) ॥
शोक— ६।६।११
श्रोता(यक्ष)— १२।११।३७
शोल्कपनि— १२।७।२
शौनक— १।४।१
६।१७।३; २२।३८
१२।४।४३ (भृगुवंश में उत्पन्न एक महर्षि,
आदि० १।१६) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

शौरि— ३।१।२७
१०।१।५२, ५९; ३।४७, ५१; ५।३२; ६।१; ३२।२, ४
५८।४६; ६६।१९; ७१।२०; ७७।१३, १५, ३३;
८२।२६; ९०।२४
११।३१।३ (शूर के पुत्र वसुदेव, द्रोण० १४४।७) ॥

●

(स)

संकट— ६।६।६
संकल्प— ६।६।१०
संकल्पा— ६।६।४, १०
संकर्षण— १०।१।८; २।१३; ८।१२; १५।१०; २०।२९; २३।२४;
३८।३७; ४०।२१; ४१।१९, ३९; ४५।१०, २०;
४७।४९; ४८।३६; ५०।१२, २७, ४५; ५४।६, ३६;
६१।३७; ६५।१६; ६७।१८; ७१।१३; ७८।२९;
८५।१, ३, १२।११, २१; ८९।३०, ३२
११।४।२९; १४।१५; ३०।४६ (बलदेव, सभा० २२।३६)
संकृति— ९।१७।१७; २१।१, २ (एक प्राचीन नरेश,
आदि० १।२३४) ॥
संगत— १२।१।१३
संग्रामजित— १०।६१।१७
११।३०।१६
संजय— १।१३।३२
१०।८२।२३ (गवल्गण नामक सूत के पुत्र,
आदि० ६३।९७) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

संज्ञा— ६।६।४०
८।१३।८, ९
९।१।११
संयमा— ९।२।३७
संयाति— ९।१८।१; २०।३
संवरण— ६।६।४१
९।२२।४
संवर्त— ९।२।२६
संहाद— ६।१८।१३, १४
सगण— ९।१२।२
सगर— ९।८।४, ५
१०।४१।१५
१२।३।९; १२।२३
सङ्कर्षण— १।५।३७
४।२४।३५
५।१७।१६; २५।१, ३
६।११।२१; १५।२१; १६।१८
९।२४।५४, ६०
सती— ४।१।६४; २।१, ३; ३।५; ४।३, ८, २७, २८, २९
६।६।१९; १७।१६, २४
८।७।३६
सत्कर्मा— ९।२३।१२
सत्य— ४।२४।८
८।१।२४; १३।२२ (एक ऋषि, सभा० ४।१०) ॥
सत्यक— ८।१।२८
९।२४।१३
१०।६१।१७

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IK

सत्यकेतु— ९।१७।१८

सत्याजित— ९।२२।४९; २४।४१
१२।११।४४

सत्यधर्म— ८।१३।२४

सत्य धृति— ९।२१।२७, ३५

सत्या— ५।१५।१५
१०।५८।३२, ५५; ७१।४१

सत्यभामा— ३।१।३५
१०।५६।८४; ५७।७; ५९।४०; ६१।११; ८३।६

सत्यव्रत— ५।२०।१४
८।११।२५; ३४।१०, १३, ३१, ५५, ५८, ५९
९।१।२; ७।५ (एक प्राचीन नरेश, आदि० १।२३६)॥

सत्यवान्— ४।१३।१६

सत्यवती— १।३।२१
२।७।३४
९।१५।५, ९, ११
१२।६।४९ (अद्रिका नामक अप्सरा के गर्भ से उत्पन्न एक राजकन्या, आदि० ६३।५०-६९) ॥

सत्यजित— ८।१।२४, २६

सत्यरथ— ९।१३।२४

सत्यवती सुत— ३।५।२०

सत्यश्रवा— ९।२।२०

सत्यहित— ९।२२।७

सत्यायु— ९।१५।१२

सत्येयु— ९।२०।४

सत्यसहा— ८।१३।२९

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

सत्यसेन— ८।१।२५ (धृतराष्ट्र का एक पुत्र, आदि० ६७।१००)॥
सत्यजिह्व— ५।२०।२
सप्तर्द्दन— ६।२४।३८
सप्तर्षि— ५।१७।३; २१।१७; २३।५
सनक— ३।१२।४; १५।१२
४।८।१; १६।६; २६।४२
१०।३६।५३
११।१३।१५, १६, ४१
सनतकुमार— ३।८।७; १२।४
४।१६।२५; १७।५; २२।१७, ४१; २३।६
६।८।१७
८।१८।२२
६।४।५७ (एक ऋषि, आदि० ६७।१५२) ॥
सनन्द— ३।१२।४
४।६।३०
सनन्दन— ७।१।३६
८।२१।१
६।८।२३
सनन्दनादि— ४।६।३४
सनातन— ३।१२।४
१०।८५।३ (एक महर्षि, सभा० ४।१६) ॥
सनार्द्दन— १०।५८।५६; ७५।६
सन्दीपनि— ३।३।२
सन्धि— ६।१२।७
सन्नतेयु— ६।२७।४
सन्निवेश— ६।६।४४

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

सन्तोष— ४।१।७

सन्नतिमान— ६।२१।२८

सभानर— ६।२३।१

सम— ६।२२।४८ (धृतराष्ट्र के सौ पुत्रों में से एक, आदि० ६७।९६) ।।

समनन्तर— ६।१८।४

समरथ— ६।१३।२४ (राजा विराट के भाई, द्रोण० १५८।४२)।।

समुद्र— ४।१५।१९

सम्बरण— ८।१३।१०

सम्मर्दन— ६।२४।५४

सम्भूति— ६।२३।१२

सम्वत्सर— ५।१८।१७

सम्राट— ५।१५।१४

सरघा— ५।१५।१५

सरमा(इन्द्रदूती)५।२४।३०

६।६।२६ (देवलोक की कुतिया, आदि० ३।१) ।।

सरस्वती— १।२।४; ४।१५

२।४।२२

८।८।१६; १३।१७; १८।१६

१०।२।१९ (एक देवी, आदि० १ मङ्गलाचरण) ।।

सरूपा— ६।६।१७

सर्पि(रुद्राणी)—३।१२।१३

सर्वतेजा— ४।१३।१४

सवन— ५।१।२५, २६ (महर्षि भृगु के सात पुत्रों में से एक, अनु० ८५।१२९) ।।

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

सविता— ५।२१।१५; २४।१
६।६।३६; १८।१
८।८।२३; १०।२६
१०।५८।२० (बारह आदित्यों में से एक,
आदि० ६५।१५) ॥
सव्यसाची
(अर्जुन)— १०।७२।१३
सर्वंगत— ६।२२।३१
सह— ६।६।१२
१०।६१।५१ (धृतराष्ट्र के सौ पुत्रों में से एक,
आदि० ११६।२) ॥
सहजन्य(राक्षस)१२।११।३६
सहदेव— १।७।५०
६।१२।११; १७।१७; २२।२३, २८, ३०, ५२
१०।७२।१३; ७३।२५, ३१; ७४।१८, २५; ७५।४
(पाण्डु के क्षेत्रज पुत्र, आदि० १।११४) ॥
सहस्राक्ष— ६।७।४०; ८।१; १३।१४; १४।७
सहस्रजित— ६।२३।२०; २४।८
१०।६१।११
११।३०।१७ (एक महायशस्वी राजर्षि,
शान्ति० २३४।३१) ॥
सहस्रानीक— ६।२२।३६
सहस्रशीर्ष— ६।१४।२
सहस्रशीर्षा— ३।१३।५
सहिष्णु— ४।१।३७
स्कन्द— १०।६३।१५
११।१६।२२

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

स्कन्ध— ६।६।१४
स्तुति-- ५।१५।५
स्तनयित्नु(मेघ) ६।६।५
स्थंडिलेयु— ६।२०।४
स्वधा— ३।१२।१३
४।१।६२, ६३
६।६।१६
स्वधामा— ६।१३।२६
स्मय— ४।१।४६
स्मर— १०।८५।५१
स्मृति— ४।१।५०
स्वभुव(ब्रह्मा)–१०।१४।४२
स्वयम्भू— ३।८।१५; १२।२, २३, २८, ५३; २४।६; ३२।६
४।६।२; १७।२४; १६।२६; ३०।४१, ४७
६।३।२०; ४।४८; ६।१; ६।२३; १६।२६
७।११।१
६।१।६
११।६।३२; १३।१८
स्वर्धुनी(गंगा)- ६।६।१४
स्वर्भानु— ५।२४।१
६।६।३०, ३२
१०।६१।१०
स्वराट्(इन्द्र)— ७।१५।५४
८।१०।२५
स्वर्ग— ६।६।६
स्वर्णरोम— ६।१३।१७

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

स्वाति— ४।१३।१७
स्वायम्भुव— २।७।२
३।१२।५३; १।३।२; २०।१, १०; २१।१, २; २२।३४
(मनु)— ४।१।५, ८; ८।८; ११।३५
(नारद)— ४।३१।२३
६।१।३; ४।१
८।१।१, ४
११।२।१५; १६।२५
१२।१२।११
स्वाहा— ४।१।५९
स्वह्नः— ४।१।७
स्वाहि— ९।२३।३१
स्वारोचिष— ८।१।१९
स्व्यक्ष— ७।२।४
सात्वत— ८।११।१७
९।२४।६, ७ (यदुकुल में उत्पन्न एक श्रेष्ठ महापुरुष, समा० २।३०) ॥
सात्यकि— १।१०।१८
९।२४।१४
१०।५८।६, २८; ६३।८, १७; ७०।१५; ७६।१४; ७७।४
११।३०।१६
सात्वतपति
(कृष)— १०।६९।१३; ७५।८
साध्य— ६।६।१५; ७।३ (एक देवतागण, आदि० १।३५) ॥
साध्या— ६।६।४, ७
साध्यागण— ६।६।७

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

सान्दीपनि— १०।४५।३१; ८०।३६
१२।१२।३५
साम्ब— ३।१।३०
१०।६१।११, २६; ६३।३, ८; ६८।१; ६८।१, ६, ४३;
७५।२६; ७६।१४; ७७।४; ८२।६; ९०।३३
११।१।१४, १७; ३०।१६ (भगवान् श्रीकृष्ण द्वारा जाम्बवती के गर्भ से उत्पन्न पुत्र, आदि० १८५।१७)
साम्वर्तक— १०।२५।२
सार्य— ४।१३।१३
६।१८।३
सारण— ३।१५।२८
६।२४।४६
१०।६३।३; ७६।१४; ८२।६ (एक यदुवंशी क्षत्रिय, आदि० २१८।१७) ॥
सारमेय— ६।२४।१६ (कश्यप पत्नी सरमा का पुत्र सारमेय, आदि० ३।१) ॥
सार्वणि— ५।१६।६ १०; ६।४१
८।१३।१०; ११; २२।३१
१२।७।३, ५, ७
सावित्री— ४।२।११
६।२८।१ (सूर्य देवता की पुत्री एवं ब्रह्माजी की पत्नीं, आदि० १७०।७) ॥
सार्वभौम— ८।१३।१७
६।२२।१०
सिद्धचारण— ६।७।३
सिद्धि— ६।१८।२ (एक देवी, आदि० ६७।१६०) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

सिन्धुद्वीप— ६।६।१६ (एक प्राचीन राजर्षि, शल्य० ३९।३७) ॥
सिनीवाली— ४।१।३३
६।१८।३
सिंह— १०।६१।१५
सिंहिका— ६।६।३७; १८।१३
सीता— ५।१६।१, ५
६।१०।६, ७; ११।६, १५, १८, ३५
१०।२०।२७; ४०।४३, ५५ (महाराज जनक की पुत्री, सभा० ३८।२९) ॥
सीतापति— ६।१०।१३
१०।८३।१०
११।४।२१
सुकृत— ८।१३।२२
सुकन्या— ६।३।२, ७ (राजा शर्याति की सुन्दरी पुत्री, वन० १२२।६) ॥
सुकर्मा— ८।१३।२१
६।२४।१६
१२।६।७६ (विधाता स्कन्द को दिये गये दो पार्षदों में से एक, शल्य० ४५।४२) ॥
सुकुमार— ६।१७।९ (तक्षक कुल में उत्पन्न एक नाग, आदि० ५७।९) ॥
सुकेतु— ६।१३।१४ (एक राजा, आदि० १८५।९) ॥
सुख— ४।१।४९
सुखीनल— ६।२२।४१
सुग्रीव(अश्व)—६।१०।१६; १९।४२
१०।६७।२; ८९।४८

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

(अश्व)—११।१२।६ (वानरों में से एक राजा, वन० १४७।२८-२९) ॥

सुद्यु— ६।२०।३

सुद्युम्न— ८।५।७

६।१।२२; २।१; २६।३६, ३७, ३९

१२।१२।२१

सुचारु— १०।६१।१८ (धृतराष्ट्र का एक पुत्र, भीष्म० ७९।२२-२३) ॥

सुचावा— ६।२४।१७

सुचन्द्र— १०।८२।६

सुज्येष्ठ— १२।१।१५

सुतपा— ८।१३।१२

६।१२।१२; २३।४

१०।३।३१

सुतञ्जय— ६।२२।४७

सुत्वान— १२।६।१५

सुत्रामा— ८।१३।३१

सुदर्शन(चक्र)— १।६।७

६।२।१८; १२।५

१०।३४।१२, १८

११।१६।२९ (भगवान नारायण, आदि० १९।२०-२९)

सुदामनी— ६।२४।४४

(विद्याधर)— ११।१६।२९

सुदक्षिण— १०।६६।२७, २८, ४०

सुदामा— १०।४१।४३, ४९ (दशार्ण के एक महामना नरेश, वन० ९६।१४-१५) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

सुदास— ६।२२।१, ४३
सुदेव— ४।१।७
६।८।१; २४।२२ (विदर्भ नरेश द्वारा दमयन्ती की खोज में नियुक्त दिये गये ब्राह्मणों में से एक, वन० ६८।२-३०) ॥
सुदेष्या— १०।६।१८
सुव्रत— ६।१३।१५
सुव्रति— ६।२।२६
सुधनु— ६।२२।५
सुधन्वा— ६।२१।३७ (महर्षि अङ्गिरा के पुत्र, सभा० ६८।६५-८७) ॥
सुधामा(वर्ष)— ५।२०।२१
सुधीर— ६।२३।३
सुपर्ण— ३।१।३६; ३।३; ५।४१; २१।२२
४।१।२४
६।४।३६
८।४।१६; ५।२६; ६।३६; १०।५४; १६।१, ३, ६, ८; ५८।५७; ५६।१७
११।१६।१५
सुपर्णा— ६।६।२२
सुप्रतीक— ६।१२।११
सुप्रभा— ६।६।३२ (भगवान् श्रीकृष्ण की एक पटरानी, सभा० ३८।२६) ॥
सुपार्श्व— ६।२१।२७, २८
सुपार्श्वक— ६।१३।२३
सुबल— १।१३।३०
६।२२।४८

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

सुबल— १०।१५।२०; २२।२१ (एक प्राचीन नरेश, आदि० १।२३६) ॥

सुबाहु— २।१६।६
६।११।३
१०।६१।१४; ६०।३८ (कश्यप और कद्रू की परम्परा में उत्पन्न एक प्रमुख नाग, आदि० ३५।१४) ॥

सुनन्द— ८।२१।१६; २२।१५
१०।३४।४; ३६।५३; ८६।५६
११।२७।२८

सुनक्षत्र— ६।१२।१२; २२।४७

सुनय— ६।२२।४२

सुनन्दन— १०।६०।३४
१२।१।२३

सुनामा— ६।२४।२४

सुनीथ— ६।१७।८; २२।४१, ४६

स्वर्वीथी— ४।१३।१२

सुनीथा— ४।१३।१८, २४।७

सुनीति— ४।८।८, १५

सुभद्र— ६।२४।४७
१०।६१।१७
११।३०।१६

सुभद्रा— १।१०।६; १३।४
६।२२।३३; २४।५५

सुभानु— १०।६१।१०

सुभाषण— ६।१३।२५

सुमन— ५।१५।१५

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

सुमन्त— ४।१३।१७
१०।७४।७
सुमन्तमुनि— १।४।२२
सुमन्तु— १२।६।५३, ७५; ७।१ (एक ऋषि, आदि० ६३।८६) ॥
सुमति— ५।१५।१४
६।२।१७, ३६; ८।८; २०।६, ७; २१।२८; २२।४८
१०।७४।८
सुमित्र— ६।१२।१५, १६; २४।१२, ४४
१०।६१।११
११।३०।१६ (एक प्राचीन नरेश, आदि० १।२३६) ॥
सुमालि— ६।१०।२१
सुमाली— ८।१०।५७
सुमाल्य— १२।१।१०
सुयज्ञ— २।७।२
७।२।२८, ४४, ५८
सुयशा— १२।१।१३ (प्रसेनजित् की पुत्री, आदि० ९५।२०) ॥
सुयोधन— १।१५।७।२६
सुरऋषि(नारद)७।१।१५
सुर्षि— ७।१।१३; ६।२८
सुरराज— ९।१०।१७
सुरसा— ६।६।२५, २८
सुरथ— ६।२२।६
११।३०।१६ (एक राजा, आदि० ६७।६२) ॥
सुरति— १०।२७।१, २२
सुरथनय— ६।१२।१५
सुरभि— ६।६।२६, २७ (कामधेनु नामक गौ, आदि० १८।३६)

CC-0. In.Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

सुरर्षभ(महादेव) ८।१२।३०
सुरान्तक— ६।१०।१८
सुरेश— ५।१६।२३
६।११।१६
१०।३६।५३ (तप नामधारी पाञ्चजन्य नामक अग्नि के पुत्र, वन० २२०।१३) ॥
सुरेन्द्र— ६।१२।१
१०।५६।३८
सुरुचि— ४।८।८, ६; ६।४१, ४६; १०।१८, ३३
सुरोचि— ४।१।४०
(यक्ष)— १२।११।३६
सुवंश— ६।२४।५१
सुवर्चला— ५।१५।३, ५ (महर्षि देवल की पुत्री, शान्ति ०२२०)॥
सुव्रत— १।५।३३
६।२२।४८
सुवासन— ८।१३।२२
सुवीर— ६।२४।४१ (एक राजा, आदि० ६७।६०) ॥
सुवोधन— ३।१।१४; ३।१३
सुशर्मा— १०।८२।२५
१२।१।१६, २० (वृद्ध क्षेम का पुत्र, आदि० १८५।६)॥
सुशान्ति— ६।२१।३१
सुषेण— १।१४।३१
(सर्प)— ५।२४।२६
८।१।१६
६।२२।४१; २४।५४
१२।११।३६

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

सुहु— ६।२४।२४

सुहोत्र— ६।१७।२; २२।५, ३१

सूत— १।१।५, ७, १२, १४; ४।१; २, ६; ७।१; १३।३, ३०; १४।१; १६।१, ११; १७।१; १८।११
२।१०।४६
१०।७६।२७, ३२; ७७।३
१२।४।४३; ८।१ (एक ऋषि, शान्ति० ४७।१२) ॥

सूत्रायण— ६।१८।२२

सूनृता(विधृता)-८।१३।२६

सूर्य— ६।२४।३५, ५३
१०।१।१; ४०।१३; ५१।२८; ५६।३, ५; ५६।१५; ८२।१; ८४।१२; ८६।१४
११।१६।१७
१२।८।६; ११।३० (भगवान् सूर्य, आदि० १४२-४३)॥

सूर्या— १।१४।१७
२।६।३, २२
३।८।३१; १२।११; १७।८; २५।६, ४२; २६।५५; २७।१२; २६।४, ४०; ३२।७
४।१५।१८; १६।६; २२।५६; ३१।१५
५।२०।४, ५, ३०, ४५, ४६; २१।११; १६, १७; २२।२; २४।२
६।१।४२; ६।२२; १८।१६
७।१५।५४
८।६।२४; १०।३०; ११।२६; १८।२२
१०।६१।४०

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

सूर्यवर्चा(गंधर्व) १२।११।४४
सूरी— ६।२१।२६
सृञ्जय— ८।१।२३
६।२३।१; २४।२६, ४२, ६३
स्फूर्ज(रुक्ष)— १२।११।४२
सेतु— ६।२३।१४
सेनजित्— ६।६।२५; २१।२३ (एक राजा, उद्योग० ४।१३) ॥
सेनजित्— १२।११।४०
सैंधवायन— १२।७।३
सैंहिकेय— ५।२४।१
सोम— ४।१।१५, ३२; ६।१६; १४।२६; १५।१७, २०।१४
५।१०।१७; २०।११, १२; २१।७, ६, १०; २२।१३;
२४।२
६।१।४२; ३।१४; ६।२४; १८।१
८।४।२२
६।१।३५; ५।३; १४।१, ३, ८, १०, १३
१०।१।१; ५१।२८
११।१६।१६ (चन्द्रमा, आदि० ६६।१६) ॥
सोमा— ८।१२।३
सोमक— ६।२२।१
१०।६१।१४ (सोमवंशी क्षत्रियों का समुदाय, आदि० १२२।४०) ॥
सोमशर्मा— १२।१०।३
सोमपा— ६।१८।६७ (सात पितरों में से एक, सभा० ११।४७-४८) ॥
सोमपि— ६।२२।६

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

सोमदत्त— ६।२।३५; २२।१८
सोमराज— ४।२२।५५
स्तोककृष्ण— १०।१५।२०; २२।३१
सोहञ्जि— ६।२३।२२
सौबता— ३।१।१४; ३।१३
सौबती— १।१३।३१
सौभ— १०।७८।१३ (राजा शाल्वका, वन० २२।३३-३४) ॥
सौभग— ६।१८।८
सौभरि— २।७।४५
६।६।३८
१०।१७।६, १०
१२।६।५६; १२।२३
सौम्य— ४।१।६२
सौभपति— १०।७६।१, १७; ७७।४ (शाल्वराज, आदि० १०२।६१)

●

(ह)

हंस— ३।२४।२०
४।८।१
६।४।२६; ६।४४
६।२४।५१
११।१३।१६; १७।३, ११ (एक श्रेष्ठ पक्षी, आदि० ६६।५६-५८) ॥
हंसवाहन— ७।३।१६, २४

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

हनुमान— २।७।४५
५।१६।१
६।१०।१६
११।१२।६; १६।२६ (केसरी की पत्नी अञ्जना देवी के गर्भ से उत्पन्न, वन० १४६।६६-६७) ॥
हयग्रीव— ६।६।३० (नरकासुर के राज्य की रक्षा करने वाले चार असुरों में से एक, (सभा० ३८।२९) ॥
(असुर)— ६।१०।१९
७।२।४
८।१०।२१; २४।८, ९, ५७
(विष्णु)— १२।१२।१९
हयविल— ६।१७।१६
हयशिर— ७।६।३७
हयशिरा— ६।६।३३, ३४ (भगवान् का एक अवतार, शान्ति० ३४७ अध्याय) ॥
हयशीर्ष— ५।१६।१
६।८।१७
१०।४०।१७
हयास्य— १०।६।२२
११।४।१७
हर— १।२।२३
२।६।३२
४।२।२५; ५।२३; २५।१
५।२४।१७
६।१७।१२

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

७।१०।६७
८।१२।३४
९।१४।६ (एक विख्यात दानव, आदि० ६५।२५) ॥

हरि— १।१।१८; २।२३; ३।२६, २७; ४।१४; ५।१०, १७,
२८; ६।१७; ७।१०, ११; ८।१४, २४; ९।३७;
१०।२, ७, ३२, ३६; १५।५१; १६।२४; १७।३४;
१८।१५
२।१।५, ७, ११, १३; २।३५, ३६; ३।२१, २२, २४
४।५, ८, ११, २५; ६।३४; ७।२, १६, ३५, ३८,
५०, ५२; ८।२, १७; ९।१५
३।१।३०, ४२; २।८, १०; ३।७; ४।२८, ३२;
५।१२, १३, १४, १५, १९; ६।१३, ३३, ३४,
३६; ७।१३, १६, २८, ४०; ८।३१ १०।१०, ३०;
११।३२, ३६, ३७; १३।२६, ४९, ५०; १४।१,
२, ५, ६; १५।१४, १८, २०, २१, ३१, ३५;
१६।३५; १८।१, १८; १९।८, १२, १४, १५, १७,
३१, ३२; २०।३३, ३७; २५।३०; २६।५२, ५७,
५८; २८।३२, ३४; ३२।४, ७; ३३।२२
४।१।१४, ५८; २।३४; ३।२१; ७।१३, १८, ५५;
८।६, ४१, ४२, ६२, ७२, ८०; ९।४, २८, ४७;
११।११, १२; १२।८, १८; १३।३, ३३, ३४;
१४।१२; १५।६, १०, १६; १६।३, ८; १९।३,
१९; २०।१७, २१; २१।३६, ३८; २२।२३, २५,
४०, ४२, ६१; २४।७०, ७६; २८।४१; २९।४१,
५०, ५१, ७९; ३०।१, २४, ४३; ३१।९, १२,
१५, २१, २४, २५, २८, २९, ३१

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

हरि— ५।१।३८; ४।६; ७।९; १०।१९; ११।१७; १२।१६; १३।२०; १४।१; १८।१२, १३; १९।८, २०, २२, २७; २०।२०; २४।३०

६।१।३०; २।७, ११, १२, १५, ४९; ३।११, १७, २३, २७, ३२, ३५; ४।८, १३, २१, २२, ५४; ६।१४; ८।१२, १७, ३०, ३३, ४०, ४४, ४५; ९।६; १०।१, २९; ११।१८, २०, २४; १२।२२; १३।३; १६।६५; १७।३, २७, ३३, ४१; १८।१४, ५८, ६६, ६७; १९।१६, २८

७।१।४, ५, ३४, ४१, ४७; २।१, ६; ४।२२; ५।५; ७।३१, ३५, ३८, ४८, ४९, ५२, ५३; ८।२३, २८, २९, ३०, ३५, ५१, ५५; ९।७, ९; १०।१०, २५, ३१, ३५, ३८, ४०, ४१, ४३, ७०; ११।७, २९, ३३, ३४, ३९, ४०, ४१; १५।५, ७१

८।१।२, १८, २८, ३०, ३१; ३।३२, ३३; ४।१, ८, १२, १६; ५।१, १४; ६।१, ३९; ७।२, ४०; ८।६, ३०, ३६; ९।८, १२, २५, २७; १०।५५; ११।३१; १२।१, ३; १३।२६, २९, ३२, ३५; १४।८; १५।१, १५, २९; १६।२१, ३४, ४७, ५३; १७।७, ९, २१, २२; १८।३; ६, १२, २४; १९।७, ३२; २०।२१; २१।२३; २२।३, १३, १८, १९, ३०; २४।१, ९, ११, २७, ३९, ४०, ४५, ५७, ६०

९।१।१, २२; २।२; ४।१८, २०, २६, २८, ३०, ५९; ५।२, १५; ६।११; ८।७; १०।२; १३।९; १४।४७; १५।४०; १६।२७; २०।१९, २३; २१।६, ७, २०, २१; २३।२१, २२; २३।२४; २४।३०, ५५, ५६

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

हरि— १०।१।१३, २४, २८; २।२०, २३, ३८; ३।११, ४६; ४।३६, ४१; ५।१८; ६।१, २३, ३५; ७।१, २; ८।३६, ४५, ४६, ४९; ९।४, १९; १०।२४; ११।२४, ४२; १२।१, २८, ३७, ४१, ४२; १३।२५, ४०; १४।४९; १६।२४, २५; १९।८, ११; २०।२३, २५, ४८; २४।१४, ३३; २७।२४; २८।१४; २९।१५; ३०।२८; ३५।११; ३६।८, १४; ३८।७, २७; ४३।१४, २३; ४४।१७, २२; ४५।१० ४६।२, ४२; ४७।६३; ४८।२८; ३६; ५०।६, १६, २१, २२, ५४, ५६, ५७; ५१।७, ५५; ५२।४; ५३।२२; ५४; ५९।९, १७, २१, ३३; ६०।९, ५९; ६१।१८, २५, ३९; ६२।१; ६६।१२, १५, १६, २३ ६७।४; ६९।७, ४५; ७१।२१; ७२।१५, ४०; ७३।६, १६; ७५।२७; ७७।३६; ७९।१४, १५; ८०।१७; ८१।१, ३९; ८३।४१; ८४।१, ४१; ८७।९०; ९०।४४, ४५

११।१७।८; २३।२८; ३१।१०, २३, २८

१२।२।२३; ३।५२; ५।१, १३; ६।२; ७।१५; ८।९, ३२; १०।२२; ११।२०, २३, २८, ३१, ५०; १२।३, ३६, ५१, ६६ (रावण की सेना में रहने वाले पिशाच, वन० २८५।१-२)।।

हरिकोष— ९।२४।४२

हरित्त— ८।१३।२८

९।८।१

हरिमेधस— ८।१।३०

हरिवर्ष— ५।२।१९

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

हरिश्चन्द्र— ६।७।७, २१; १६।३१
१०।७२।२१ (इक्ष्वाकुवंशीय राजा त्रिशंकु के पुत्र, सभा० १२।१०) ॥
हरिश्मश्रु— ७।२।१८
हर्यक्ष— ३।१८।१८
४।२२।५३; २४।२
हर्यश्व— ६।५।१, ६, १०, २१ (अयोध्या के राजा, उद्योग० ११५।१८-१६) ॥
(इन्द्र)— ८।११।२१
६।६।२४; ७४; १३।१५
हर्यस्मद्— ८।५।८
ह्रस्वरोमा— ६।१३।१७
हर्ष— ६।६।११
१०।६१।१६ (धर्म के तीन पुत्रों में से एक, आदि० ६६।३२-३३) ॥
हलधर— १०।६।२३; १८।२७; ४५।४३; ६१।२६; ६८।५३; ७६।१६ (बलरामजी का एक नाम) ॥
हलायुध— ५।४।११
हवि— ११।२।२१, ४५
हविर्द्धान— ४।२४।५, ८
हविर्द्धानी— ४।२४।८, ६
११।१६।१४
हविर्भू— ३।२४।२२
हविष्मान्— ८।१३।२१, २२
हव्यवाट्— ११।१६।१३
हस्त— ६।२४।४६

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

हाटकेश्वर— ५।२४।१७
हारीत— ६।७।१; १६।३६
१२।७१५ (एक प्राचीन ऋषि, वन० २६।२३) ॥
ह्राद— ६।१८।१३, १५
हार्दिका— १०।७५।६; ७६।१४
हालेय— १२।१।२३
हाहा(गन्धर्व)–१२।११।३५
हिंसा— ४।८।३
हिडिम्बा— ६।२२।३१ (राक्षस राज हिडिम्ब की बहिन,
आदि० ६१।२५) ॥
हिरण्मय— ५।२।१९ (एक प्राचीन ऋषि, सभा० ७।१८) ॥
हिरण्यकशिपु— ३।१७।१८, १९
४।२१।४७
६।१८।११, १२
१०।८५।४८
१२।३।११ (दिति का एक विख्यात पुत्र,
आदि० ६५।१७-१८) ॥
हिरण्यगर्भ(सूर्य)५।१।१९; १९।१३; २०।४४
८।१६।३३; १७।१४; २२।१८
१०।७१।८
११।१३।१६; १६।१२ (भगवान् सूर्या श्रीकृष्ण का एक
नाम, शान्ति० ३४२।९६) ॥
हिरण्यनाभ— ६।१५।१५
९।१२।३, ५; २१।२८
१२।६।७७, ८० (संजय पुत्र, शान्ति० १२९।१४९) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

हिरण्यरेता— ५।१।२५, ३३; २०।१४ (अग्नि का नाम, आदि० ५५।१०) ॥
हिरण्यरोमा— ८।५।३ (दक्षिणात्य देशों के अधिपति विदर्भराज भीष्मक का दूसरा नाम, उद्योग० १५८।११) ॥
हिरण्याक्ष— ३।१४।२; १७।१८, २०; १९।३१, ३२, ३७
६।६।३८; १८।११
७।१।४०, ४१
८।१९।५
९।२४।४२
१२।३।११; १२।१२ (विश्वामित्र के ब्रह्मवादी पुत्रों में से एक, अनु० ४।५७) ॥
हीन— ९।१७।१७
ह्री— ४।१।४८, ५०; २५।२८
हूहू— ८।४।३ (एक श्रेष्ठ गन्धर्व, आदि० ६५।५१) ॥
(गन्धर्व)— १२।११।३६
हृषीक— ११।४।२८
३।१।३५
९।२४।२६
हृषीकेश— १।८।२३
२।४।११
३।१३।१२; २०।५२
४।७।४८; ११।४८; ११।१०
५।१३।२१; १८।१८
६।५।२२; ८।२१; १९।२०
७।४।२३; १०।१
८।४।२६; १६।३८; २४।३१

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

९।४।२०
१०।२।२४; ९।२४; १४।४६; १७।४७; २८।४; २९।१३
३४।१०; ४०।३०; ४१।३; ५०।१२; ६३।२४;
६४।२७; ६९।३७; ७१।२४; ७४।२६
१२।८।११ (भगवान् श्रीकृष्ण का एक नाम,
शान्ति० ३४२।६७)।।

हृषीकेदूषर— ५।१८।१९
हेति(राक्षस)—१२।११।३३
हेति(असुर)— ६।१०।२०
८।१०।२०, २८
हेमचन्द्र— ९।२।३४
हेमाङ्गद— ९।२४।४९
हैहय— ९।१५।१७, ३२; २३।२१, २२
१०।७३।२० (क्षत्रियों का एक कुल, सभा० ३८।२९)।।
होत्रक— ९।१५।३
होम— ९।२३।४

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

श्रीमद्भागवत के स्थानों (नदी-पर्वत-नगर-द्वीप आदि) की तालिका

(अ)

अकुण्ठधिष्ण्य— ३।५।४६
अग्नितीर्थ— ३।१।२२ (सरस्वती के तट का एक प्रसिद्ध तीर्थ, जिसमें अग्निदेव शमी के गर्भ में छिपे थे, वन० ८३।१३९) ॥
अघमर्षण पर्वत— ६।२१।३५
अङ्गिरसी नदी— ५।२०।३
अचलराट्— ४।२२।५८
अजनाभ वर्ष— ३।१९।२७
५।३।७
अतल— २।१।२७; ५।४०
५।२४।७; १६
अनघा (नदी)— ५।२०।२६
अनिमिष क्षेत्र— १।१।४
अनुमती— ५।२०।१०
अन्ध (ब्रह्मपुत्र नदी)—५।१९।१७
१२।१।३३

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

अन्धतामिस्र(नरक)— ५।२६।७; ६
अन्धकूप— ५।२६।७, १७
अन्तरीक्ष— ५।२१।२
अपराजित— ५।२०।२६
अभया— ५।२०।२१
अभय(लक्षद्वीपवर्ष)—५।२०।३ (एक प्राचीन जनपद, जिस पर भीम सेन ने विजय प्राप्त कर ली, सभा० ३०।६)॥
अभिज्ञात वर्ष— ५।२०।६
अमृत(लक्षद्वीप वर्ष)—५।२०।३
अमृतौघा (नदी)— ५।२०।२१
अम्बिकावन— १०।३०।१
अय:पान— ५।२६।७
अयोध्या— ९।८।१७; १०।३३ (सुप्रसिद्ध अयोध्यापुरी, जो इक्ष्वाकुवंशी राजाओं की राजधानी थी और जहां मुनिवर वशिष्ठजी राजा कल्माष पाद के यहाँ पधारे थे, आदि० १७६।३५-३६) ॥
अरुणोदा (नदी)— ५।१६।१७; २०।४
अलकापुरी— ४।६।२३, २८; १०।५ कुवेर की नगरी और पुष्पकरिणी, आदि० ८५) ॥
अलकनन्दा— ५।२६।७, १५
११।२९।४२ (देवलोक की गङ्गा-गङ्गाजी जब देवलोक में विचरण करती हैं तब इनका नाम अलकनन्दा होता है और जब पितृलोक में बहती है तब ये वैतरणी कहलाती है तथा इस लोक में आकर इनका नाम गङ्गा होता है, आदि० १६९।२२) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

अवरोदा— ५।१६।१०
अवट निरोधन(नरक) ५।२६।७, ३४
अवन्तीपुरी— ११।२३।६
१२।१।३६ (भारत का एक जनपद माल प्रदेश तथा उसकी राजधानी उज्जयनी यह स्थान शिप्रानदी के तट पर है और सात मोक्ष-दायिनी पुरियों में से एक है, सभा० ३८।२६) ॥
अवभृति नगरी— १२।१।२७
अर्बुद— १२।१।२६
अवीचि(नरक)— ५।२६।७, २८
अशोक वनिकाश्रम— ६।१०।३० (लङ्कापुरी के सुप्रसिद्ध अशोक वाटिका, जहाँ सीताजी रखी गयी थीं, वन० २८०।४०-४१) ॥
असिक्नी नदी— ५।१६।१७
असितीर्थ— ३।१।२२
असिपत्रवन— ५।२६।७, १५ (यमलोक का असिपत्र नामक वन, शान्ति० ३२१।३२) ॥
आग्नेयी— १०।८६।४३
आनर्त— ६।३।२८
१०।८६।२० (एक प्राचीन देश, जिसे अर्जुन ने जीता था, सभा० २६।४) ॥
आनर्तपुरी— १।१४।२५
आप्यायन— ५।२०।६
आभीर— १।१०।३५

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

आभीर— १२।१।३६ (सिन्धु और सरस्वती तटवर्ती आभीर गण तन्त्र के निवासी जिन्हें नकुल ने जीता था, सभा० ३२।९-१०) ॥

आयुर्दा (नदी)— ५।३०।२६

आर्यका ,, ५।२०।२१

आर्यावर्त— ६।६।५ (भारतवर्ष का नामान्तर अथवा एक भारतीय प्रदेश, विन्ध्य और हिमालय के बीच का भूभाग आर्यावर्त है, शान्ति ३२५।१५) ॥

आवर्तन (उपद्वीप)— ५।१९।२९

आहुक— ११।४।२८

(इ)

इक्षुमती (नदी)— ५।१०।१ (कुरुक्षेत्र या उसके निकट बहने वाली एक नदी, जहाँ तक्षक और अश्वसेन– ये दो नाग रहा करते थे, आदि० ३।१४१)॥

इक्षुरसोद(समुद्र)— ५।११।३३; २०।७

इलाव्रत खण्ड— ५।१६।७, ८, ९; १०, १७, १९, २२, २४; १७।१५

इन्दुमण्डल— ५।१७।४

इन्द्रकील (पर्वत)— ५।१९।१६ (हिमालय और गन्धमादन से आगे का एक पर्वत जिसका अभिमानी देवता कुबेर का उपासक है, सभा० १०।३२ वन० ३७।४२) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

इन्द्रप्रस्थ— ११।३०।४८; ३१।२५ (पाण्डवों की राजधानी (वर्तमान दिल्ली) विश्वकर्मा द्वारा इसका निर्माण। इसका इन्द्रप्रस्थ नाम होने के कारण, आदि० २०६।२८ के बाद) ॥

इन्द्रसेन (पर्वत)— ५।२०।३

ईशान(सीमा पर्वत)—५।२०।२६

●

(उ)

उत्तरपंचाल— ४।२२।५१ (एक जनपद जहाँ पृषत् की मृत्यु के बाद द्रुपद को राजा बनाया गया, आदि० १२९।४३) ॥

उपबर्हण— ५।२०।२१

उभयसृष्टि— ५।२०।२६

उर्वशीलोक— ११।२६।२५

उर्वी— ३।१।२६ (पृथ्वी का नाम, यह नाम पड़ने का कारण, शान्ति० २०८।२८) ॥

उशनातीर्थ— ३।१।२२

उशीनर— ७।२।२८, ३१, ३३ (एक देश जहाँ के निवासी सैनिक अर्जुन के द्वारा मारे गये थे, कर्ण० ५।४७) ॥

●

(ऋ)

ऋक्ष (पर्वत)— ४।१।१७

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

ऋक्षगिरि (पर्वत)— ५।१६।१६
ऋतम्भरा (नदी)— ५।२०।३
ऋषभ— ५।१६।२६
ऋषभ (भारत)— ५।१६।१६
ऋषभ(पर्वत)— १०।७६।१५ (दक्षिण समुद्र तटवर्ती एक पर्वत जहां गालव और गरुड़ को शाण्डिली का दर्शन हुआ था, उद्योग० ११२।२२, ११३।१)
ऋष्यमूक (पर्वत)— ५।१६।१६
ऋषिकुल्या (नदी)— ५।१६।१७ (एक नदी तथा प्राचीन तीर्थ, जहां स्नान करके पापरहित मानव देवताओं और पितरों की पूजा करने से ऋषिलोक में जाता है, वन० ८४।४८-४९, भीष्म० ९।४७) ॥

●

(ऐ)

ऐन्द्री (इन्द्रलोक)— १०।८९।४६
औघवती (नदी)— ५।१६।१७ (एक नदी (भीष्म० ९।२२) कुरु-क्षेत्र में वशिष्ठ के आह्वान करने पर प्रकट हुई सरस्वती का नाम, शल्य० ३८।२७) ॥

●

(क)

कङ्क— १०।८६।२० (एक जनपद, जहां के लोग युधिष्ठिर के लिये भेंट लाये थे, सभा० ५१।३०, शान्ति० ६५।१३) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

ककुभ (पर्वत)— ५।१९।६६

कपिल (पर्वत)— ५।१६।२६; २०।१५ (एक नागराज जिनका प्रसिद्ध कपिल तीर्थ है। कपिल के उस तीर्थ में स्नान करने से सहस्र कपिला दान का फल होता है, वन० ८४।३२) ॥

करवीर (पर्वत)— ५।१६।२७ (द्वारका के समीपवर्ती एक वन, सभा० ३८।२९) ॥

कलापग्राम— ६।१२।६; २२।१७
१०।८७।७
१२।२।३७

कम्वोज (दे०)— २।७।३५

●

(क्षा)

क्षारकर्दम— ५।२६।७, ३०

क्षारसमुद्र— ५।१७।६

क्षारोदधि— ५।२०।२

क्षारोद (समुद्र)— १।३३।१६; ९।२०; १९।२४

क्षीरसागर— ८।१।११ (क्षीर निधि इसकी उत्पत्ति, उद्योग० १०२।४) ॥ अन्य नामों द्वारा इसकी चर्चा की गई है क्षीरोद, आदि० २।९१, भीष्म० १०।११) ॥

क्षीरोद— ८।४।१८

क्षेम (प्लक्षद्वीप)— ५।२०।३

●

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

(का)

कांचीग्राम— १०।७८।१४ (मद्रास से ३७ मील दक्षिण पश्चिम में स्थित एक नगर जो प्राचीन समय में चोल राजाओं की राजधानी थी। इस समय इसे काञ्चीवरम कहते हैं। यह सात मोक्ष दायिनी पुरियों में से एक है। यहां के योद्धा दुर्योधन की सेना में विद्यमान थे, उद्योग० १६१।२१) ॥

कान्यकुब्ज (देश)— ६।१।२१ (गङ्गातट पर बसा हुआ एक प्राचीन नगर, जो राजा गाधिकी राजधानी था (आधुनिक कन्नौज ही प्राचीन कान्यकुब्ज है) वह राज्य या जनपद भी कान्यकुब्ज नाम से ही विख्यात था, आदि० १७४:३) ॥

कालञ्जर (पर्वत)— ५।८।३०; १६।२६ (मेधाविक तीर्थ का लोक विख्यात पर्वत जहां देवह्लद में स्नान से सहस्र गोदान का फल मिलता है, वन० ८५।५६) ॥

कालसूत्र (नरक)— ५।२६।७, १४

कालिङ्ग (देश)— ४।५।२१

कालिन्दी (नदी)— ४।८।४३
६।१६।१६
८।४।१३
६।४।३०, ३७

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

१०।२२।२, ६; २८।१; ३०।४४; ३२।११; ३९।३८, ४०; ५८।५९ (कलिन्द गिरि नन्दिनी यमुना। ये अन्य सरिताओं के साथ स्वयं भी वरुण सभा में पदार्पण करती है, सभा० ९।१८) ॥

कावेरो (नदी)— ५।१९।१७ (एक उत्तम तीर्थ भूतनदी, जो वरुण सभा में बैठकर उनकी उपासना करती है, सभा० ९।२०) ॥ (यह दक्षिण भारत की प्रसिद्ध नदी है) ॥

काश्मीर मण्डल— १२।१३।७ (पुण्य भय काश्मीर प्रदेश का वह स्थान, जहां उत्तर के समस्त ऋषि नहुष कुमार ययाति, अग्नि और काश्यप का संवाद हुआ था, वन० १३०।१०-११) ॥

काशी— १०।६६।७०
१२।१३।१७

काशीपुरी— १०।३७।१९ (वाराणसी नगरी, जिसे भगवान् कृष्ण ने जलाया था, उद्योग० ४८।७६) ॥

कामगिरि— ५।१९।१६

कामकोष्णी— १०।७९।१४

किलकिला— १२।१।३०

किंपुरुषवर्ष— ५।१६।९; १९।१ (धवल गिरि से आगे हिमालय के उत्तर भाग में विद्यमान एक देश जो द्रुम पुत्र से सुरक्षित था इसे अर्जुन ने जीता था, सभा० २८।१-२) ॥

किम्पुरुष— १।१६।१३

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

कोकट— १।३।२४
कीरु (दक्षिण देश)— ५।६।७, ९
कुटक-- ५।६।७, ९
कुटङ्क (पर्वत)— ५।१६।२६
कुटकीचल— ५।६।७; १९।१६
कुण्डिन— १०।५३।७, १५, २१ (कुण्डिन नाम से प्रसिद्ध था पुर या नगर विदर्भ देश की राजधानी थी, वन० ६०।७३-७७) ॥
कुन्द (पर्वत)— ५।२०।१० (धाता द्वारा स्कन्द को दिये गये पांच पार्षदों में से एक, शल्य० ४५।३९) ॥
कुन्ति— १०।८६।२०
कुरु— १।४।६
१०।२।३, ८३।२० (तपती (सूर्य कन्या तपती) इनकी नाम से ही कुरुजाङ्गल देश की प्रसिद्धि, आदि० ९४।५०-५१)।
कुरुजाङ्गल— ३।१।२४ (भारतवर्ष का सुविख्यात जनपद, जिसकी राजधानी हस्तिनापुर थी कुरु के ही नाम से कुरुजाङ्गल देश की प्रसिद्धि हुई, आदि० ९४।४९) ॥
कुरुक्षेत्र— १।१०।३४
७।१४।३०; ३।१२
९।१४।३३; २२।४ (सरस्वती एवं दृषद्वती नामक नदी का मध्यवर्ती क्षेत्र इसमें निवास की महिमा, वन० ८३।४, २०४-२०५) ॥
कुलाचलेन्द्र (सुमेरु)— ६।१७।३

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

कुलाचल— ८।४।८
१०।७६।१६ (महेन्द्र, मलय, सह्य शक्तिमान् ऋक्षवान् विन्ध्य और परियात्र--ये सात कुल पर्वत हैं, भीष्म० ६।११) ॥

कुशस्तम्ब— ५।२०।१३

कुशस्थली— ११।१०।२७
७।१४।३१
६।३।२८
१०।७५।२६

कुशद्वीप— ५।१।३२; २०।१३, १६, १८ (सुप्रसिद्ध सात द्वीपों में से एक, भीष्म० १२।६-१६) ॥

कुशावर्त— ३।२०।४ (एक तीर्थ जहां स्नान का फल, अनु० २५।१३) ॥

कुमुद (पर्वत)— ५।१६।११, २४; २०।१०

कुम्भीपाक— ५।२६।७, १३

कुस (पर्वत)— ५।१६।८; १७।८, १८

कुसुम्भ(पर्वत)— ५।१६।२६

कुहू (नदी)— ५।२०।१०

कृतमाला— ५।१६।१७
८।२४।१२
१०।७६।१६

कृमिभोजन— ५।२६।७, १८

कृष्णा— १०।३२।१२; ३३।२४

कृष्णावेणी— ५।१६।।१७

केकय— १०।२।३; ८६।२०

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

केतुमाला— १।१६।१३
५।१६।१०; १७।७; १८।१५ (पश्चिम में जम्बू मार्ग के अन्त में एक तीर्थ, वन० ८९।१५)॥
केवल— १०।७९।१९
केशवाचल— ५।१७।६
कैलास (पर्वत)— ४।६।८, २२
५।१६।२७
६।४।५५
१०।१०।२; ८९।५ (एक पर्वत जो कुबेर तथा भगवान् शिव का निवास स्थान है, वन० १०९।१६-१७, वन० १४१।११-१२)॥
कोन्ध (पर्वत)— ५।१९।१६
कोशल— १२।१।३३
कोवरी (नदी)— ११।५।३९
क्रौंच (पर्वत)— ५।२०।१८
क्रौंच द्वीप— ५।१।३२; २०।१८
कौन्ती— १२।१।३७
कौशल— ५।१९।२
१०।२।३; ८६।२०
कौशाम्बि— ९।२२।४०
कौशिकी— ९।१५।१२ (एक नदी, अनु० ६४।६)॥
(महर्षि विश्वामित्र द्वारा इसका निर्माण, आदि० ७१।३०)॥
कौशिकीन (नदी)— ५।१९।१७

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

(ख)

खाण्डव— १।१५।८ (यमुना तटवर्ती एक वन, जिसे भगवान् श्रीकृष्ण तथा अर्जुन की सहायता से अग्निदेव ने जलाया था इसकी रक्षा के लिये इन्द्र के प्रयत्न। इसके जलाने के समय तक्षक की पत्नी अर्जुन द्वारा वध, आदि० २२३।२२५)॥

खाण्डवप्रस्थ— १०।७३।३२ (प्राचीन काल के एक नगर, जो पाण्डवों की राजधानी थी इन्द्रप्रस्थ, आदि० ६१।३५)॥

खाण्डववन— १०।७१।४४

(ग)

गङ्गा— १।३।४१; ४।१०; ५।१; १२।१८
४।१।१४; २।३५; २१।११
६।२।३६, ४३
७।१४।२६
८।४।२३
६।१५।३, १६; २०।२५; २३।१३ (देवनदी, आदि० ६७।७४)॥

गङ्गाद्वार— १२।१।३७ (जहां गङ्गाजी पर्वत मालाओं से निकलकर समतल भूमि या मैदान में आती है उस स्थान का नाम गङ्गाद्वार है इसी को हरद्वार या हरिद्वार कहते हैं। गङ्गाद्वार में प्रतीप ने तपस्या की, आदि० ६७।१)॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

गजसाह्वय— १।६।४८; १७।४४
४।३१।३०
गजाह्वय— ३।१।२४
गजाह्लर— ६।२२।४०
गन्धमादन— ४।१।५७
५।१।८; १६।१०; १७।६ (हिमालय के उत्तर भाग में स्थित बद्रिकाश्रम के समीपवर्ती पर्वत गन्धमादन पर कश्यपजी ने तपस्या की, आदि० ३०।१०) ॥
गन्धर्वपुर— ५।६।४८
गया— १०।७६।११ (एक परम तीर्थ, जहां जाकर ब्रह्मचर्य पालन पूर्वक एकाग्र चित्त होने से मनुष्य अश्वमेघ यज्ञ का फल पाता और अपने कुल का उद्धार कर देता है, वन० ८४।८२, वन० ९५।८) ॥
गयाशिर— ७।१४।३० (गया तीर्थ के अन्तर्गत जो गया नामक पर्वत है, उसी को गयाशिर अथवा गयशीर्षक कहते हैं वहां अक्षयवट है, वन० ८७।११, वन० ९५।९) ॥
गङ्गासागर सङ्गम—११।६।११
गां (पृथ्वी)— ३।१।१९
गिरिव्रज— १०।७०।२४; ७२।१६ (मगध देश की प्राचीन राजधानी, सभा० २१।१-१०) ॥
गिरिद्रोणी— १०।७३।१
गुहतीर्थ— ३।१।२२
गुह्यकालय— ४।५।२६

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

गोकर्ण— १०।७६।१६

गोकुल— १०।५।३१, ३२; ७।२१; ८।१४, २१, २६; ११।२३; १३।४१; १४।३४; १६।१५; २५।८, १३; ३६।५; ३७।३३; ३८।१, २७; ४३।२४, ३७; ४६।५७; ४७।५२, ५४

गोलोक— १०।२७।१; ३७।२

गोदावरी (नदी)— ५।१६।१७ (एक नदी, जो वरुण की सभा में उपस्थित होती है, सभा० ६।२०) ॥

गोमती— ५।१६।१७ (एक प्रसिद्ध नदी, गङ्गा की सात धाराओं में से एक, इसका जल पीने वाले मनुष्यों के पाप तत्काल नष्ट हो जाते हैं, आदि० १६६।२०-२१) ॥

गोवर्धन (पर्वत)— ५।१६।१६ (व्रजमण्डल का सुप्रसिद्ध पर्वत जो श्रीभगवान् कृष्ण स्वरूप माना गया है इसे गिरिराज कहते हैं, सभा० ३८) ॥

(च)

चक्रतीर्थ— १०।७८।१६ (एक प्राचींन तीर्थ जिसकी बहुत से ऋषि लोग उपासना करते हैं। यहां वाल-खिल्य नामक वैश्वानस मुनि निवास करते हैं, वन० १२५।१७) ॥

चक्र (नदी)— ५।७।१०

चतुःक्षेम (पर्वत)— ५।२०।१५

चन्द्रभागा (नदी)-— ५।१६।१८

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

चन्द्ररसा— ४।२८।३५

चन्द्रवशा (नदी)— ५।१६।१७

चन्द्रशुक्ल— ५।१६।२६

चर्मण्वती (नदी)— ५।१६।१६ (एक नदी जिसे आजकल चम्बल कहते हैं यह वरुण की सभा में उपस्थित होती है, सभा० ६।२१) ॥

चिकूट— ८।२।१

चित्रकूट (पर्वत)— ५।१६।१६ (सर्व पापनाशिनी मन्दाकिनी के तट पर अवस्थित एक श्रेष्ठ पर्वत, वन० ८५।५८) ॥

चित्रकूट कुशद्वीप— ५।२०।१५

चेदि— ६।२२।६ (एक प्राचीन देश जिसे उपरिचर वसु ने जीता था और उस पर शासन किया था, आदि० ६३।१-२) ॥

चैत्ररथ (उद्यान)— ५।१६।१४ (एक वन जहां राजा ययाति ने विश्वाची अप्सरा के साथ रमण किया था, आदि० ७५।४८) ॥

चैत्ररथ्य— ३।२३।४०

●

(ज)

जठर (पर्वत)— ५।१६।२७ (एक भारतीय जनपद, भीष्म० ६।४२) ॥

जन(लोक)— २।१।२८; ५।३६
१०।८६।८, ६
११।२४।१४

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

जम्बू— ५।१।३२, ३३; २।१, १८, २१; १६।२८, ३० २०।२

जम्बूद्वीप— १।१२।५ (सात द्वीपों में से एक, यह द्वीप समस्त भूमण्डल के भाग में है, सभा० २८।६) ॥

जम्बू (नदी)— ५।१६।१६ (गङ्गा की सात धाराओं में से एक धारा का नाम, भीष्म० ६।४८) ॥

जाङ्गल— १०।८६।२०

जाङ्गाल— १।४।६

ज्योतिरनीक— २।१।२८

जारुधि (पर्वत)— ५।१६।२६

ज्योतिष्काम— ५।२०।३

●

(त)

तलातल— २।१।२६; ५।४० ५।२४।७, ८

तप— ११।२४।१४

तप्तसूर्मि— ५।२६।७, २०

तापी— १०।७६।२०

तापी(नदी)— ५।१६।१७

तमिस्र— ५।२६।७, ८

ताम्रपर्णी— १०।७६।१६

तीर्थवती— ४।२८।३५ ५।२०।२१

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

तुङ्गभद्रा (नदी)— ५।१६।१७
त्रिकूट— ५।१६।२६; १६।१६
८।२।१ (लङ्का के पास का एक पर्वत, वन० २७७।५४) ॥
त्रिगर्त— १०।७६।१६ (एक जनपद, भीष्म० ५।१७) ॥
त्रिविष्टप— ६।७।२४
त्रिनाक— ६।१३।१६
त्रिमूर्द्ध (महर्लोक)— २।६।१६
त्रिततीर्थ— ३।१।२२
त्रिदिव— ६।१८।७७
त्रिसामा— ५।१६।१७
त्रिशृङ्ग— ५।१६।२७

(द)

दक्षिण— ६।१।४१
दक्षिणकर्ण— ५।६।७
दक्षिण पांचाल— ४।२५।४० (यह दक्षिल पांचाल देश गङ्गा के दक्षिण तट से लेकर चम्बल नदी तक फैला हुआ था जहां के क्षत्रिय जरासंध के भय से दक्षिण भाग गये थे, सभा० १४।१७) ॥
दक्षिण मथुरा— १०।७६।१५
दण्डकारण्य— ६।११।१६
१०।७६।२० (एक तीर्थ और वन, जहां स्नान के करने से सहस्र गोदान का फल मिलता है, वन० ८५।४१) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

दधिमण्डोद (समुद्र)—५।१।३३; २०।२४, २९

दन्दशूक— ५।२६।७, ३३

द्रविण— ४।२८।३०
५।२०।१५
९।१।२
१०।७९।१३
११।५।३८

दृषद्वती (नदी)— ५।१९।१७

द्वारका— १।८।८; ११।२४; १४।६
१०।२०।६६, ३, ४, २३, ३४; २७।२९, ३०; ३७।१७, २०; ५२।५, २७; ५६।४, ५७; ५८।२८, ५५, ५२; ८०।१५; ८६।३; ९०।१
११।६।२; ३०।४७; ३१।१५, २३
१२।३७।६१

द्वारवती— १।३।१९; १२।३७
१०।३७।१८, २१; ५२।५, २७; ५६।४; ५७।२७ २९, ३०; ५८।२८, ५५; ६२।२०; ६६।३, ४, २३, ३४; ८०।१५; ८६।३०; ९०।१

दिव— ५।२१।२

दिवलोक— २।६।३

देवकूट (पर्वत)— ५।१६।२७

देवगर्भा— ५।२०।१५

देवगिरि— ५।१९।१६

देवच्युत (साम्रवृक्ष)—५।१६।१६

देवधानी (इन्द्रपुरी)—५।२१।७

देवपाल— ५।२०।२६

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

देववर्ष— ५।२०।६
देवानीक— ५।२०।१५
द्रौण— ५।१६।१६
द्यौ—: २।१।३०
५।२०।४३
६।११।२२

(ध)

ध्रुव— ५।२०।३७; २।१।१३; २२।१; २३।१, ३, ५
धन्व— १०।८६।२०

(न)

नन्दन— ३।२३।४० (स्वर्ग का एक दिव्य वन, जो अप्सराओं से सेवित है, वन० ४३।३) ॥
नन्दनवर्ष (पर्वत)— ५।२०।२१
नन्दन (उद्यान)— ५।१६।१४
नन्दवर्ष (पर्वत)— ५।२०।२१
नन्द (गोकुल)— १०।२।७; ६।४
नन्द (व्रज)— ३।२।२६
१०।३६।२२, २४
नन्दा (नदी)— ४।६।२२, २४
५।२०।१०

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

नन्दा (नदी)— ७।१०।३१ (नैमिषारण्य के आस-पास वहां से पूर्व दिशा में स्थित एक नदी है। इसके पास ही अपर नन्दा है। अर्जुन पूर्व दिशा के तीर्थों में भ्रमण करते हुए नन्दा और अपर नन्दा के तट पर आये थे,
आदि० २१४।६-७)॥

नन्दीग्राम— ८।४।२१ (अयोध्या से लगभग चौदह मील दक्षिण का एक ग्राम जो भरत कुण्डी के समीप है भरतजी की यही चरण पादुका का सेवन करते हुए चौदह वर्ष तक ठहरे थे,
वन० २७७।३६)॥

नभस्थल— २।१।२७

नर्मदा (नदी)— ५।१६।१७
६।१०।१६
८।४।२१ (दक्षिण भारत की एक प्रसिद्ध नदी जो अमर कण्टक से निकलकर भडौच के पास खंभात की खाड़ी में गिरती है,
सभा० ६।१८)॥

नृम्णा (नदी)— ५।२०।४

नरक— ३।३०।३६
५।२०।४५; २११४, ३१
६।१।३, ६, ७; २।४८; १७।२०, २८;
१८।३६, ७५
१०।३७।१७ (एक जनपद जहाँ के शासक राजा भगदत्त थे, सभा० १४।१४)॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

नाकपृष्ठ (स्वर्ग)— ६।११।२५
१०।८६।४३
नाग (पर्वत)— ५।१६।२६
नारायणाश्रम— ७।१४।३२
६।३।३६
१०।२३।८१, ५
निजधृति (नदी)— ५।२०।२६
निम्लोचनी (वरुणपुरी) ५।२७।७
निरय— ६।२।४५; १८।२५
निर्विन्ध्या— ५।१६।१७
१०।७६।२०
निषध (पर्वत)— ५।१६।६, १०, २६
१०।२।३
१२।१।३३ (प्राचीन देश, जहां वीरसेन नाम से प्रसिद्ध राजा राज्य करते थे इन्हीं के पुत्र नल हुए, वन० ५२।५५) ॥
नीरदपर्व— ५।१६।२६
नील पर्वत (इला)— ५।१६।८, ६, १० (एक पर्वत जो उत्तर में गन्धमादन और मन्दराचल के बाद आता है, वन० १८८।११३) ॥
नील (पर्वत) भारत—५।१६।१६
नैमिष— १।४
३।२०।७
७।१४।३१

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

नैमिष— १०।७८।२०, ३० (इसे नैमिष और नैमिषारण्य भी कहा जाता है, आजकल इसे नीमसार कहते हैं। नैमिषारण्य तीर्थ में शौनक ने अपना द्वादश वार्षिक यज्ञ किया था, आदि० १।१।४-१) ॥

नैर्ऋती (पुरी)— १०।८९।४३

●

(प)

पञ्चनदी— ५।२०।२६

पञ्चाल— १०।७१।२२, २३

पञ्चाप्सरस्— १०।७९।१८

पतङ्ग— ५।१६।२६

पद्मावती— १२।१।३५

पम्पा— ७।१४।३१
१०।७९।१२

पयस्विनी— ५।१९।१७

पयोष्णी— ५।१९।१७
१०।७९।२०

पर्यावर्तन— ५।२६।७

पवन— ५।१६।२७

पवित्रवती— ५।२०।२१

प्रतिष्ठान— ९।१।४२ (प्रयाग के भीतर का तीर्थ यह प्रजापति की वेदी के अन्तर्गत है, वन० ८५।७६)

प्रतीची (नदी)— ११।५।३९

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

प्रयाग— ७।१४।३०
१०।७६।१०
१२।१।३५ (गङ्गा और यमुना के सङ्गम पर स्थित एक विख्यात तीर्थ, वन० ८४।३५) ॥

प्रभास— १।५।४६
३।१।२०; ३।२५
७।१४।३१
१०।४५।३७, ३८; ७८।१८; ७६।२१
११।६।३५; ३७।१० (एक प्राचीन तीर्थ यह पश्चिम देश के सौराष्ट्र देश में है, आदि० २१७।३) ॥

पृथिवी— ५।२४।६

पृथु (तीर्थ)— ३।१।२२

पृथूदक— १०।७८।१६ (कुरुक्षेत्र की सीमा में स्थित एक कार्तिकेय तीर्थ, वन० ८३।१४१-१४४) ॥

पाञ्चजन्य (उपद्वीप)–५।१६।२६

पाञ्चाल— १०।८६।२० (एक प्राचीन देश। द्रुपद यहाँ के राजा थे। द्रौपदी को प्राप्त करने के बाद पाण्डवों ने यहां साल भर तक निवास किया था, आदि० ६१।३१) ॥

पाताल— २।१।२६; ५।४१; ८।१५; १२।१६
५।२४।७, ३१ (नागलोक के नाभि स्थान में स्थित एक प्रदेश या नगर, उद्योग० ६६।१००) ॥

पारियात्र (पर्वत)— ५।१६।२७

पारिभद्र (वर्ष)— ५।२०।६

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

पारिपाय (पर्वत)— ५।१६।१६
प्राची सरस्वती— १०।७८।१६
प्राग्ज्योतिषपुर— १२।३६ (एक प्राचीन नगर, (नरकासुर) जो भौमासुर की राजधानी थी, सभा० ३८।२६)
प्राणरोध— ५।२६।७
पिण्डारक— ११।१।११ (सुराष्ट्र देश में द्वारका के निकट का तीर्थ, वन० ८२।६५) ॥
पुलस्त्य पुलहाश्रम— ५।८।३०
पुलहाश्रम— ५।७।८, ११
७।१४।३०
१०।७६।१०
पुषीद— ५।२६।७, २३
पुष्करद्वीप— ५।१।३२; २०।२६
७।१४।३०; १२।६१ (क्षेत्र तीर्थ गुरु, यह तीर्थ अजमेर के छः कोस की दूरी पर स्थित है, आदि० २२०।१४) ॥
पुष्पभद्रक— ३।२३।४०
पुष्पवर्ष (पर्वत)— ५।२०।१०

●

(फ)

फल्गु (नदी)— ७।१४।३१
फाल्गुन— १०।७६।१८

●

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

(ब)

बदर्याश्रम— ३।४।२१, ३२

ब्रह्मतीर्थ— १०।७८।१६

ब्रह्मलोक— २।५।३६
४।३१।३६
११।२३।३०; २७।५२

ब्रह्मसदन— ५।१७।४, ६, ६

ब्रह्महृद— १०।२८।१६

ब्रह्मावर्त— १।१०।३४; १७।३३
३।२१।२५; २२।२८
४।१६।१
५।४।१८; ५।२८

●

(भ)

भद्राश्व— १।१६।१३ (मेरु पर्वत के समीप का एक द्वीप भीष्म० ६।१३) ॥

भद्राश्व (पर्वत)— ५।१६।१०, १७
६।१८।१

भद्रा (गंगाशाखा)— ५।१७।५, ८

भगवत् पदी (गंगा)—५।१७।१

भारत— १।१६।१३

भारतवर्ष— ३।१।२०

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

भारतवर्ष— ५।४।६; ७।३; १६।६; १७।६, ११; १६।६, १६, २१, २३
११।२।१७ (जम्बु द्वीप के नौ वर्षों में से एक, भीष्म० ६।७) ॥
भीमरथी (नदी)— ५।१६।१८
१०।७६।१२ (दक्षिण भारत में स्थित एक नदी जो समस्त पाप का नाश करने वाली है,
भुवर्लोक— २।५।३८
५।४२।६
७।८।१५
११।२४।१२
भूलोक— ११।१२।१०
भूवलय (भूमण्डल)— ५।२१।१, १८
भूमि (भूमण्डल)— ५।२०।४३
भोज— ३।२।२५, ३०
भोजन (पर्वत)— ५।२०।२१
भोगवती— ६।११।११
४।२५।१५

(म)

मकर (पर्वत)— ५।१६।२७
मगध— १०।७२।४६ (एक प्राचीन देश बिहार प्रान्त की दक्षिणी भाग इसकी राजधानी गिरिव्रज, सभा० २१।२-३) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

मंगलप्रस्थ (पर्वत)— ५।१६।१६
मन्त्रमाला (नदी)— ५।२०।१५
मंन्दर— ४।२३।२४
मन्दर (पर्वत)— ५।१६।११, १६, १७
मन्दहरिण(उपद्वीप)—५।१६।२६
मन्दाकिनी (नदी)— ५।१६।१७
मनुतीर्थ— ३।१।२२
१०।७६।२१
मत्स्य— ३।१।२४
१०।८६।२० (एक देश, और वन में भटकते हुए पाण्डव मत्स्य देश में आये थे, आदि० १५५।२) ॥
मत्स्य— १०।७१।२२
मणिकूट (पर्वत)— ५।२०।३
मणिपुर— ६।२२।३२
मथुरा— १।१२।३४; १५।३१
१०।१।२७, २८; ५।१६; ६।३१; ४१।६; ११, १६; ४७।६८; ४६।४; ५०।४४; ७२।३१; ८४।६६ (साक्षात् नारायण ने ही कंस का वध करने के लिए मथुरा में अवतार लिया था, शान्ति० ३३६।८६-६०) ॥
मधु— १०।८६।२०
मधुकुल्या (नदी)— ५।२०।१५
मधुवन— १।१०।२६
४।८।४२, ६२
६।४।३०; ११।१४

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

मधुपुरी— ७।१४।३१
१०।३८।१; ३९।१२; ४६।४८

मलय (पर्वत)— ५।१९।१६
६।३।३५
१०।७९।१६

मरुद्वृधा (नदी)— ५।१९।१८

महः— २।१।२८; ५।३८

महर्लोक— ११।२४।१४

महानस (पर्वत)— ५।२०।२६

महातल— २।१।२६; ५।४१
५।२४।७, २९

महानदी— ५।८।१; १९।१७ (उत्कल प्रदेश (उड़िया) में बहने वाली नदी एक प्रसिद्ध नदी जहां अर्जुन गये थे, आदि० २१४।७) ॥

महारौरव— ५।२६।७, १२

माहिष्मती— ९।१५।२२, २६; १६।१७
१०।७९।२१

मही— ५।१९।२८

महीतल— २।१।२७

महेन्द्र (पर्वत)— ५।१९।१६
९।१६।२६
१०।७९।१२ (एक पर्वत, यहां परशुरामजी का निवास था क्षत्रिय संहार करने के लिए तपस्या की थी, आदि० ६४।४) ॥

महेन्द्रमलय— ७।१४।३२

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

मानस— ३।२३।४८ (हिमालय पर स्थित एक प्राचीन सरोवर जहां उत्तर दिग्विजय के समय अर्जुन पधारे थे, सभा० २८।४) ॥
६।१३।१४

मानसोत्तर(सीमापर्वत) ५।२०।३०, ३५; २१।७, १२

मालव— १२।१।३६; ३६।६१ (पश्चिम भारत का एक जनपद, जिसे नकुल ने पराजित किया था, सभा० ३२।७) ॥

माल्यवान् (पर्वत)— ५।१६।१०; १७।७

मिथिला— ६।२।१, ४
१०।३६।२०, २५; ४२।६; ५७।२४, २६ (पूर्वोत्तर भारत का एक प्राचीन जनपद जहां विदेह वंशी क्षत्रियों का राज्य था, आदि० ११२।२८) ॥

मित्रविन्दा (नदी)— ५।२०।२५

मेघमाल (पर्वत)— ५।२०।३

मेरु— ५।१६।७, २६, २७, २८; १७।८, १०; २०।२, ३०, ३५; २१।७, १२; २२।१, २, ११ (सुवर्णमय शिखरों में से सुशोभित एक दिव्य पर्वत, आदि० १७।५-१३) ॥

मेरुमन्दर (पर्वत)— ५।१६।११, १६

मैनाक— ५।१६।१६

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

(य)

यदुपुर— १०।३६।३७
यमुना— ४।२।३५; ८।४२; २१।११
५।१६।१७
६।२।१; ४।४२; ६।३६; २०।३५
१०।११।३६, ४१; २२।३६; २३।२१; २६।१२; ३०।६ (भारत की प्रमुख नदियों में से है (सूर्य पुत्री यमुना) जो परम पावन नदी के रूप में विराज रही हैं कलिन्द पर्वत से प्रकट होने के कारण इन्हें कालिन्दी कहते हैं। ये यमुनोत्तर से निकलकर प्रयाग में आयी हैं। वहां गङ्गाजी के साथ इनका सङ्गम हुआ है, आदि० ६०।२)॥
यमुनोपवन— १०।६५।१८
यवस (प्लक्षवर्ष)— ५।२०।३

(र)

रक्षोगण भोजन— ५।२६।७
रजनी (नदी)— ५।२०।१०
रमणक (उपद्वीप)— ५।१६।२६
रमणक (द्वीप)— १०।१६।६३; १७।१
रमणकवर्ष— ५।२०।६ (एक वर्ष जो श्वेत पर्वत के दक्षिण और निषध पर्वत के उत्तर स्थित है वहां जो मनुष्य जन्म लेते हैं, वे उत्तम कुल से युक्त और देखने में अत्यन्त प्रिय होते हैं, भीष्म० ८।२-४)॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

रम्यकवर्ष— ५।१६।८; १८।२४ (नीलगिरि को लांघने पर रम्यक वर्ष लगता है उत्तर दिग्विजय के समय अर्जुन ने इस वर्ष को जीतकर वहां के निवासियों पर कर लगाया था, सभा० २८।६) ॥

रसकुल्या (नदी)— ५।२०।१५

रसातल— २।१।२६; ५।४१
३।२०।८
५।२४।७, ३०
१०।८९।४३ (पृथ्वी के नीचे का एक लोक। प्रलय के समय संवर्तक नामक अग्नि पृथ्वी का भेदन करके रसातल तक पहुंच जाती है, वन० १८८।६९-७०) ॥

राकानदी— ५।२०।१०

रुचक (पर्वत)— ५।१६।२६

रूपवती (नदी)— ५।२०।२१

रेतःकुल्या— ५।२६।२६

रेवानदी— ५।१६।१७
६।१५।२०

रैवतक (पर्वत)— ५।१६।१६ (गुजरात का एक पर्वत, जो आधुनिक जूनागढ़ के पास है और गिरनार कहा जाता है इसी को महाभारत में उज्जयन्त गिरि कहा गया है श्रीकृष्ण और अर्जुन प्रभास क्षेत्र में घूम फिरकर इसी पर्वत पर चले आये थे, आदि० २१७।८) ॥

रौरव— ५।२६।७, १०, ११

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

(ल)

लङ्का (उप०)— ५।१६।२६
६।१०।१६, २६, ३२ (राक्षसों की राजधानी राजसूय यज्ञ के समय सहदेव ने लङ्कापति से कर लेने के लिये वहाँ घटोत्कच को भेजा था, सभा० ३१।७२) ॥
लवणोदधि— ५।१७।६; २०।२
लाक्षाभवन— ३।१।६
लालाभक्ष— ५।२६।७
लोकालोक (पर्वत)— ५।२०।३४; ३३।३८, ४२

●

(व)

वंक्षू (गंगाशाखा)— ५।१७·५, ७
वक्र (पर्वत)— ५।२०।१५
वज्रकण्टक शाल्मली—५।२६।७, २१
वज्रकूट (पर्वत)— ५।२०।३
वदरी— ३।४।४
११।४।७; २६।४१
वदरिकाश्रम— ७।११।६
वदर्याश्रम— १०।५२।४
वटोदका— ४।२८।३५
व्योम— २।७।४६; ८।१५

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

वर्द्धमान (पर्वत)— ५।२०।२१
वलभद्र(सीमापर्वत)—५।२०।२३
वर्हिष्मतीपुरो— ३।२२।२९, ३२
व्रज— २।७।२८
३।२।१६, २९, ३३
१०।१।६, १०, ६२; २।७; ५।६, १३, १८; ६।३१, ४१; ८।१, ३९, ५०, ५२; ११।६, २१, २७, ५३, ५९; १२।१, ३७; १३।२०; १४।४६, ४८, ६१; १५।१, ४१, ४६; १६।१२, २१; १७।२१; १८।१, २; २०।२, ३२; २२।१४, २०, २७, २८; २३।५२; २४।३८; २५।७; २७।१; २९।१८, १९, ३४, ४१; ३१।१, ११; ३३।१६, १७; ३४।१९; ३७।२५; ३८।१३, २८, ३०; ३९।१३, ३०; ४४।१६; ४५।२३, २५; ४६।३, ८, १८, ३४; ४७।३७, ३८, ५५, ६६
वामदेव (पर्वत)— ५।२०।१०
वायवी— १०।८९।४३
वायु (तीर्थ)— ३।१।२२
वाराणसी— ७।१४।३१
१०।६६।४०, ४१, ४२
१२।१२।४० (यह एक प्रमुख तीर्थ है यहां जाकर कपिलाह्लद में स्नान करके भगवान् शंकर की पूजा करने से राजसूय यज्ञ का फल मिलता है, वन० ८४।७८) ॥
वारिधार (पर्वत)— ५।१९।१३

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

वारुणी— १०।८६।४३ (जो क्षीरसागर के मन्थन करने से उत्पन्न हुई, उद्योग० १०२।१२) ॥

विकुण्ठ— २।७।३१

वितल— २।१।२७; ५।४०
५।२४।७, १७

वितस्ता (नदी)— ५।१६।१६

विदर्भ— १०।२।३; ५२।२१; ५३।६, १६ (एक प्राचीन देश जिसे सहदेव ने अपनी दक्षिण दिग्विजय के समय विदर्भ देशीय भोजकोट नगर में जाकर वहां के राजा भीष्म को परास्त किया था, सभा० ३१।११-१२) ॥

विदूरदेश— १२।१।३३

विदेह— १०।२।३; ८६।२१

विदेहनगर— ११।८।२२, ३४

विन्दुसर— ३।२५।५२
७।१४।३१
१०।७८।१९

विन्ध्य (पर्वत)— ६।४।२० (मध्य भारत का एक प्रसिद्ध पर्वत जहां सुन्द और उपसुन्द ने तपस्या की थी, आदि० २०८।७) ॥

विन्ध्या— ५।१९।१७

विनशन— ११।११।६।६

विभावरी (चन्द्रपुरी)–५।२१।७

विशाला— .... (गयदेश में राजा गय के यज्ञ में प्रकट हुई सरस्वती का नाम, शल्य० ३८।२०-२१) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

विश्वा (नदी)— ५।१९।१७

विशसेन— ५।२६।७, २५

विष्णुधाम— ३।१।१४

विष्णुलोक— ७।१।३६

विष्णुपाद— ५।१७।१

वृन्दावन— १०।११।२८, ३५, ३६; १२।३६; १३।५९; १५।१, ९; १८।३; २१।१०, २०; २२।२९; ३०।२४; ४६।१८; ४७।४३, ६१

११।१२।११

वेंकट (पर्वत)— ५।१९।१६

१०।७९।१३

वेंकट (देश)— ५।६।७, ९

वेणी— १०।७९।१२

वेणीनदी— ५।१९।१७

वेदस्मृति (नदी)— ५।१९।१७

वैकंक (पर्वत)— ५।१६।२६

वैकुण्ठ— १।८।४४

३।७।२०; १५।१३; १६।१, २७

५।१९।२३

७।१।३५

८।५।५

१०।३६।३१; ८९।७, १२

वैतरणी— ५।२६।७, २२ (भागीरथी गङ्गा ही जब पितृ लोक में बहती है तब उनका नाम वैतरणी होता है, आदि० १६९।२२) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

वैदूय (पर्वत)— ५।१६।२६
वैभ्राजक (उद्यान)— ५।१६।२४
वैहायसी (नदी)— ५।१६।१७

(श)

शक्रप्रस्थ— १०।७१।२२; ७२।१३
शङ्ख (पर्वत)— ५।१६।२६
शङ्खोद्धार— ११।३०।६
शतकेशर (सीमा पर्वत) ५।२०।२६
शतद्रू (नदी)— ५।१६।१७
शतशृङ्ग (पर्वत)— ५।२०।१०
शतवल्श (वटवृक्ष)— ५।१६।२४
शम्याप्रास— १।१७।२
शम्भलग्राम— १२।२।१८
शर्करावर्ता— ५।१६।१८
श्वेतपर्वत— ५।१६।८
श्वेतद्वीप— ८।४।१८
१०।६।२४, ८७
शाकद्वीप— ५।१।३२; २०।२४ (शाकद्वीप का एक वृक्ष जिसके नाम पर द्वीप का नाम प्रसिद्ध है, भीष्म० ११।२८) ॥
शातकौंभी ब्रह्मपुरी— ५।१६।२८
शान्त (लक्षवर्ष)— ५।२०।३
शालग्राम— ५।८।३०

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

शालमल— ५।२०।७
शाल्मली वृक्ष— ५।२०।८
शाल्मली (द्वीप)— ५।१।३२
शाल्व— १०।२।३ (कौरव सेना के संरक्षणों में शाल्वदेश के योद्धाओं का भी नाम आया है, उद्योग० १६०।१०२-१०३) ॥
श्राद्धदेवतीर्थ— ३।१।२२
शितिवास (पर्वत)— ५।१६।२६
शिवलक्ष(द्वीप)— ५।२०।३
शिशिर— ५।१६।२६
शुक्ला— ५।२०।२१
शुक्तिप्रभा— ५।१६।१६
शुद्धोद— ५।१।३३
शूकरमुख— ५।२६।७, १६
शूर्पटक— १०।७६।२०
शूलप्रोत— ५।२६।७, ३२
शोननद— ५।१६।१७
शोणित— १०।६३।२
श्रृङ्गवान् (पर्वत)— ५।१६।८; १७।८
श्रीरङ्ग— १०।७६।१२
श्रीशैल (पर्वत)— ५।१६।१६
१०।७६।१३
श्रुतविन्दा (नदी)— ५।२०।१५
षष्ठवती (नदी)— ५।१६।१७

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

(स)

सत्य—	२।१।२८, ५
	११।२४।१४
सत्यम्भरा (नदी)—	५।२०।३
सन्दंश—	५।२६।७, १९
सप्तद्वीप—	४।२१।१२
सप्तवती (नदी)—	५।१९।१७
समन्त पञ्चक—	६।१६।१९ (एक क्षेत्र, यहां पर परशुरामजी ने रक्त के पांच सरोवर बना दिये थे और उन्हीं में द्वारा अपने पितरों का तर्पण किया था, आदि० २।४-५) ॥
संयमनी (यमपुरी)—	५।२१।७
स्यमन्त (पञ्चकक्षेत्र)	१०।८२।२
सरयू (नदी)—	५।१९।१७
	६।८।१५, १६ (हिमालय के स्वर्ग शिखर से निकली हुई गङ्गा की सात धाराओं में से एक जो इसका जल पाते हैं उनके पा तत्काल नष्ट हो जाते हैं, आदि० १६९।२०-२१) ॥
सरस्वती—	१।४।२७; ७।२; १६।३७
	२।९।४४
	४।१४।३६; १६।२४; १९।१
	५।१९।१७; २०।१०
	८।४।२३
	६।४।२२; १४।३३; १६।२३

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

सरस्वती— १०।३८।२, ४
११।२०।६ (एक नदी जिसके तट पर राजा मतिनार ने यज्ञ किया था, आदि० ९५।२६-२७) ॥
सर्वतोभद्र (उद्यान)— ५।१६।१४ (जलेश्वर वरुण देवता का समृद्धि शाली निवास स्थान, उद्योग० ९८।१०) ॥
,, (पर्वत)—५।२०।२०
सह्य (पर्वत)— ५।१६।१६ (लवण समुद्र पर्वत, जो सीता की खोज में गये हुए हनुमान आदि वानरों के मार्ग में दिखायी दिया था, वन० २८२।४३) ॥
सहस्रश्रुति— ५।२०।१०, २६
सहस्रोतर (सीमापर्वत)५।२०।२६
स्वर्लोक— २।५।३८, ४२; ६।७; ८।९
११।२४।१२; १५।२२
स्वर्ग— ३।३०।३९
५।१२।३८; २०।४५
स्वर्णप्रस्थ (उपद्वीप)—५।१९।२९
सामुद्रसेतु— १०।१९।१५
सारमेयाद (नरक)— ५।२६।७
सावित्री (नदी)— ५।२०।३
सिद्धपद— ३।३३।३१
सिद्धविनिर्मित— ९।३।१३
सिनीवाली— ५।२०।१०
सिन्धु— ५।१०।१, १५; १२।६; १३।२४
सिन्धुतीर— १२।१।३७

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

सिंहल (उपद्वीप)— ५।१६।२६ (एक देश और जाति नन्दिनी के पार्श्व भाग से सिंहल नामक म्लेच्छ जाति की सृष्टि हुई थी, आदि० १७४।३४) ॥

सीता(गङ्गा शाखा)— ५।१७।५, ६ (एक नदी, जिसे मार्कण्डेयजी ने भगवान् बालमुकुन्द के उदर में देखा था, वन० १८८।१०२) ॥

सीतारामाश्रम— ७।१४।३१

सुकुमारबल— ६।१।२५ (पुलिन्दों के महानगर के शासक एक राजकुमार जो सुमित्र के पुत्र थे, सभा० २६।१०) ॥

सुतल— ५।२४।७, १८
१०।८५।३४

सुदर्शन— १०।७८।१६ (एक द्वीप (जो जम्बूद्वीप का ही नामान्तर हैं) संजय द्वारा धृतराष्ट्र से इसका वर्णन, भीष्म० ५।१३) ॥

सुदास— ३।१।२२

सुपार्श्व (पर्वत)— ५।१६।११, २२

सुनन्दा (नदी)— १।८

सुभद्र (ल०द्वीप व०)—५।२०।१३

सुरगिरि (सुमेरु)— ५।१।३०

सुरस (पर्वत)— ५।२०।१०

सुरसी (नदी)— ५।१६।१७

सुराष्ट्र— ३।१।२४ (दक्षिण पश्चिम भारत का एक जनपद, जहाँ के राजा कौशिकाचार्य आकृति को मारकर माद्री कुमार सहदेव ने पराजित किया था, सभा० ३१।६१) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

सुरोचना वर्ष— ५।२०।९

सुरोद (समुद्र)— ५।१।२०, ३३; २०।७, १३

सुप्रभाता (नदी)— ५।२०।३

सुपर्ण (पर्वत)— ५।२०।३

सुषोमा (नदी)— ५।१९।१७

सूचीमुख— ५।२६।७, ३६

सूर्या (मण्डल)— ५।२०।३७, ४३

सूरसेन— ३।२३।४

सेतुबन्ध— ७।१४।३१

सौमनस्य वर्ष— ५।२०।९

सौमी— १०।८९।४४

सौराष्ट्र— १२।१।३६

सौवीर— १।१०।३५
३।१।२४ (सिन्धु अथवा उससे लगा हुआ देश जहाँ का राजा विपुल अर्जुन के हाथ से मारा गया था, आदि० १३८।२०-२२) ॥

सौवीर देश— ५।१०।१, १५; १२।६; १३।२५) ॥

(ह)

हरिवर्ष— ५।१६।९; १८।७ (हेमकूट पर्वत के उत्तर में विद्यमान एक वर्ष जहां उत्तर दिग्विजय अवसर पर अर्जुन गये थे उसको अधीन करके बहुत से रत्न प्राप्त किये थे, सभा० २८।६) ॥

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

हस्तिनपुर— ११।१०।७, १३

हस्तिनापुर— ६।२१।२०
१०।४६।१; ६८।१५

हाटकी— ५।२४।१७

हिमकूट— ५।१७।६

हिमवान्— ४।२२।५८; २५।१३ (भारत की उत्तर सीमा पर स्थित एक विशाल पर्वत राज जो शरीर से पर्वत होते हुए भी आत्मा से देवता है, वालखिल्य मुनि यहाँ तपस्या करने आये थे, आदि० ३०।१८) ॥

हिमाद्रि— ४।१०।३, ५

हिमालय— १।१३।३०
२।१६।६
११।१६।२

हिरण्यक वर्ष— ५।१६।८; २८।२६ (जम्बूद्वीप का एक खण्ड जो श्वेत पर्वत से आगे है, सभा० २८।६) ॥

हिरण्यष्ठीव— ५।२०।३

हेमकूट— ५।१६।६; १७।६ (उत्तर दिशा का एक पर्वत जहां अर्जुन ने अपनी सेना का पड़ाव डाला था और वहाँ से वे हरिवर्ष में गये थे, सभा० २८।६ के बाद दा० पाठ) ॥

हेमपर्वत— ५।१६।२६

卐

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

शुद्धि पत्र

पृष्ठ सं०	अशुद्ध	शुद्ध
१९.	आसरन	आसारण
२४-	उञ्चवृत्ति	उञ्छवृत्ति
२६.	उङ्गाता	उद्गाता(पाठा०)
२७.	उपानन्द	उपनन्द
२८.	उरङ्क	उरङ्कः
३०.	उरुक्रिय	उरुक्रिय
३०.	ऋजू	ऋजु
३२.	(हस्ती)	(हस्ति)
३७.	कण	कर्णः
३९.	कारुष	कारूष
४०.	कालगर	कालनर
४०	कालषेय	कावषय
४२.	कीलनाभ	कालनाभ
४४.	कुर्वि	कुणि
४७.	कृष्ण व्यास	
४९.	कृष्ण	१।१।१, ५।४७, ४९, ६।४४, १३।८ १४।१, २२।२६, २९, ४८, ५९, ३०।२१, ३१।८, ९, १४, १८, २१, १२।२।२९, ३०, ३३, ३।१५, ६।३५, ११।२५, १२।१, २७, ५४
४९.	कृष्ण (नरपति) १२।१।२१ (व्यास) १२।४।४१	
६८-	(तन्तु)	जन्तु
	दुर्व ९,२२,४७	दूर्व ९।२२।४२
७९.	देवावध	देवावृध

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

पृष्ठ सं	अशुद्ध	शुद्ध
९३.	परीक्षित	९।११६, २२।४, ९
९५.	पुरुखा १२।३९	पुरूरवा ९।२४।१५, ४९, १७।१
९६.	पुष्करनास	पुष्करनाभ
१००.	प्रचेतसम्	प्रचेतस
	प्रचेत्य	,,
१०१.	प्ररीरक	प्रवीरक
११५.	भूषण	दूषणा(पाठा)
११५.	भौष्मी	भैष्मी १०।६०।१
१२०.	मद्रुम	मन्त्रद्रुम
१२१.	महानाम	महानाभ
१२१.	महामवा	महामना
१२१.	महामख	महानरव
१२१.	महांस	महाश
१२१.	महाशव	महाशन
११२.	मातरिश्वना	मातरिश्वा
१२३.	मारिच	मारीच
११६.	(कश्यपपयार्नी)	(कश्यपपत्नी)
१२८.	मौद्बूर्तिका	मौहूर्तिका
१३०.	यातुधीन	यातुधान
१३२.	युयुधाम	युयुधान
१३२.	युवानश्व	युवनाश्व
१३३.	ररूषक	करूषक
१३६.	रावन	रावण
१३६.	राष्ट्रपानी	राष्ट्रपाली
१२८.	रेणुह्य	रेणुहय(पाठा०)

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

पृष्ठ सं०	अशुद्ध	शुद्ध
१४२.	वरीयमान	वरीयान
१४२.	वरुथप	वरूथप
१४४.	वसुमृद्याद	वसुभृद्यान
१४४.	व्रत्येयु	व्रतेयु
१४४.	व्रजौफा	व्रजौकस
१४६.	वार्षषर्वणि	वार्षपर्वणि
१४६.	वासनी	वारुणी
१५३.	विशाद	विषद
१५३.	विश्वकृत	विश्वकृत्
१५४.	विश्वा	विश्व
१५४.	वाहु	बाहु
१५४.	विश्वाश्रृवा	विश्रवास्
१५८.	वृज	वृष
१५९.	वेद्याः	वेधाः
१५९.	वेदिवत्	वेदिषद्
	(विषयु)	(विष्णु)
१५९.	वृष्णि	वृष्टि
१६०.	वैघृत	वैधृत
१६१.	वश्वदेव	वैश्वदेव
१६६.	शारहूत	शारद्वत
१६८.	शिशुपालि	शिशुपाल
१६२.	शिशुभार	शिशुमार
	शुम्ह	सुम्ह
१६१.	शोल्कपनि	शौल्कायनि
१७५.	सनार्द्दन	सन्तर्दन
	सप्तर्द्दन	सन्तर्दन

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

पृष्ठ सं०	अशुद्ध	शुद्ध
	सन्नतिमान	सन्नतिमान
१७९.	स्वाहि	श्वाहि
१७९.	त्र्यक्ष	त्र्यक्ष
१८२.	सुचावा	सुचीर
१८७.	सूत्रायण	सत्रायण
१८८.	सोमपि	सोमापि
१८९.	सौवना	सौवल
१८९.	सौवती	सौवली
१९०.	हयविल	हर्यवन
१९४.	हर्यस्मद्	हविष्मद्
१९५.	हार्दिक्‍का	हार्दिक्य
१९७.	हृषीकेदूषर	हृषीकेश्वर
१९८.	अकुण्ठधिष्ठाय	अकुण्ठधिष्णाय
२००.	अवरोदा	अवटोदा ५।१९।१७
२०७.	कीरु	कोंक
२०७.	कुटकीचल	कुटकाचल
२०९.	कौशिकीन	कौशिकी
२०९.	कोन्ध	कोल्लक
२११.	गजाह्लर	गजाह्वय
२११.	गयाशिर	गयशिर
२१३.	चिकूट	त्रिकूट
२२२.	पुषीद	पूयोद
२३०.	वंक्षू	चक्षु
२३१.	व्रज	व्रज १२।१२।३४
२३२.	विशाला	१०।७८।३९ ११।२९।४७

Library • State Museum • Lucknow

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding : IKS

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow

Digitized by Sarayu Foundation Trust , Delhi and eGangotri Funding

CC-0. In Public Domain. UP State Museum, Hazratganj. Lucknow